राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 हमें इस देश को थ्री इडियट्स जैसा नहीं बनाना : पीयूष गोयल

ताइवान-चीन कारक के कारण भारत -प्रशांत क्षेत्र चाकू की धार पर 12

वर्ष : 13 | अंक : 271 | नई दिल्ली, सोमवार, 13 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल चतुर्थी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

भीम आर्मी का भोपाल में बड़ा शक्ति प्रदर्शन, विभिन्न मांगों को लेकर जुटे हजारों कार्यकर्ता

- भीम आर्मी के राष्ट्रीय प्रमुख चंद्रशेखर रावण करेंगे जनसभा को संबोधित

भोपाल, एजेंसी

जातिगत जनगणना, प्रमोशन में आरक्षण का कानू बनवाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर भीम आर्मी ने राजधानी भोपाल में रविवार को बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया है। दशहरा मैदान पर आयोजित जनसभा में कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोग जमा हो चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बसों के माध्यम से लोगों को इस सभा में लाया गया है। इसमें प्रदेश भर से पांच लाख कार्यकताओं के पहुंचने की उम्मीद है।

रात से ही कार्यकताओं का कार्यक्रम स्थल पर जुटना शुरू हो गया था। भीम आर्मी के राष्ट्रीय प्रमुख चंद्रशेखर रावण भी इसमें शामिल हो रहे हैं। भेल दशहरा मैदान पर आयोजित जनसभा में भीम आर्मी

के अलावा जय युवा आदिवासी संगठन (जयस), ओबीसी महासभा, गोडवाना गणतंत्र पार्टी और आजाद समाज पार्टी के लोग भी इसमें शामिल हो रहे हैं।

यह प्रदर्शन जातिगत जनगणना कराने, प्रदेश सरकार से प्रमोशन में आरक्षण का कानून बनवाने, आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करवाने जैसी 15 से ज्यादा मांगों को लेकर हो रहा है। इस जनसभा को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण संबोधित करेंगे। वह भोपाल पहुंच चुके हैं। वह दोपहर 2.00 के बाद वाहनों की रैली के साथ सभा स्थल पर पहुंचेंगे।

भीम आर्मी संगठन 2023 के विधानसभा चुनाव में एक मोर्चा बनाकर चुनाव मैदान में उतर सकता है। इस सभा में जय युवा आदिवासी शक्ति संगठन (जयस) के संरक्षक आनंद राय, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की अध्यक्ष मोनिका शाह भट्टी, ओबीसी महासभा के नेता महेन्द्र लोधी भी शामिल होंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार आस्तेय का दावा है कि प्रदर्शन में पांच लाख लोग शामिल होंगे। चंद्रशेखर के अलावा ओबीसी नेता प्रीतम लोधी, व्यापम कांड के व्हिसिल ब्लोअर डॉ. आनंद राय, सुनील आस्तेय, सुनील बैरसिया सहित प्रदेश भर के भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता और अनुसूचित जाति-जनजाति के लोग इस प्रदर्शन में शामिल होंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 08.0°C

बाजार

सोना	55,00
चांदी	54,300
सेंसेक्स	53,306
निफ्टी	21,503

स्वामी दयानंद की प्राथमिकताओं पर 'आजादी के अमृतकाल' में हो रहे प्रयास : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने आज से डेढ़ सौ वर्ष पूर्व विश्व को श्रेष्ठ बनाने, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और पर्यावरण व प्रकृति की संभाल कर रखने का आह्वान किया था। आजादी के अमृत-काल में देश उन सुधारों का साक्षी बन रहा है, जो स्वामी दयानंद की प्राथमिकताओं में थीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज विवादों में फंसे विश्व में स्वामी दयानंद का बताया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार कर रहा है। जो बीज स्वामी जी ने रोपा था, वह आज विशाल वट-वृक्ष के रूप में पूरी मानवता को छाया दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में भी जिन विषयों को उठाना कठिन होता है, उस पर स्वामी दयानंद ने आज से 150-200 साल पूर्व कार्य किया है। उन्होंने भेदभाव और कुरीतियों को दूर करने तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास किए। स्वामी दयानंद ने उस समय प्रयास किया जब यूरोप में महिला अधिकारों का विषय दूर की बात होती थी।

उन्होंने कहा कि आज हम देश को बिना भेदभाव की नीतियों और प्रयासों के साथ आगे बढ़ते देख रहे हैं। गरीब, पिछड़ों और वंचितों की सेवा पहला यज्ञ है। 'वंचितों को वरीयता' इस मंत्र को लेकर हर गरीब के लिए मकान, उसका सम्मान और हर व्यक्ति के लिए चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रधानमंत्री ने स्वामी दयानंद की भेदभाव दूर करने और लोगों को भारत की प्राचीन संस्कृति व परंपरा से जोड़ने के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौर में अध्यात्म और आस्था आडंबर का रूप धारण कर लेती हैं।

उनका प्रयास उस दौर में था, जब विदेशियों की ओर से भारतीय परंपरा के खिलाफ 'नरेटिव' गढ़े जा रहे थे। स्वामी दयानंद परंपरा को दूषित करने के प्रयास के उस दौर में 'संजीवनी' बूटी बनकर आए थे। उन्होंने कहा कि आज देश पूरे गर्व के साथ 'अपनी विरासत पर गर्व' का आह्वान कर रहा है। आज देश पूरे आत्मविश्वास के साथ कह रहा है कि हम देश में आधुनिकता लाने के साथ ही अपनी परंपराओं को भी समृद्ध करेंगे।

मोदी बोले- कांग्रेस बॉर्डर पर सड़क बनाने से डरती थी

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन में कहा- उन्हें सैनिकों के पराक्रम पर शक था

दौसा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे के पहले फेज का उद्घाटन किया। इसके बाद सभा में पीएम ने कहा- कांग्रेस की सरकार भारत के सीमावर्ती इलाकों में सड़क बनाने से डरती थी। उन्हें लगता था कि दुश्मन हमारी बनाई सड़कों से चलकर देश के भीतर आ जाएगा। मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस क्यों हमारे सैनिकों के शौर्य और बहादुरी को कम आंकती रही है। पीएम ने कहा- सीमा पर दुश्मनों को रोक देना और उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना हमारी सेना को बखूबी आता है। इससे पहले दौसा में हाइवे के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि यह विकसित होते भारत की भव्य तस्वीर है। जब ऐसी आधुनिक सड़कें बनती हैं तो देश की प्रगति को गति मिलती है। यह प्रोजेक्ट राजस्थान समेत मप्र, महाराष्ट्र और गुजरात की तस्वीर बदल देगा।

पुराना बजट पढ़ने को लेकर गहलोत पर ली चुटकी

भाजपा की रैली में नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बिना नाम लिए इशारों में निशाना साधा। उन्होंने कहा कि साल भर तक बजट को डिब्बे में बंद रखा। गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन यह साबित होता है कि कांग्रेस के पास न विजन है, न उसकी बातों में वजन है।

दिल्ली-जयपुर के बीच ट्रैवल टाइम आधा हो जाएगा

पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले 9 साल से इस तरह के प्रोजेक्ट्स पर बड़ी रकम खर्च कर रही है। इस साल के बजट में सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का प्रोविजन किया गया है। यह 2014 की तुलना में 5 गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा- इस हाइवे से जयपुर से दिल्ली जाने का टाइम आधा हो जाएगा। ये एक्सप्रेस-वे बंदरगाहों, लॉजिस्टिक पार्क को कई राज्यों से जोड़ेगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किए गए खर्च से सभी को फायदा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का एक और पक्ष है। जब यह तैयार हो जाता है तो किसान, स्टूडेंट, व्यापारी सभी को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। दुनिया में ऐसे अनेक अध्ययन हैं, जो बताते हैं कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगाई गई राशि जमीन पर कई गुना असर दिखाती है, इससे कई गुना निवेश आकर्षित होता है।

भारतीय वायुसेना के विमान ने सीरिया, तुर्की पहुंचायी भूकंप राहत सामग्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायु सेना का सातवां विमान भूकंप पीड़त सीरिया और तुर्की के लिए चिकित्सा उपकरण और आपदा राहत सामग्री लेकर रविवार को पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। ऑपरेशन दोस्त की उड़ान ने दमिश्क को 23 टन और तुर्की को 12 टन राहत सामग्री पहुंचाई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि विमान ने सबसे पहले भूकंप प्रभावित दमिश्क में राहत सामग्री पहुंचाई। 7वां ऑपरेशन दोस्त विमान 23 टन से अधिक राहत सामग्री के साथ सीरिया पहुंचा, जिसमें जेनसेट, सोलर लैंप, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, और आपदा राहत सामग्री शामिल हैं। दमिश्क हवाई अड्डे पर स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण के उप मंत्री मुताज डौजी द्वारा प्राप्त किया गया। इसके बाद इसने राहत सामग्री के साथ तुर्की के लिए उड़ान भरी ऑपरेशन दोस्त के तहत सांतवी उड़ान ने अदाना हवाई अड्डे पर तुर्की के लिए राहत सामग्री पहुंचाई है। प्रवक्ता ने पोस्ट किया, इसमें जमीन पर हमारी टीमों के लिए आपूर्ति के साथ रोगी मॉनिटर, ईसीजी, सिरिंज पंप और आपदा राहत सामग्री जैसे चिकित्सा उपकरण शामिल थे। भारतीय वायुसेन का सी-17 विमान 35 टन से अधिक राहत सामग्री ले जा रहा था, जिसमें से 23 टन से अधिक सीरिया में राहत प्रयासों के लिए और लगभग 12 टन तुर्की के लिए जा रहा था। सीरिया के लिए भेजी गई सहायता में स्लीपिंग मैट, जेनसेट, सोलर लैंप, तिरपाल, कंबल, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, और आपदा राहत उपभोग्य सामग्री जैसी राहत सामग्री शामिल है।

आरक्षण बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना बनेगी मजबूत आधार : डीएमके

चेन्नई, एजेंसी। सत्तारूढ़ डीएमके राज्य में विभिन्न समुदायों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए तमिलनाडु में जातीय जनगणना के पक्ष में है। तमिलनाडु सरकार ने एक नीति नोट में कहा है कि सरकार शैक्षणिक संस्थानों में 69 प्रतिशत कोटा लागू करने और राज्य में सरकारी सेवा में नियुक्तियों के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पहले ही जातिवार जनगणना की मांग कर चुके हैं। विपक्षी एआईएडीएमके ने अपने पिछले कार्यकाल में जातियों, समुदायों और जनजातियों पर मात्रात्मक डेटा के संग्रह के लिए एक आयोग का गठन किया था और मद्रास उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, न्यायमूर्ति ए. कुलशेखरन को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

संक्षिप्त खबरें

महाशिवरात्रि पर पाकिस्तान स्थित कटासराजद में शिव का महाअभिषेक करेंगे हिन्दू : बजाज

- तीर्थयात्रियों को एक दल 16 से 22 फरवरी तक पाकिस्तान की करेगा यात्रा
- यात्रा के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय एवं पाकिस्तान हाई कमीशन ने दी मंजूरी

यमुनानगर। पाकिस्तान स्थित हिंदुओं के प्राचीन एवं ऐतिहासिक तीर्थ कटासराज धाम की यात्रा के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय एवं पाकिस्तान हाई कमीशन ने हरी झंडी दे दी है। भारत के हिन्दू तीर्थयात्रियों का एक दल महाशिवरात्रि के दिन कटासराज धाम में भगवान शिव का महा अभिषेक करेगा। रविवार को जानकारी देते हुए यात्रा के मुख्य संयोजक एवं सनातन धर्म सभा के उत्तरी भारत के अध्यक्ष शिव प्रताप बजाज ने बताया कि सभा ने भारत सरकार को भेजें कार्यक्रम के अनुसार यह यात्रा 16 से लेकर 22 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। तीर्थ यात्रियों का दल 16 फरवरी को अमृतसर के बाघा बॉर्डर पहुंचेगा। यह दल महाशिवरात्रि के पावन पर्व 18 फरवरी के दिन पाकिस्तान के कटासराज में भगवान शिव का अभिषेक करेगा। तीर्थयात्रियों का दल लाहौर व अन्य स्थानों पर स्थित धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर 22 फरवरी को यह वापस आएगा।

तीन युद्धों के दिग्गज बने लद्दाख के नए एल-जी

श्रीनगर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए एक नए उपराज्यपाल की नियुक्ति की। लद्दाख के लोग संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और विशेष दर्जे की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा को राधा कृष्ण माथुर की जगह लद्दाख का एलजी नियुक्त किया गया है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति ने माथुर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। माथुर को 2019 में लद्दाख के पहले एलजी के रूप में नियुक्त किया गया था। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के दो केंद्र शासित प्रदेशों को 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ जम्मू और कश्मीर के तत्कालीन राज्य से अलग किया गया था। बी.डी. मिश्रा सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर हैं, जिन्होंने तीन दशक से अधिक समय तक सशस्त्र बलों में सेवा की। उन्होंने 1962 में भारत-चीन युद्ध, 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध और 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में भाग लिया था।

तुम्हारे पूर्वज हिंदू नहीं, मनु थे यानी आदम : मदनी

जैन मुनि ने किया विरोध, कई संत उठकर चले गए

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन के आखिरी दिन मौलाना अरशद मदनी के बयान पर जबर्दस्त बवाल हो गया। मदनी आरएसएस चीफ के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था- हिंदुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक जैसे हैं। मदनी ने कहा- तुम्हारे पूर्वज हिंदू नहीं, मनु थे यानी आदम। उनके इस बयान के विरोध में अधिवेशन में पहुंचे अलग-अलग धर्मगुरु मंच छोड़कर चले गए। जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख मौलाना सैयद अरशद मदनी के संबोधन के बाद मंच पर उपस्थित आचार्य लोकेश मुनि (जैन मुनि) ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, हम उनके (अरशद मदनी) के वक्तव्य से सहमत नहीं है। हम केवल आपस में मिलजुल कर रहने से सहमत हैं। हमने सभी ने प्रेम और सद्भाव की बातें की लेकिन मदनी साहब का जो वक्तव्य आया वह बिल्कुल अलग रहा। उन्होंने अपनी ही कोई कहानी कह दी। हम सभी सर्वसम्मति से मदनी जी की बातों का विरोध करते हैं। हमें जन्म देने वाले हमारे मां बाप हैं। इन्होंने आदम, अल्लाह और मनु को लाकर जो प्रतिपादन किया वह सही नहीं है।

उत्तर प्रदेश में होने वाला हर निवेश होगा सुरक्षित, प्रदेश सरकार देगी हर संभव मदद : योगी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में हो रहे जीआईएस-23 में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है। उत्तर प्रदेश की इस महान धरती पर खड़े होकर पूरे विश्व को निवेश के लिए न्योता देना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं राइस बास्केट के तौर पर मशहूर इस प्रदेश के इस कार्यक्रम के हम सब साक्षी बने यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। यूके उत्तर प्रदेश में डिफेंस एंड एयरोस्पेस के साथ मेडिकल के क्षेत्र में बड़ा निवेश करेगा। इसके लिए मैं सीएम योगी को आश्वस्त करता हूं। ये बातें जीआईएस के तहत दधीचि

हाल में आयोजित यूनाइटेड किंगडम पार्टनर कंट्री/ डिफेंस सेशन में ब्रिटिश गवर्नमेंट के डिफेंस प्रोक्योरमेंट मिनिस्टर एलेक्स चॉक केसी ने कही। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यूके ने पार्टनर कंट्री के रूप में जीआईएस में जो अपना योगदान दिया है उससे न केवल डिफेंस एयरोस्पेस की फील्ड में बल्कि फूड प्रोसेसिंग के फील्ड में इसे बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने में प्रदेश सरकार से उन्हे पूरा सहयोग प्राप्त होगा। सीएम योगी ने यूके डेलिगेशन को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में होने वाला हर निवेश न केवल सुरक्षित होगा बल्कि निवेशक के लिए भी फलदाई बनाने में राज्य सरकार अपनी पॉलिसी के तहत भरपूर मदद करेगी।

नियुक्ति हमारे दिमाग में केवल देश रहता है। हम उस संगठन- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आए हैं, जिसने हमेशा देश के लिए काम करना सिखाया है, किसी व्यक्ति के लिए नहीं...

नई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी एवं मेहनत से निभाने का करेंगे प्रयत्न : कटारिया

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया असम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति पाने के बाद जयपुर में सरकारी निवास पर मीडिया से रूबरू हुए। कटारिया से पत्रकारों ने पूछा कि असम-मेघालय में आपसी घमासान चलता रहा है, वहां किस सोच से काम करेंगे। सवाल पर कटारिया बोले-हमारे दिमाग में कोई धमाल नहीं रहता है। हमारे दिमाग में केवल देश रहता है। हम उस संगठन- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आए हैं, जिसने हमेशा देश के लिए काम करना सिखाया है, किसी व्यक्ति के लिए नहीं। मैं सोचता हूं वो संस्कार हमारे अंदर जिन्दा हैं, हम उसके आधार पर अपना काम करेंगे।

मुझे पीएम और पार्टी हाईकमान ने इस जिम्मेदारी के योग्य समझा

गुलाबचंद कटारिया ने राज्यपाल बनाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बीजेपी में मुझ साधारण और छोटे से कार्यकर्ता को जो भी जिम्मेदारी दी, मैंने उसे बखूबी निभाने की कोशिश की है। मैंने कभी पद मांगा नहीं है। ये पार्टी का ही बड़प्पन है कि वो जो उचित समझती है, वो जिम्मेदारी देती है। मुझे पीएम और पार्टी हाईकमान ने इस जिम्मेदारी के योग्य समझा है। मैं उनकी आशाओं पर खरा उतरने के लिए जो भी प्रयत्न हो सकता है करूंगा, अब तक किया है आगे भी करूंगा।

मैं आज भी अपने आप को एक कार्यकर्ता ही मानता हूं-कटारिया

कटारिया बोले- मुझे पार्टी ने कभी जो काम किया, मैंने किया। पहले एरिया में घूमकर पर्टी को खड़ा करने का काम किया। फिर प्रदेश में महामंत्री की जिम्मेदारी दी, उसे निभाया। प्रदेशाध्यक्ष पद का जिम्मा भी निभाया। मैं आज भी अपने आप को एक कार्यकर्ता ही मानता हूँ। देश के प्रधानमंत्री और हाईकमान ने मुझे इस लायक समझा कि मैं वहां (असम में) ये काम (राज्यपाल का) करूं, तो मैं पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम को अच्छे से अच्छे ढंग से पूरा करने की कोशिश करूंगा।

मेरे सूर्य अस्त और उदय का सवाल नहीं है

आपकी विरासत को कौन सम्भालेगा ? सवाल पर कटारिया बोले कि पार्टी में विरासत की जहां तक बात है, हमारे यहां भगवान की कृपा है कि हजारों कार्यकताओं के आधार पर बनी हुई पार्टी है, एक नेता के आधार पर बनी हुई पार्टी नहीं है। मेरे सूर्य अस्त और उदय का सवाल नहीं है। पार्टी के कार्यकताओं और जनता का आशीर्वाद है कि मुझ जैसे साधारण आदमी को भी वो पूरी मेहनत करके जिताते हैं। मैं जनता के आशीर्वाद से जीतता हूँ। ना तो मेरा कोई पारिवारिक बैकग्राउंड है, ना मैं कोई बहुत पैसे वाला या इंडस्ट्रियलिस्ट हूं। साधारण कार्यकर्ता हूँ। तो जिसने एक साधारण कार्यकर्ता को इतना बड़ा कार्यकर्ता बनाया है, कर्जा चुकाने के लिए मैं जितना जीवन में कर सकता हूं, उनके लिए करूंगा। उनके मन को भी हमेशा इस बात का ऐहसास कराऊंगा कि आपने जिसको पाल-पोसकर बड़ा किया है, उसने आपका मान और सम्मान आगे से आगे बढ़ाने का काम किया है।

मीडिया और राजस्थान वासी तय करें, मैं कितना सफल हुआ

कटारिया बोले, मैंने मेरी मेहनत करके, जो कुछ भी मैं कर सकता था, जितनी मेरी बुद्धि है और क्षमता है, वो करने का प्रयास किया है। ये निर्णय तो आप मीडिया और राजस्थान के वासी ही करें कि मैं उसमें कितना सफल हुआ या नहीं हुआ। राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय स्तर के बड़े सम्मेलन करवाए जाने पर कटारिया ने उसका श्रेय स्पीकर डॉ सीपी जोशी को दिया। कटारिया ने कहा जोशी ने इनोवेशंस किए हैं, अच्छे-अच्छे कार्यक्रम करके विधानसभा के सदस्यों को भी उससे जोड़ने का प्रयास किया है। राजस्थान विधानसभा का सौभाग्य है कि देश की बड़ी बड़ी डिग्निटी आकर विभिन्न कार्यक्रमों में शरीक हुईं, तो उसमें राजस्थान विधानसभा और राजस्थान का मान बढ़ा। उसमें एक सहयोगी हिस्सेदार हम भी थे, जितना कर सके, हमने भी किया।

वसुंधरा, पूनियां सहित भाजपा नेताओं ने राज्यपाल नियुक्त होने पर कटारिया को दी बधाई

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंती वसुंधरा राजे, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं कैलाश चौधरी सहित भाजपा के कई नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को असम के राज्यपाल नियुक्त करने पर उन्हें बधाई दी है। इस अवसर पर श्रीमती राजे, डॉ. पूनियां, श्री सिंह, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ सहित कई पार्टी नेता श्री कटारिया के आवास पर जाकर उन्हें बधाई दी। इस मौके श्रीमती राजे ने उन्हें इस नई एवं बड़ी जिम्मेदारी की बधाई देते हुए एक यशस्वी कार्यकाल की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा कि उनका ओजस्वी एवं प्रभावी व्यक्तित्व एवं राजनीतिक अनुभव असम की उन्नति का नया अध्याय लिखेगा। उन्होंने कहा कि श्री कटारिया अनुभवी एवं संजीदा नेता है और उनका राजस्थान में नाम है, प्रतिपक्ष नेता के रुप में उन्होंने विधानसभा में अपना पक्ष मजबूती से रखा है। डॉ. पूनियां ने श्री कटारिया को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह तपस्वी राजनेता है, जिन्होंने पूरे मेवाड़ में जनकल्याण का कार्य करते हुए भाजपा को धरातल पर मजबूत किया है। श्री राठौड़ ने कहा कि उनका दीर्घकालिक राजनीतिक अनुभव असम राज्य की समृद्धि, खुशहाली तथा सम्पन्नता का मार्ग प्रशस्त करेगा। श्री शेखावत ने सोशल मीडिया के जरिए श्री कटारिया को असम का राज्यपाल बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि संघ एवं भाजपा कार्यकर्ता के रूप में उनका जीवन राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को सदैव प्रेरणा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में भी उन्होंने राज्य सरकार को सदा ही न्यायसंगत दिशा दिखाई है।

प्रशासन और पुलिस सख्त, परीक्षा केंद्रों का आईजी और एसएसपी ने लिया जायजा

प्रात : किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य में बीते दिनों पटवारी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो जाने के बाद आज रविवार को राज्य में लोक सेवा आयोग द्वारा पटवारी भर्ती परीक्षा पुनः आयोजित कराई जा रही है। भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। बता दें कि जनपद में 66 परीक्षा केंद्र सहित हल्द्वानी में 59 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनकी सुरक्षा के लिए नैनीताल पुलिस पूरी तरह मुस्तेद है। इधर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कुमाऊँ परिक्षेत्र नीलेश आनंद भरणे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल पंकज भट्ट ने ग्राउंड जीरो पर उतरकर परीक्षा केंद्रों पर मौका मुआयना किया। इसके साथ ही आईजी एवं एसएसपी ने अभियर्थियों से भी बातचीत की। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा केंद्रों पर पुलिस, एलआईयू सहित एसओजी की भी तैनाती की गई है और परीक्षा केंद्रों पर आने वाले अभियर्थियों को किसी भी प्रकार से इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और मोबाइल फोन नहीं ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध किया गया है। तथा सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर बनी हुई है, पूरी निष्पक्षता के साथ पटवारी भर्ती परीक्षा कराए जाने को लेकर पुलिस सजग है।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में शांतिपूर्ण संपन्न कराई गई पटवारी/लेखपाल भर्ती परीक्षा

हल्द्वानी। जनपद के 66 परीक्षा केंद्रों में निर्विरोध व शांतिपूर्ण तरीके से आज राजस्व उप निरीक्षक (पटवारी/लेखपाल) की पुनः भर्ती परीक्षा सम्पन्न हुई। इस आशय की जानकारी देते हुए नोडल अधिकारी शिवचरण द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन हेतु जनपद नैनीताल में 04 जोनल व 66 नोडल अधिकारी नामित किये गए थे। कुल 23841परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन किया गया था, जिसमें से 16 हजार परीक्षार्थी उपस्थित व 7841 अनुपस्थित रहे। पटवारी भर्ती परीक्षा के सकुशल आयोजन हेतु पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। निर्विरोध, शांतिपूर्वक व पारदर्शी परीक्षा हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्र व अन्य स्थलों में कुल 480 पुलिस बल तैनात था जिसमें 02 अपर पुलिस अधीक्षक, 05 सीओ, 05 एसओ, 04 निरीक्षक, 66 उपनिरीक्षक, 132 कॉन्स्टेबल, 50 यातायात व अन्य बल विभिन्न व्यवस्था में शामिल था। परीक्षा हेतु प्रदेश के अंदर उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में अभ्यर्थियो को किरायों में शत-प्रतिशत की छूट दी गई। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पटवारी / लेखपाल की परीक्षा 12 फरवरी, 2023 में पुनः सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को उनके प्रवेश पत्र के आधार पर उत्तराखण्ड व उत्तराखण्ड के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी परीक्षा स्थल के नजदीक बस स्टेशन तक निःशुल्क यात्रा सुविधा दी गई जिसमें पंजाब, जालन्धर, चंडीगढ़, गुडगांव, दिल्ली के साथ ही पहाड़ से लगभग कुल 3500 हजार परीक्षार्थियों ने निशुल्क सेवा का सुगमता से लाभ उठाया।

धामी सरकार का संकल्प सही को हम छेड़ेंगे नही, गलत को हम छोड़ेंगे नहीं: जोशी

बाजपुर ।जनपद प्रभारी एवं प्रदेश के कृषि कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने ब्लॉक कार्यालय में आयोजित में मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजनाह्न का शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। पौड़ी में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के प्रसारण को भी मंत्री जोशी ने सुना। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि लाभार्थियों का बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2022 में चुनावों के दौरान अपने घोषणा पत्र में कहा था कि सरकार बनने पर प्रदेश के (1.84 लाख) अंतोदय कार्ड धारक परिवारों को सालाना 03 निशुल्क गैस रिफिल का लाभ दिया जाएगा। धामी सरकार ने अपने वादे को पूरा करते हुए पिछले वर्ष जुलाई से ही इसे प्रदेश में लागू कर दिया था। मंत्री जोशी ने इस योजना के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया ।मंत्री जोशी ने कहा मुख्यमंत्री अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना से जनपद ऊधम सिंह नगर में प्रचलित अन्त्योदय योजना के कुल 17445 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इण्डिया) देहरादून का हुआ विस्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

देहरादून। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की देहरादून शाखा का आज प्रेक्षागृह इन्दर रोड पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए भविष्य ने पत्रकारो की छवि, दिशा एवं दशा पर विचार किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप मे बोलते हुए डॉ एस० फारूख ने पत्रकारो से आहावान किया कि वर्तमान परिपेक्ष में अपनी जिम्मेदारियो को देखते हुए एक सेतू के रूप में कार्य करे एवं पत्रकारिता का एक स्वच्छ प्रतिबिम्ब समाज के सम्मुख प्रस्तुत करे। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एन0यू0जे0आई) के मुख्य संरक्षक के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार और ब्रहमदत्त शर्मा ने कहा कि पत्रकारों की जायज समस्याओं और लंबित समस्त प्रकरणों पर लगातार सरकार से हो रही वार्ता के उपरांत फरवरी माह के अंत अथवा मार्च के प्रथम सप्ताह तक बहुत सारे मुद्दों का निस्तारण होने की आशा है। शर्मा ने संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से अनुरोध किया की नियमित रूप से बैठकों के द्वारा पत्रकारों को इसके साथ जोड़ते हुए उनकी समस्याओं का निदान प्राथमिकता के आधार पर कराने में अपना सहयोग प्रदान करें ।

इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व संगठन के पूर्व प्रांतीय महामंत्री सुशील त्यागी ने कहा कि जिस प्रकार पूरी तन्मयता से पूर्व में समाचार पत्रों के मान्यता का प्रकरण का ब्रह्मदत्त शर्मा के नेतृत्व में निस्तारण हुआ था उसी तर्ज पर अब नए प्रकरण भी शीघ्र सुलझाए जाएंगे संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष हर्ष निधि शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा पत्रकारिता के दायित्व को निभाते हुए हम जन सरोकारों के मुद्दे भी पूरी दृढ़ता के साथ उठाएंगे और समाज में एक सजग प्रहरी के रूप में कार्य करेंगे विशिष्ट अतिथि नरेंद्र सेठी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि मैं संगठन के हर कार्य में तन मन धन से सभी सम्मानित सदस्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। विशिष्ट अतिथि केशव पचौरी सागर ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि मैं संगठन एवम समाज उत्थान के लिए हमेशा ही अग्रसर रहता हू तथा जब भी समाज एव संगठन को मेरी आवश्यकता होगी तो मैं सदैव तत्पर रहूंगा। विशिष्ट अतिथि रवि अरोडा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि पत्रकारो को अपने उपर विश्वास रखना चाहिए इस अवसर पर उन्होने पत्रकारो को अपनी गुणवत्ता बनाये रखने पर जोर दिया जब भी समाज एव संगठन को मेरी आवश्यकता होगी तो मै सदैव तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार छाबड़ा के नेतृत्व एवम सानिध्य में अपना पूर्वर्ती संगठन छोड़ते हुए आज पने 48 साथियों के साथ नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एन0यू0जे0आई) को ज्वाइन किया है राजकुमार छाबड़ा जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मै तथा मेरे समस्त सहयोगी पत्रकार समाज के हितो को सर्वेपरि मानते है जिसकी वजह से भारत के सबसे बड़े एवं पुराने विश्वस्तरीय संगठन को अपने अन्य पुराने संगठन / संस्था को छोड़कर आज एनयूजेआई को अपने सहयोगियों के साथ ज्वाईन कर रहा हूँ और यह मेरी एक तरह की घर वापसी है। राजकुमार छाबड़ा पुराने संगठन में प्रदेश कोषाध्यक्ष के पद पर थे व संस्थापक सदस्यों में भी थे इनके साथ पूर्व संगठन से अन्य सस्थापक सदस्यगण हर्ष निधि शर्मा, रवि अरोडा, व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य, शैलेन्द्र सिंह (पूर्व जिलाध्यक्ष) एंव, प्रेमलता भरतरी (पूर्व उपाध्यक्ष) अपनी पूरी महिला मण्डल मीनाक्षी कश्यप, दीप शिखा मदान तनूजा बिष्ठ रीटा बधानी पूनम अग्रवाल, अमर जीत कौर, राधिका बजाज आदि ने सदस्या ग्रहण की । बालेश गुप्ता वीर सिंह चौहान, हरीश नौटियाल जिला कोषाध्यक्ष, जय ओबराय, हिमान्शु छाबडा, अंकित कश्यप, विरेन्द्र सिंह तरूण सिंह आशीष नेगी वरुण छाबडा सरदार हरदीप सिंह, सरदार हरप्रीत सिंह, आकाश कश्यप हर्ष अग्रवाल, राजेश गुप्ता नवीन टुटेजा मनोज रजन हर्ष अग्रवाल, सुमित मनोज रजन, शान मियां खान एवं सिकन्दर मसूरी क्षेत्र से वरूण राठी राजेश सिंह सरदार करण सिंह, निशान भारती, नवीन घिल्डियाल, अरूण सिंह आदि सम्मिलित हुए। राजकुमार छाबड़ा ने कहा कि मेरे कुछ अन्य सहयोगी भी पुराने संगठन / संस्था को छोडकर 50 से 60 वरिष्ठ पत्रकार शीघ्र अतिशीघ्र एनयूजेआई की सदस्यता ग्रहण करेंगे जिससे पत्रकारों को उनकी समस्या का सुदृढ रूप से निदान किया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन के अध्यक्ष राजू वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते अगली हुए बैठक का शीघ्र आयोजन की तिथि घोषित करने की घोषणा की कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमन कण्डेरा ने किया। जिला सचिव शुभम ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य दीपक नेगी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में सर्वसम्मति यह भी निर्णय पारित हुआ कि होली मिलन कार्यक्रम 26 फरवरी 2023 को पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाएगा।

भाजपा एवं प्रधानमंत्री पर अभी तक नहीं लगे आरोप:गणेश जोशी

प्रात : किरण, संवाददाता

बाजपुर ।सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में दो दिवसीय कार्यसमिति की जिला संगत्मक की बैठक का शुभारंभ जिला प्रभारी मंत्री गणेश जोशी एवं जिला प्रभारी सुरेश भट जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा भारत माता की जय के उद्देश्य एवं वंदे मातरम राष्ट्रगीत से जिला कार्यसमिति का शुभारंभ कर कहा भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है हम सभी कार्यकर्ता पार्टी को समर्पित है बूथ कार्यकताओं के साथ मिलकर सभी के पार्टी के प्रत्याशियों को आगामी चुनावों में विजय हासिल करानी है। जिला प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने कहा जी-20 मेजवानी करने का गौरव हमारे देश के प्रधानमंत्री एवं देश को प्राप्त हुआ ।हर कार्यकताओं को समय आने पर पद अनुरूप सम्मान मिलता है। हृदय रखकर पार्टी के लिए समर्पित रहना कांग्रेस पार्टी जब भी सत्ता में आती है तो दलाली करती है भाजपा जब सत्ता में आती है तो देश के हित व जनता के लिए कार्य करती है। उन्होंने कहा भाजपा पार्टी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 9 वर्ष से सत्ता में है लेकिन हमारी पार्टी के ऊपर अभी तक कोई आरोप नहीं लगा ।भाजपा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने में लगी है ।इस मौके पर पूर्व सांसद बलराज पासी पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पांडे विधायक त्रिलोक सिंह चीमा मेयर उषा चौधरी पूर्व विधायक शैलेंद्र मोहन सिंघल, राम मेहरोत्रा,राजेश कुमार,बिट्टू चौहान,विकास गुप्ता,विमल शर्मा, अमित नारंग,विरेंद्र बिष्ट,अमित चौहान आदि मौजूद थे।

विधायक कैड़ा ने किया स्यूड़ा से कौन्ता -हरीशताल मोटर मार्ग पर डामरीकरण के कार्य शुभारम्भ

प्रात : किरण, संवाददाता

विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा स्यूड़ा से कौन्ता हरीशताल मोटर मार्ग के डामरीकरण हेतु टेंडर खोलने को हाई कोर्ट ने आदेश कर दिया था व सुप्रीम कोर्ट से भी इजाजत मिल गई थी ,कैड़ा ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्यूड़ा से कौन्ता, पटरानी,ककोड, हरीशताल -ल्वाड डोबा तक 37 किमी मोटर मार्ग का निर्माण कार्य 4 साल पहले हो चुका था विधायक कैड़ा ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत उक्त मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए धन स्वीकृत हुआ विभाग द्वारा निविदा डाली गई ठेकेदारो ने 3 साल पुर्व टेंडर डाला और ठेकेदारो की आपसी लड़ाई के बाद मोटर मार्ग का 3 साल पुर्व टेंडर होने के बाद भी अभी तक डामरीकरण का कार्य प्रारम्भ नहीं हो पाया था हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी विधायक कैड़ा ने कहा दो ठेकेदारों की आपसी लड़ाई के बाद 10 गाँव की जनता की उपेक्षा की जा रही थी डामरीकरण नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानियो का सामना करना पड़ रहा था बरसात मै मोटर मार्ग पर कीचड़ होने से मार्ग बंद हो जाता है विधायक कैड़ा ने विधानसभा सत्र के दौरान सरकार से व लगातार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व ग्राम विकास सचिव उदय राज से स्युडा से कौन्ता -हरीशताल मोटर पर डामरीकरण कार्य प्रारम्भ करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने मांग की विधायक की मांग को मुख्यमंत्री तथा विभाग के अधिकारियो ने सुना जिसके बाद स्यूड़ा से हरीशताल -ल्वाड डोबा तक 37 किमी मोटर मार्ग पर डामरीकरण कार्य प्रारम्भ करने आदेश दिया, विधायक कैड़ा ने आज स्यूड़ा से कौन्ता -हरीशताल -ल्वाड डोबा तक डामरीकरण का कार्य का शुभारम्भ किया! विधायक कैड़ा ने उक्त मोटर मार्ग पर नैनीताल व भीमताल की तर्ज पर लोहाखामताल व हरीशताल 2 सुन्दर झीले है सड़क पर डामरीकरण नहीं होने के पर्यटन के क्षेत्र मै विकाश नहीं हो पा रहा था विधायक कैड़ा ने कहा मोटर मार्ग पर डामरीकरण कार्य पुरा होने के बाद झीलों को देखने पर्यटको का आना होगा और क्षेत्र लोगो को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे,लोहाखाम ताल व हरीशताल झील के सौन्दरीकरण करने का प्रयास किया जायेगा विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री धामी,सांसद अजय भट्ट,ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी का आभार व्यक्त किया है !

इस दौरान जेस्ट प्रमुख प्रदीप मटियाली, प्रधान डीकर सिंह मेवाड़ी, प्रधान दयाकिसन, प्रधान मोहन सिंह बबियाडी, प्रधान मोहन बिष्ट, डुंगर ढ़ोलगाई ललित भट्ट, अंजू देवी, नवीन सम्ब्ल, दिनेश बिष्ट,् बिशन परगाई,तेज सिंह चिलवाल, जमन सिंह चिलवाल, दीवान राम,प्रताप सम्मल, बालम सम्मल, सुरेश सिंह मेवाड़ी,आदि लोग मौजूद रहे ?

सीबीआई जांच की आड़ में कांग्रेस युवाओं के साथ कर रही है राजनीति : भाजपा

प्रात : किरण, संवाददाता

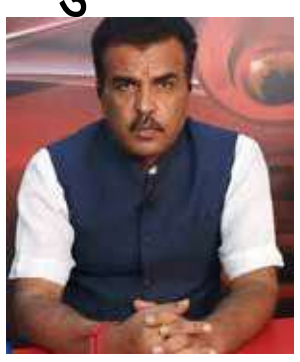

देहरादून/हल्द्वानी। भाजपा ने नकल विरोधी अध्यादेश को लेकर सीएम धामी का धन्यवाद करते हुए कांग्रेस पर सीबीआई जांच की आड़ में युवाओं के साथ राजनीति करने का आरोप लगाया है। इस पूरे प्रकरण में पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए पार्टी प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कहा, हमारी सरकार देश का पहला सबसे सख्त नकल निरोधक कानून लेकर आई है, लेकिन दिल्ली में सीबीआई का विरोध करने वाली कांग्रेस युवाओं को रोजगार से दूर करने के षड्यंत्र के तहत राज्य में सीबीआई जांच की मांग कर रही है ।पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सुरेश जोशी ने स्पष्ट किया कि अब तक जितने भी भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ी या नकल की बात सामने आई मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निदेशों पर ऐतिहासिक व सख्त कार्यवाही के साथ रिकॉर्ड गिरफ्तारियां हुई। इसके अतिरिक्त सरकार अपने वादों के अनुरूप लगातार भर्ती कैलेंडरों के अनुशार प्रदेश में रिक्त सभी पदों पर युवाओं को रोजगार देने की दिशा में भी जुटी है । लेकिन पुराने एवं वर्तमान भर्ती प्रकरणों में लगातार धांधलियों का सामने आना और गिरफ्तार आरोपियों की जमानत मिलने के कारण सरकार देश का सबसे सख्त नकल निरोधक कानून लेकर आई है जिसमें नकल कराने वालों को न्यूनतम 10 वर्ष से लेकर अधिकतम आजीवन कारावास के साथ नकल करने वालों को 3 से 7 वर्ष की सजा का प्रावधान किया गया है । इस कानून का स्वागत करते हुए पार्टी संगठन प्रदेश के समस्त कार्यकताओं एवं महान जनता की तरफ से मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी का आभार व्यक्त करता है ।जोशी ने कांग्रेस पर सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदेश के युवाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है । उन्होंने कहा, एक तरफ दिल्ली में बैठे उनके राहुल गांधी समेत सभी शीर्ष नेता जिस सीबीआई-ईडी की प्रत्येक जांच का विरोध करते हैं और यहां राज्य में राहुल और उनके स्थानीय नेता उसी सीबीआई से जांच की मांग पर युवाओं को भड़काते हैं । उन्होंने जोर देते हुए कहा, हमारी सरकार की प्राथमिकता है भ्रष्टाचार पर कार्यवाही करते हुए रोजगार प्रक्रिया तेज कर युवाओं के साथ न्याय करना । वहीं कांग्रेस की प्राथमिकता सीबीआई जांच की मांग के चलते भर्ती प्रक्रियाओं को लंबित करना और बेरोजगारों को नौकरी से दूर रख मुद्दे का राजनैतिक लाभ लेना । पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुए गांधी पार्क में हुए घटनाक्रम पर उन्होंने कहा, सीएम के निदेशों पर गढ़वाल आयुक्त द्वारा जांच की जा रही है ताकि ये सत्य भी सामने आए बेरोजगारों के मध्य वे कौन से असामाजिक तत्व थे जिन्होंने कानून अपने हाथों में लिया क्योंकि हमें अपने युवाओं पर भरोसा है वे कभी ऐसा नही कर सकते। पत्रकार वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, प्रदेश प्रवक्ता विनोद सुयाल, विपिन कैंथोला, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजेन्द्र नेगी, सत्यवीर चौहान आदि मौजूद रहे ।

कार्यक्रम टी सीरीज एवं सोनी के सिंगर मनोज वर्मा एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा शानदार संगीतमय प्रस्तुति दी गई...

ध्रुव तारे की भांति चमकेगा मार्स रिसोर्टस: मोहित बेनीवाल

प्रात : किरण, संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के निकट स्थित मार्स रिसोर्टस का उद्घाटन भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री मोहित बेनीवाल ने फीता खोल कर किया। इस अवसर पर सुभारती ग्रुप के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण, सुभारती विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती स्तुति नारायण कक्कड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज, मार्स रिसोर्टस के निदेशक डॉ. रोहित रविन्द्र, सुभारती अस्पताल के उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कृष्णा मूर्ति, डा. आकांशा सिंह, अवनी कमल सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टी सीरीज एवं सोनी के सिंगर मनोज वर्मा एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा शानदार संगीतमय प्रस्तुति दी गई। सभी ने संगीत का लुत्फ लिया। मुख्य अतिथि भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री मोहित बेनीवाल ने कहा कि अतिथि सत्कार में उत्कृष्ट सेवाएं देने हेतु मार्स रिसोर्टस मेरठ की धरती पर ध्रुव तारे की भांति चमकेगा। उन्होंने मार्स रिसोर्टस का भ्रमण करते हुए कहा कि दिल्ली मुम्बई जैसे बड़े शहरों की तर्ज पर मार्स रिसोर्टस में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है, जो अतिथियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। उन्होंने कहा कि मार्स रिसोर्टस में स्थित फूड प्लाजा में देश विदेश के प्रतिष्ठित रेस्तरां भी मेरठ में उद्योग एवं पर्यटन को गति देने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार उद्योग को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है, इसके साथ ही हर स्तर पर विकास के कार्य किए जा रहे है। मार्स रिसोर्टस के निदेशक डॉ. रोहित रविंद्र ने बताया कि मार्स रिसोर्टस में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध है। रिसोर्ट में ठहरने हेतु आधुनिक वातानुकूलित कमरे एवं स्विमिंग पूल स्थित है। उन्होंने बताया कि मार्स रिसोर्ट के फूड कोर्ट में डोमिनोज के अतिरिक्त शीघ्र ही मैकडॉनल्डस, हल्दीराम, सागर रतना आदि उपलब्ध हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि मार्स रिसोर्टस में उपलब्ध विभिन्न देश विदेश के ब्रांड विदेशी व परम्परागत व्यंजनो से लोगो को अपनी और आकर्षित करेंगे। उन्होंने मार्स रिसोर्टस के आर्किटेक्चर श्री अनिल जैन एवं इंजीनियर श्री एस.आर. एहलावत की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन संस्कृति विभाग के निदेशक डा. विवेक कुमार ने किया। इस अवसर पर कुलपति मेजर जनरल डा. जी.के.थपलियाल, राष्ट्रीय कवि हरिओम पंवार, वरिष्ठ अधिवक्ता जी.एस.धामा, पूर्व डीजीसी एसपी सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. मैराजुद्दीन अहमद, नवाब अहमद हमीद, पूर्व विधायक राजेन्द्र शर्मा, फिरोज अली, ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी, महानगर संघचालक श्री विनोद भारती, डा. तनुराज सिरोही, डा. चिकारा, श्री ओपी शर्मा, जिला पंचायत सदस्य सम्राट मलिक, जमीयत उलेमा बागपत के उपाध्यक्ष मुफ्ती शाह आलम, हाजी आजाद, वसीम अहमद, विपिन चपराना, विनीत चिकारा, इंजीनियर विजय अग्रवाल, मार्स रिसोर्टस के प्रबन्धक अशोक पुरी आदि सहित सुभारती परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

गजब-कालाढूंगी विधानसभा, आबादी दो लाख-एक दिन होता है अल्ट्रासाउंड

स्वास्थ्य सुविधाओं के नहीं है माकूल इंतजाम: जाहिद हबीबी

कालाढूंगी। यूं तो कालाढूंगी विधानसभा बने हुए एक दशक से अधिक का समय बीत गया है मगर आज भी यहां की जनता माकूल स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तरस रही है। कालाढूंगी, ब्लाक कोटाबाग ग्रामीण, नयागांव, कमोला, धमोला, बैलपड़ाव क्षेत्र की तकरीबन दो लाख की आबादी पर सप्ताह में मात्र एक दिन ही अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलती है। जी हां सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कोटाबाग में सप्ताह में एक दिन अल्ट्रासाउंड होता है। इसी के साथ कालाढूंगी, कोटाबाग, बैलपड़ाव में स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक और स्टाफ तो हैं, मगर जरूरी उपकरण न होने से यहां के लोगों को हल्द्वानी या रामनगर हायर सेंटर जाना पड़ता है। इस क्षेत्र में कोई घटना या दुर्घटना हो जाने पर यहां स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खुलकर रह जाती है। ऐसे में कालाढूंगी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिफर सेंटर ही साबित होता है। इतने बड़े क्षेत्र में दिन में दो बजे के बाद तो क्षेत्रीय जनता का भगवान ही मालिक है। इतनी बड़ी आबादी पर जहां सिर्फ एक दिन अल्ट्रासाउंड होता है तो एक सर्जन तक की व्यवस्था नहीं है। यहां तक कि ऑक्सीजन व्यवस्था के भी कोई माकूल इंतजाम नहीं हैं। राज्य की बात करें तो कांग्रेस व भाजपा को बारी-बारी मौका मिला है। मगर क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के बारे में सरकार व जनप्रतिनिधि उदासीन बने रहे। कोई घटना हो जाने या किसी का स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर बामुश्किल अस्पताल लाया जाता है, मगर यहां से हास्य सेंटर रेफर कर दिया जाता है। कालाढूंगी विधानसभा का कालाढूंगी का यह मुख्य स्वास्थ्य केंद्र खुद बीमार है। ऐसे में इस क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य का कोई सुधलेवा नहीं है। सरकार व जन प्रतिनिधियों ने इस तरफ ध्यान देना होगा।

बेरोजगारों की आवाज को दबा रही सरकार

कालाढूंगी। उत्तराखंड में इस समय बेरोजगारी चरम पर है, और राज्य सरकार अपनी झूठी उपलब्धि गिनाने में ही मस्त है। यह बात कांग्रेस नेता एवं जिला नियोजन समिति के सदस्य महेंद्र चौधरी ने कही। चौधरी ने कहा प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं का ठीकरा बेरोजगारों का सिर पर फोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने त्याग पत्र दे देना चाहिए। चौधरी ने कहा कि एक युवा अपने भविष्य की चिंता करते हुए कई साल मेहनत करता है, जब पेपर देता है तो पेपर लीक होने की घटना हो जाती है। सरकार पेपर लीक मामले में सफेदपोशों को बचाने के लिए बोरजगारों की आवाज को ही दबाने का प्रयास कर रही है। रोजगार देने का वादा करने वाली प्रदेश सरकार बेरोजगारों पर लाठियां बरसवा रही है, बेरोजगार और उत्तराखंड की जनता भाजपा एवं प्रदेश सरकार को कभी माफ नहीं करेगी।

भाजपा मंडल कार्यकारिणी का विस्तार

बुधलाकोटी, मेहरा को महामंत्री की जिम्मेदारी। कालाढूंगी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट की संस्तुति के बाद कालाढूंगी मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल ने कार्यकारिणी का विस्तार कर दिया है। विनोद बुधलाकोटी का अनुभव फिर से लिया जाएगा उनको मंडल महामंत्री की पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए वार्ड नंबर 7 के सभासद हरीश मेहरा को मंडल महामंत्री की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। मंडल कार्यकारिणी में तीन महिलाओं को भी मौका दिया गया है। इसी के साथ कुंदन जंतवाल, कविता वालिया, गोपाल बिष्ट, तारा दत्त रखोलिया को उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूरन जोशी, ममता शाह, आरती टम्टा, नरेंद्र सामंत, आनंद खनायत को मंत्री, हरीश कनवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि श्याम दत्त रखोलिया मीडिया का कार्य देखेंगे और विक्रम कार्की आईटी संयोजक होंगे। इसी के साथ महेंद्र मेहरा सोशल मीडिया की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महमूद हसन ने बाजपुर एवं सुल्तानपुर पट्टी में मुस्लिम समाज से बजट पर की चर्चा

बाजपुर ।भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री महमूद हसन वंजारा मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य गुलाम मुस्तफा ने बाजपुर सुल्तानपुर पटटी में मुस्लिम समाज के लोगों सब बजट पर चर्चा कार्यक्रम के दौरान सम्वोधित करते हुये कहा है। कि केन्द्र सरकार कथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के माध्यम से 2023 - 2024 का बजट पेश किया है ।जो गरीबो देश के दबे कुचले समाज उत्थान मे साहयक साबित होगा। उन्होने कहा है। कि वजट मे माध्यम वर्ग का भी ख्याल रखा गया। सालाना सात लाख तक की आमदनी को टैक्स फ्री रखा गया है ।उन्होंने कहा केन्द्र सरकार द्वारा हज यात्रा को प्रति व्यगत 50. लाख रुपये स्थगित कर दिया है ।किसानों को ध्यान रखते हुये फसल बीमा व खेती से जुड़े उपकरणो अनुदान देकर राहत देने का कार्यकिया ।इस दौरान, शमशाद हुसैन,मुहम्मद उमर, खलील,जमील,कौसर अली, मुजफ्फर हुसैन,सरताज, शमशेर,शाहिद-वितत-इद्रीश,नाजिम मुनम्बर,डब्बू भाई,ईमरान,राशिद आदि दर्जन लोगों उपस्थित थे।

सारथी फाउंडेशन समिति की बैठक

सारथी फाउंडेशन समिति के कार्यालय विमल कुंज छोटी मुखानी मैं आगामी कार्यक्रमों को लेकर बैठक की गई। आज की बैठक में बोलते हुए संस्था के संस्थापक संयोजक नवीन पंत ने कहा कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सारथी द्वारा होली समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न प्रकार के होली की टोलियां आकर होली गायन का प्रदर्शन करेंगी होली समारोह में कलाकारों द्वारा थीम आधारित संदेश प्रेरक होली का आयोजन प्रमुख होगा। बैठक को सम्बोधन में सुमित्रा प्रसाद ने कहा कि सभी ल

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने 'अड़ानी घोटाले' की जांच जेपीसी से कराने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज, वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक के नेतृत्व में भाजपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इसके जरिए आप कार्यकताओं ने घोटाले की जांच जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) से कराने की मांग रखी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि अडानी घोटाले की जांच ईडी-सीबीआई नहीं करेगी, इसी वजह से पूरे देश में जेपीसी के माध्यम से जांच कराने की मांग उठ रही है। अगर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोटाले की जांच नहीं कराते हैं तो इसका मतलब वो भी घोटाले में शामिल हैं। अगर नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता इस घोटाले में शामिल नहीं है तो जांच करवाने से डर क्यों लग रहा है? क्यों मोदी जी में अडानी का नाम लेने की हिम्मत नहीं है? जिस तरह का घोटाला अडानी ने किया है, उससे देश आर्थिक खतरे के मुहाने पर खड़ा है। जब प्रधानमंत्री ही देश को डुबोने में लग जाए तो मां भारती के देशभक्त बेटी-बेटियों की जिम्मेदारी देश को बचाने की है। पूरे देश में ईडी और सीबीआई की जांच की नौटंकी करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी से देश पूछ रहा है कि अडानी की जांच क्यों नहीं करा रहे? कांग्रेसियों ने भी सब कुछ छुपाना चाहा था, इसी वजह से जनता ने कांग्रेसियों की विदाई कर दी। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पीएम मोदी दिन-रात बोलते हैं लेकिन अड़ानी पर नहीं बोलते हैं और जहां मोदी जाते हैं वहीं अडानी पहुंच जाते हैं। अड़ानी को आस्ट्रेलिया में कोयले की खदान, इजराइल में डिफेंस का सौदा, श्रीलंका में ग्रीन एनर्जी और बांग्लादेश में बिजली का ठेका दिलवाया है। इससे साबित हुआ है कि ईमानदार नहीं हैं। हिंडनबर्ग इससे पहले भी कई कंपनियों का खुलासा कर चुका है। इन्होंने दो साल रिसर्च के बाद दुनिया को बताया कि अड़ानी का शेयर डूबेगा। जयपाल भट्टी ने गोलगप्पे वाली स्कीम 25 साल पहले बताई थी। उसी स्कीम से अड़ानी ने अपने 1 रुपए का शेयर फर्जी कंपनियों से खरीद कर 100 रुपए तक पहुंचाया फिर बैंकों से लोन लिया। आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस सरकार देश की जमीनों को अंबानी को दे रही थी। जब 2014 में नरेंद्र मोदी आए तो वह अपना अडानी लेकर आए। कोरोना के बाद सभी लोगों की आय कम हो गई लेकिन अड़ानी की आय बढ़ती चली गई। इसका कारण यह है कि पूरा देश उठाकर एक आदमी को दे दिया गया। एलआईसी-एसबीआई सहित तमाम बैंकों में जो पैसा हम जमा करते हैं, वह अड़ानी को दिया जा रहा है कि आप निवेश करते रहिए। अड़ानी को लेकर आयी रिपोर्ट में सामने आया कि उसकी सभी कंपनियां फर्जी हैं। जब यह फर्जी आदमी गिरेगा तो पूरा देश खत्म हो जाएगा। हमने प्रधानमंत्री चुना है या दलाल चुना है! श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने आधिकारिक स्टेटमेंट दिया कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने हमसे कहा कि यहां के सभी बिजनेस से जुड़े काम अड़ानी को दे दीजिए। आम आदमी पार्टी सहित सभी विपक्षी पार्टियों की मांग है कि जेपीसी से इस घोटाले की जांच करा लीजिए। उस कमेटी में भाजपा के सदस्य होने के बावजूद मोदी सरकार जांच के लिए तैयार नहीं हैं। भाजपा को पता है कि जांच होना शुरू हो गई तो सारी परतें खुलेंगी कि कैसे सबकुछ अड़ानी को दे दिया गया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने आज देश भर में 'अड़ानी घोटाले' की मांग को लेकर जगह-जगह प्रदर्शन किया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर आप कार्यकताओं ने घोटाले की जांच जेपीसी से कराने की मांग रखी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री, बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों, नेताओं, प्रवक्ताओं और कार्यकताओं से केवल एक ही बात पूछ रहा है कि हर बात पर जांच की नौटंकी करने वालो, अडानी की जांच से तुम्हें डर क्यों लग रहा है? अगर घोटाला गलत है तो जांच में साफ हो जाएगा। आखिर डर क्यों लग रहा है? टीवी चैनलों पर रोजाना भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता केवल एक ही बात कहते हैं कि नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात से एक लेफ्टिनेंट गवर्नर दिल्ली में लाकर के बैठाया है। एलजी सुबह उठकर केवल यही कहता है कि दिल्ली के अंदर शिक्षा में घोटाला हो गया। बीजेपी द्वारा सीबीआई और ईडी के माध्यम से पूरे देश के चप्पे-चप्पे पर लोगों की आवाज को बंद करने के लिए जांच का नाटक चल रहा है। नरेंद्र मोदी जी आज पूरा देश कह रहा है कि अगर आप अडानी के इस घोटाले में शामिल नहीं है तो आपको जांच से डर क्यों लग रहा है? पार्लियामेंट के अंदर देश के प्रधानमंत्री कई मुद्दों पर बोलते रहे लेकिन उन्हें अडानी के घोटाले के बारे में नाम लेने की हिम्मत नहीं होती है। आज पूरे देश को अडानी घोटाले की जांच चाहिए।

महरौली में तीसरे दिन भी विध्वंस अभियान जारी, एक्शन को लेकर लोगों का विरोध प्रदर्शन

जानकारी

- साथ ही दिल्ली सरकार भी इसका विरोध करते हुए डीडीए से डिमोलिशन ड्राइव पर रोक लगाने के लिए भी बोला है।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के महरौली में डीडीए का डिमोलिशन ड्राइव (विध्वंस अभियान) तीसरे दिन यानी आज रविवार को भी जारी है। इस दौरान स्थानीय लोग कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले शनिवार सुबह पहुंचे बुलडोजर ने आम बाग, बृजवासी कॉलोनी क्षेत्र में डीडीए की जमीन पर बने अवैध निमार्णों को गिराया। इसको लेकर लोगों का विरोध प्रदर्शन भी किया। साथ ही दिल्ली सरकार भी इसका विरोध करते हुए डीडीए से डिमोलिशन ड्राइव पर रोक लगाने के लिए भी बोला है।

शनिवार को अनधिकृत अतिक्रमण हटाने के दौरान एक अधिकारी ने अपने बयान में कहा,₹राजस्व विभाग द्वारा अनधिकृत और अवैध अतिक्रमण या निर्माण की सीमा की पहचान कर दिसंबर, 2021 में डीडीए और वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आया हाईकोर्ट के आदेश अनुसार अतिक्रमण को हटाया गया है।

बयान में बताया गया है कि अतिक्रमण हटाने से पहले 12 दिसंबर, 2022 को एक विध्वंस आदेश, 10 दिनों के अंदर विवादित भूमि से सभी अनधिकृत निर्माण को हटाने के निर्देश के साथ चिह्नित करने के साथ भूमि पर मौजूद अतिक्रमणों पर चिपकाया गया था। उक्त विध्वंस आदेश में शामिल भूमि सराय गांव की सरकारी / डीडीए की जमीन है और महरौली पुरातत्व पार्क का हिस्सा है।

हाईकोर्ट का है आदेश बयान की मानें तो दिल्ली उच्च न्यायालय ने कई मौकों पर सरकारी अधिकारियों को अवैध अतिक्रमण हटाकर महरौली पुरातत्व पार्क के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को सुरक्षित, संरक्षित करने का निर्देश दिया है। इसी के तहत विभाग शासकीय जमीन पर बने से अनाधिकृत और अवैध अतिक्रमण हटाने तथा महरौली पुरातत्व उद्यान को अतिक्रमण से सुरक्षित करने की कार्रवाई कर रहा है। डीडीए के संरक्षण में हैं 55 स्मारकें

वहीं, बयान में आगे कहा गया है कि प्रतिष्ठित कुतुब मीनार से सटे इस पार्क में एएसआई, जीएनसीटीडी के राज्य पुरातत्व विभाग और डीडीए के संरक्षण में लगभग 55 स्मारकें हैं। डीडीए ने वापस ली जमीन 10 फरवरी, 2023 को अनधिकृत बने ढांचे को विध्वंस कर लगभग 1200 वर्ग मीटर सरकारी, डीडीए भूमि को अब तक अतिक्रमणकारियों से पुनः प्राप्त कर लिया है और सभी नागरिकों द्वारा इसके सही उपयोग के लिए अतिक्रमित सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त करने की कवायद जारी है।

संक्षिप्त खबरें

लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के लिए ट्रूकॉलर के साथ साझेदारी करेगी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंत्री और सरकारी अधिकारियों के नाम से ठगी करने वालों पर शिकंजने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए दिल्ली पुलिस कॉलर आईडी की जांच करने वाले प्लेटफॉर्म ट्रूकॉलर के साथ एक समझौता साइन करने वाला है, जिससे लोगों को सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों को तस्वीरें लगाकर ठगी करने वाले साइबर अपराध से बचाया जा सके। पुलिस ने कहा कि दिल्लीवासियों को जागरूक करने और इंटरनेट के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी के खिलाफ एक संयुक्त जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ ट्रूकॉलर जल्द ही सरकारी द्वारा दी निर्देश और दिल्ली पुलिस के प्रतिनिधियों के आधिकारिक नंबर दिखाई देंगे। कोविड काल के दौरान ट्रूकॉलर ने की मददः पुलिस पुलिस उपायुक्त (जनसंपर्क अधिकारी) सुमन नलवा ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान, ट्रूकॉलर ने हमारी बहुत मदद की थी, क्योंकि ऑक्सीजन सिलेंडर, कंसन्ट्रेटर्स, दवाएं और घातक वायरस के इलाज से जुड़े अन्य आवश्यक सामान बेचने के बहाने बहुत सारे घोटाले और धोखाधड़ी की सूचना मिली थी। इसलिए, हमारे अधिकारियों ने उन जालसाजों की संख्या की पहचान की और ळ१ॐ्रीं१ को सतर्क किया, जिन्होंने असत्यापित नंबरों को स्पैम के रूप में प्रदर्शित किया। ₹अब हम उनके साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे हैं जिसके बाद वे दिल्ली पुलिस के सभी आधिकारिक नंबरों को सत्यापित करेंगे, क्योंकि जालसाजों ने कई बार खुद को पुलिस के अधिकारियों के रूप में पेश किया है और अपने व्हाट्सएप प्रोफाइल पर वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीर लगाकर लोगों से ठगी की है। ऐसे होगी वैरिफाइड नंबरों की पहचान यह इस ऐप का इस्तेमाल करने वालों को सत्यापित नंबरों की पहचान करने और सरकारी अधिकारियों के नाम से संबंधित धोखाधड़ी और घोटालों से बचाने में मदद करेगा।

जहां झुग्गी वहीं मकान के वायदे कर केजरीवाल और भाजपा सरकार गरीबो को धोखा दे रहे : अनिल कुमार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ₹आजादी का अमृत कालर मना रहे है, तो गरीब लोगों को दिल्ली के विकास के साथ बेघर किया जा रहा है और दिल्ली विकास प्राधिकरण महरौली में झोपड़ियों और फ्लैटों को व्यापक रूप से गिरा रहा है। चो अनिल कुमार ने कहा कि वैकल्पिक आवास प्रदान किए बिना जेजे क्लस्टर और फ्लैटों को ध्वस्त करना अमानवीय और नाजायज है। उन्होंने कहा कि गरीबो को पहले वैकल्पिक आवास प्रदान करना कांग्रेस सरकार की घोषित नीति के तहत ही 2013 में 8000 से अधिक फ्लैटों के निर्माण कालकाजी एक्सटेंशन में जेजे क्लस्टर के निवासियों को स्थानांतरित करने के लिए फ्लैटों का निर्माण किया था। चो अनिल कुमार ने महरौली में तोड़ फोड़ अभियान को रोकने के लिए उपराज्यपाल और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री के तत्काल हस्तक्षेप की मांग की क्योंकि इस अभियान ने पहले ही कई परिवारों को उनके घरों से बेघर कर दिया है। जहां झुग्गी वहीं मकान के वायदे कर केजरीवाल और भाजपा सरकार गरीबो को धोखा दे रहे है और अब उनको घर से बेघर कर सड़क पर छोड़ दिया है। चो अनिल कुमार ने कहा कि जब दिल्ली में कांग्रेस की सरकार द्वारा राजीव रतन आवास योजना के तहत बने लगभग 60 हजार फ्लैट बिना आवंटन के पड़े हैं, वही भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों ने महरौली में गरीब लोगों को बेघर करने की साजिश रची है। उन्होंने कहा कि महरौली में तोड़े गए जहां एक ओर फ्लैटों के निवासी ने सरकार से पक्की रजिस्ट्री करवा हाउस टैक्स और बिजली बिल भी भर रहे थे और वही दूसरी तरफ उनको लिफ्ट लगाने के लिए भी राजस्व विभाग और अग्निशमन सेवा सहित सभी सरकारी एजेंसियों से मंजूरी मिली हुई थी। चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि अगर डीडीए और दिल्ली सरकार के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, तो उन निवासियों को दंडित क्यों करते हैं जिन्होंने अपनी जीवन भर की बचत फ्लैटों में निवेश की है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार भाजपा के साथ मिलकर गरीबों को उजाड़ कर अब उनके लिए घड़ियाली आंसू बहा रही है।

जम्मू कश्मीर ने रोजगार, प्यार चाहा था लेकिन मिला भाजपा का बुलडोजर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर में जारी अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश ने रोजगार, बेहतर कारोबार और प्यार चाहा था, लेकिन उसे इसके बजाय भाजपा का बुलडोजर मिला। कांग्रेस, कांफ्रेंस और पीडीपी (पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) जैसे कई बड़े दलों ने इस मुहिम को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल रोकने की मांग की है। राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी ने सात जनवरी को सभी उपायुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण शत प्रतिशत हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी है। गांधी ने ट्वीट किया, जम्मू कश्मीर को चाहिए रोजगार, बेहतर व्यापार और प्यार, मगर उन्हें मिला क्या? भाजपा का बुलडोजर।

2 अनधिकृत कालोनी व तीन गांव में बिछेगी सीवर लाइन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बाहरी दिल्ली के मुंडका विधानसभा क्षेत्र में दो अनधिकृत कालोनियों और तीन गांव में 55.22 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाने की परियोजना को मंजूरी दी गई है। साथ ही मुंडका में दो एमएलडी और छह एमएलडी क्षमता वाले दो सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), 15 एमएलडी और छह एमएलडी क्षमता वाले दो सीवेज पपिंग स्टेशन (एसपीएस) का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं की कुल लागत 146.36 करोड़ रुपये है। इससे मुंडका विधानसभा क्षेत्र के करीब 45 हजार लोगों को फायदा होगा।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने परियोजना को मंजूरी देने के बाद बताया कि मुंडका विधानसभा क्षेत्र में दो अनाधिकृत कालोनियों और तीन गांव में 55.22 किमी लंबी सीवर लाइन डाली जाएगी। लोगों के घरों में हाउस सीवर कनेक्शन भी दिया जाएगा। यहां सीवरेज सिस्टम न होने से स्थानीय तालाब, सेप्टिक टैंक या बरसाती नालों में सीवेज छोड़ा जाता है, जोकि मौजूद नाले से यमुना नदी में गिरता है। इससे प्रदूषण स्तर में वृद्धि होती है। इस जल प्रदूषणकारी तत्वों को कम करने को हर घर को सीवेज से जोड़ने का निर्णय लिया है। यहां से निकलने वाला सीवरेज, सीवर लाइनों के माध्यम से नजदीकी सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाएगा, जिसके बाद ट्रीटेड पानी यमुना में बहेगा।

मुंडका क्षेत्र के घेवरा गांव में 12.5 किमी लंबी सीवर लाइन डालने से करीब 11 हजार लोगों को फायदा होगा। दो एमएलडी एसटीपी और छह एमएलडी एसपीएस का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की लागत 51 करोड़ रुपये है। वहीं, दो अनाधिकृत कालोनियों और निजामपुर और सावदा गांव में 39.72 किमी लंबी सीवर लाइन डाली जाएगी। परियोजना से करीब 33 हजार की आबादी को लाभ होगा। एसटीपी के दोबारा इस्तेमाल पर होगा जोर सिसोदिया ने बताया कि मुंडका में बनाए जाने वाले एसटीपी से शोधित पानी के रीसाइक्लिंग और दोबारा उपयोग पर जोर दिया जाएगा। उपचारित पानी न केवल यमुना को साफ करने में मदद करेगा, बल्कि अन्य चीजों के लिए भी बेहत उपयोगी है। इसे बागवानी और दिल्ली की झीलों का कायाकल्प करने आदि के उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा, ताकि पीने योग्य पानी की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

नोएडा में झुग्गी में आग लगने से दो बच्चों की मौत, चार लोग गंभीर रूप से घायल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-8 में देर रात करीब दो बजे गैस सिलेंडर फटने से दो बच्चों की झुलसकर मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप चौबे ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। जांच के दौरान पता चला कि गैस सिलेंडर फटने से आग लगी। अधिकारी ने कहा कि इस घटना में झुग्गी में रहने वाले दो बच्चे रेहान (12) और 12 दिन की बच्ची रीवा की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। चौबे ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सुधरेगी मिड-डे मील की गुणवत्ता, आडिट को अनिवार्य करने की तैयारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले दोपहर के भोजन (मिड-डे मील) की गुणवत्ता को लेकर अब सिर्फ शिकायतों से काम नहीं चलेगा, बल्कि इसके लिए अभिभावकों व समाज के प्रबुद्ध लोगों को कुछ जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

शिक्षा मंत्रालय इसे लेकर नए मिशन पर काम कर रहा है। इसके तहत स्कूलों में बच्चों को परोसे जाने वाले दोपहर के भोजन की गुणवत्ता को जांचने के लिए सोशल आडिट अब अनिवार्य होगी। साथ ही सभी राज्यों को इसकी रिपोर्ट मंत्रालय को अनिवार्य रूप से मुहैया करानी होगी। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, वैसे तो पीएम पोषण स्कीम के तहत सोशल आडिट की व्यवस्था बनाई गई है, लेकिन यह अभी अनिवार्य नहीं है। इसके चलते न तो स्कूल इस पर अमल करते हैं, न ही राज्यों की इसमें कोई रुचि होती है। नई पहल के तहत अब स्कूलों के मिड-डे मील की सोशल आडिट अनिवार्य होगी। यह व्यवस्था प्रत्येक जिले के करीब 20-20 स्कूलों से शुरू होगी। बाद में इससे जिले के सभी स्कूलों को जोड़ा जाएगा।

मंत्रालय का मानना है कि प्रत्येक स्कूल के भोजन की गुणवत्ता सरकारी स्तर पर नहीं जांची जा सकती है। ऐसे में यदि इसका जिम्मा अभिभावकों और स्थानीय प्रबुद्ध लोगों को दे दिया जाए, तो वह इस पर बेहतर नजर रख सकेंगे। सोशल आडिट की व्यवस्था को अनिवार्य बनाने की तैयारी कर ली गई है। राज्यों के साथ होने वाली बैठकों में राज्यों को इससे अवगत कराया जाएगा। राज्यों के साथ मंत्रालय की पीएम पोषण को लेकर बैठक 15 फरवरी से आठ अप्रैल तक प्रस्तावित है। गौरतलब है कि पीएम पोषण स्कीम के तहत इस समय देश के 11 लाख से ज्यादा स्कूलों में बालवाटिका से आठवीं तक पढ़ने वाले करीब बारह करोड़ बच्चों को दोपहर में भोजन मुहैया कराया जाता है। शिक्षा मंत्रालय ने सोशल आडिट की जो योजना बनाई है, उसके तहत इस आडिट टीम में कोई बाहरी सदस्य नहीं होगा, बल्कि इस टीम में स्कूलों के आसपास गांवों में रहने वाले प्रबुद्ध लोग (जिसमें सेवानिवृत्त जज, अधिकारी, बैंक कर्मी आदि) शामिल होंगे। इसके अलावा ऐसे दो अभिभावक भी टीम में रहेंगे, जिनके बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं। स्कूल के हेडमास्टर या प्रिंसिपल भी टीम में रहेंगे। टीम में आठ से 10 लोग होंगे। जन चौपाल भी लगेगी शिक्षा मंत्रालय दोपहर के भोजन के विषय पर प्रत्येक स्कूल में जन चौपाल के आयोजन की भी तैयारी कर रहा है। यह आयोजन महीने में एक बार होगा। इसमें सोशल आडिट टीम के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान कोई भी अभिभावक भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

बिहार से लाकर दिल्ली में करते थे गांजे की सप्लाई, पुलिस के हत्थे चढ़े तीन तस्कर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि रणहौला इलाके में नशीला पदार्थ की ब्रिकी करने वाले एक गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन हिस्ट्रीशीटरों के गिरफ्तार कर 101.650 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस द्वारा पकड़े आरोपितों की पहचान पब्बर गिरी, पप्पू राय और गीगल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि इलाके में नशीले पदार्थों की आपूर्ति की सूचना के आधार पर, पुलिस के विशेष कर्मचारी निरीक्षक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और कंधों पर प्लास्टिक की थैलियां ले जा रहे तीन लोगों को 101.650 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी पब्बर गिरी के पास से कुल 35.250 किलो गांजा, आरोपी पप्पू राय से 33.200 किलो गांजा और आरोपी गीगल से 33.200 किलो गांजा बरामद किया गया है। रणहौला थाने की पुलिस टीम द्वारा भारतीय बिहार से गांजा लाकर दिल्ली में करता था सप्लाई पुलिस ने आगे बताया कि जांच के दौरान आरोपी पप्पू राय ने अपना अपराध स्वीकार किया और उसने खुलासा किया कि वह पहले भी इसी तरह के अपराध में शामिल था और 8 साल की सजा काट चुका था। वह गांजा बिहार से खरीदकर साथियों के सहयोग से दिल्ली के इलाके में सप्लाई करता था।

उद्घाटन डा. हर्षवर्धन ने कहा कि केशवपुरम में इस प्रकार का यह पहला पार्क है

दिल्ली में 10 क्विंटल वेस्ट लोहे से डेवलप किया गया वेस्ट टू वंडर पार्क, बनाए गए सेल्फी प्वाइंट

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली में होने वाले जी-20 सम्मेलन का अध्यक्ष बनाया जाना सभी के लिए गौरव का विषय है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केशवपुरम जोन के अशोक विहार फेस-1 के एफ ब्लाक के सेंट्रल पार्क में नगर निगम की ओर से करीब दस क्विंटल वेस्ट लोहे व अन्य सामान से जी-20 की थीम पर वेस्ट टू वंडर पार्क विकसित किया गया है। सांसद डा. हर्षवर्धन ने शनिवार को इस पार्क का उद्घाटन किया। डा. हर्षवर्धन ने कहा कि केशवपुरम में इस प्रकार का यह पहला पार्क है जहां पर वेस्ट-टू-वंडर के तहत पुराने लोहे, टूटे हुए झूले, प्लास्टिक की सीट्स, पेड़ों के गले व खराब लकड़ियों का इस्तेमाल कर इसे विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली में होने वाले जी-20 सम्मेलन का अध्यक्ष बनाया जाना सभी के लिए गौरव का विषय है और इस परिप्रेक्ष्य में समस्त दिल्ली का सुंदरीकरण करने का कार्य जोर-शोर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्क को वेस्ट-टू-वंडर के रूप में विकसित करने के लिए नगर निगम द्वारा किसी प्रकार का कोई खर्च नहीं किया गया है। इसे पूरी तरह से पुराने व खराब सामग्रियों को एकत्रित कर स्थानीय आरडब्ल्यूए व जनता के सहयोग से सुंदर बनाया गया है। डा. हर्षवर्धन ने वेस्ट-टू-वंडर पार्क को विकसित करने के लिए उद्यान विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस पार्क को विकसित करने के लिए सूखे पत्तों, दस क्विंटल लोहे (जोकि टूटे बैंच, झूलों, पाइप, आदि), 50 किलो टूटे पाइप, 70 वर्ग फीट लकड़ी के बोर्ड, 1200 वर्ग फीट मार्बल, 500 वर्ग फीट लाल बजरी व 700 फीट सफेद बजरी का इस्तेमाल किया गया है। और पार्क भी किए जाएंगे विकसित निगम पार्षद योगेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा ह्यवेस्ट इज वेल्थह्न का नारा दिया गया है ।वेस्ट का सदुपयोग कर वेस्ट टू वंडरह्न बनाया गया है। इसमें आसपास के लोगों ने भी सहयोग किया। भविष्य में इलाके के और पार्कों को भी विकसित किया जाएगा। इस तरह के प्रयासों का मुख्य उद्देश्य वातावरण व आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाना है। पार्क में बनाए गए हैं सेल्फी प्वाइंट इस पार्क में जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट भी बनाये गये हैं। ये सेल्फी प्वाइंट काफी आकर्षक व मनोरंजक हैं। यहां पर बच्चे, जो आजकल मोबाइल व टीवी की दुनिया में खोए रहते हैं और अपने घरों में कैद रहते हैं, वे इस पार्क में घुमने आएंगे और सेल्फी प्वाइंट का आनंद ले सकेंगे। 20 देशों के झंडे लगाए गए पार्क में फव्वारे को भी रंग-रोगन कर काफी सुंदर बनाया गया है। इसके अतिरिक्त पार्क में आगामी जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर 20 देशों के झंडे भी लगाये गये हैं जो लोगों को काफी आकर्षित कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस में इकट्ठे 20 हजार कर्मियों की होगी भर्ती, तभी सुधरेंगे हालात

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस वर्षों से आइपीएस व दानिप्स के अलावा कर्मियों की भारी कमी से जूझ रही है। दिल्ली पुलिस में जब इकट्ठे 20 हजार कर्मियों की होगी भर्ती, तभी कुछ हद तक हालात सुधरेंगे। टुकड़े-टुकड़े में हजार दो हजार की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने पर इससे महकमे को कोई लाभ नहीं मिल सकता है। कई दशक पूर्व दिल्ली पुलिस में सभी रैंकों के अधिकारियों व कर्मियों के लिए जितने पद स्वीकृत थे उसके अनुरूप भी सभी रैंक के अधिकारियों व कर्मियों की भारी कमी है। दिल्ली की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है और पुलिसकर्मियों की संख्या घटती जा रही है, जिससे दिल्ली पुलिस राजधानी के लोगों को बेहतर कानून व्यवस्था देने में विफल साबित हो रही है।

यही वजह है कि हर तरह के आपराधिक वारदातों में बढ़ोतरी हो रही है। तीन दिन पूर्व महिला सुरक्षा को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में हुई दिल्ली पुलिस समेत अन्य एजेंसियों की बैठक में उपराज्यपाल ने जो दिल्ली पुलिस की संख्या बढाने के लिए छह कर्मियों (सिपाहियों) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कराने का आश्वासन दिया, उससे महकमे की कुछ उम्मीद जगी है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अगर एक साथ इतने कर्मी दिल्ली पुलिस को मिल जाएंगे तभी कुछ हद तो फायदा होगा। टुकड़े-टूकड़े में मिलने पर कोई फायदा नहीं होगा। क्योंकि भर्ती प्रक्रिया शुरू करने पर दिल्ली पुलिस में कर्मियों को आते-आते करीब दो साल का समय लग जाता है। कोरोना के कारण दो साल कोई भी भर्ती न होने से हालात और भी बिगड़ गए। करीब ढाई करोड़ से अधिक जनसंख्या वाली दिल्ली में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग में आइपीएस, दानिप्स व पुलिसकर्मियों की संख्या जितनी होनी चाहिए उतनी नहीं है। जिसका दुष्प्रभाव यह सामने आ रहा है कि साल दर साल अपराध तो बढ़ ही रहे हैं। बढ़ रहा है ड्यूटी का दबाव

अधिकारियों व पुलिसकर्मियों पर डयूटी का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। उन्हें छुट्टियां नहीं मिल रही है जिससे उनकी जीवन शैली पर बुरा असर पड़ रहा है। आए दिन कर्मियों द्वारा सरकारी हथियारों से खुद को गोली मार आत्महत्या कर लेने की भी बात सामने आती हैं। ताजा आंकडों को देखें तो दिल्ली पुलिस में कुल 94,255 स्वीकृत पदों में वर्तमान में 80747 अधिकारियों व कर्मियों की ही तैनाती है। यानी 13,507 अधिकारियों व कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। बीते जुलाई में करीब 12 हजार पद खाली थी। इधर सात माह में करीब ढेड़ हजार पद और खाली हो गए। मुख्यालय के अधिकारियों की मानें तो दिल्ली पुलिस में हर साल सभी रैंक के करीब दो हजार अधिकारी व पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो जाते हैं। इनकी जगह हर साल इतने आइपीएस, दानिप्स व पुलिसकर्मियों की भर्ती नहीं हो पाती है। वैकेंसी निकालने पर उसकी प्रक्रिया पूरी होने में करीब दो साल का समय लग जाता है। एक साल सलेक्शन करने है और उसके बाद एक साल ट्रेनिंग में लग जाता है।

भारतीय वायुसेना के विमान ने सीरिया, तुर्की पहुंचायी भूकंप राहत सामग्री

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना का सातवां विमान भूकंप पीड़त सीरिया और तुर्की के लिए चिकित्सा उपकरण और आपदा राहत सामग्री लेकर रविवार को पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। ऑपरेशन दोस्त की उड़ान ने दमिश्क को 23 टन और तुर्की को 12 टन राहत सामग्री पहुंचाई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि विमान ने सबसे पहले भूकंप प्रभावित दमिश्क में राहत सामग्री पहुंचाई। 7वां ऑपरेशन दोस्त विमान 23 टन से अधिक राहत सामग्री के साथ सीरिया पहुंचा, जिसमें जेनसेट, सोलर लैंप, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, और आपदा राहत सामग्री शामिल हैं। दमिश्क हवाई अड्डे पर स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण के उप मंत्री मुताज डौजी द्वारा प्राप्त किया गया। इसके बाद इसने राहत सामग्री के साथ तुर्की के लिए उड़ान भरीह्न ऑपरेशन दोस्त के तहत सांतवी उड़ान ने अदाना हवाई अड्डे पर तुर्की के लिए राहत सामग्री पहुंचाई है

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 13 फरवरी, 2023

संक्षिप्त खबरें

मयूर विहार फेज-1 मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदा शख्स, अस्पताल में तोड़ा दम

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन के स्टेशन मयूर विहार फेज-1 के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी। इससे शख्स घायल हो गया। इसकी सूचना एएसआई सुखवीर को दी गई और वह अन्य स्टाफ सहित मौके पर पहुंच गए। स्टेशन कंट्रोलर ने बताया कि मेट्रो ट्रेन के आगे कूदने वाले एक व्यक्ति को पहले ही कैट एंबुलेंस में लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। मेट्रो स्टेशन पर पूछताछ करने के बाद, आईओ अस्पताल पहुंचे और पाया कि घायल अजय लक्ष्मण पखाले 34 वर्षीय को एमएलसी के अनुसार कैट एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल में मृत लाया गया था। मृतक की बहन ज्योति फाखले को सूचना दी गई और बहन पिता के साथ अस्पताल पहुंच गई। पूछताछ में पता चला कि मृतक अजय लक्ष्मण पाखले कानपुर से एम.टेक. की डिग्री हासिल की थी। वह चार साल तक में नौकरी की। उसके बाद मृतक ने गेल में सीनियर मैनेजर की नौकरी ज्वाइन की। हालांकि, नवंबर 2022 में इस्तीफा दे दिया था। मानसिक रूस से बीमार था मृतक पूछताछ में जानकारी सामने आई कि मृतक की मानसिक रूप से स्थिति सही नहीं थी और अपोलो अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। वह अविवाहित था और उसके सामान से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि लगभग 13.51 बजे वह मेट्रो के प्लेटफॉर्म नंबर 1 मयूर विहार-1 मेट्रो स्टेशन से खुद ही कूद गया। आगे की जांच चल रही है और सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शुक्रवार को भी ऐसी हुई एक घटना आपको बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब किसी शख्स ने चलती मेट्रो के आगे कूद कर जान देने की कोशिश की हो। शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन पर एक अधेड़ व्यक्ति ने चलती ट्रेन के आगे कूद कर खुदकुशी कर ली। अधेड़ व्यक्ति के मेट्रो के आगे कूदने से आनन-फानन में चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन जब तक व्यक्ति मेट्रो की चपेट में आ गया है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान अतुल अग्रवाल(57) के रूप में हुई है। पुलिस को शव के पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें अधेड़ ने आर्थिक तंगी व मोटे कर्ज के चलते खुदकुशी करने की बात लिखी है।

केजरीवाल सरकार नजफगढ़ की 39 अनाधिकृत कॉलोनियों में बिछाएगी 34 किमी लंबी सीवर लाइन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार की ओर से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बेहतर सीवरेज प्रबंधन और यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए अनाधिकृत कालोनियों और गांवों को सीवर नेटवर्क से जोड़ने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसी के तहत उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जलबोर्ड को नजफगढ़ विधनसभा क्षेत्र की 39 अनाधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने और लोगों के घरों में मुफ्त व्यक्तिगत हाउस सीवर कनेक्शन देने की योजना को स्वीकृति दी है। 41 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना से करीब 55 हजार लोगों को फायदा होगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने डीजेबी के अधिकारियों को परियोजना को समयसीमा के अंदर उम्मीदों के अनुरूप बनाने और गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए है।

39 अनधिकृत कॉलोनियों में बिछाई जाएगी 34 किमी लंबी सीवर लाइन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि केजरीवाल सरकार राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न इलाकों में सीवर लाइन बिछाने और यमुना की सफाई को लेकर चरणबद्ध तरीके से काम कर रही है। हमने यमुना नदी को 2025 साल में पूरा साफ करने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में नजफगढ़ विधनसभा क्षेत्र की 39 अनाधिकृत कॉलोनियों में 34 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाई जाएगी। इस परियोजना से करीब 55 हजार लोगों को सीवर की समस्या से राहत मिलेगी। बता दें कि यहां सीवेज को बिना ट्रीट किए ही नालों में बहाया जाता है, जिससे यमुना नदी में गंदा पानी गिरता है। यमुना में गंदा पानी न बहे, इसी को ध्यान में रखते हुए डीजेबी ने सीवर लाइन बिछाने का फैसला लिया है। 1607 घरों से मुफ्त व्यक्तिगत हाउस सीवर कनेक्शन जोड़े जाएंगे उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली को साफझ सुथरा रखने और यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश से मुख्यमंत्री मुफ्त सीवर कनेक्शन योजना के अंतर्गत दिल्ली वासियों को मुफ्त सीवर कनेक्शन सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे है। जहां पहले सीवर कनेक्शन लेना बहुत महंगा था। सीवर कनेक्शन लेने के लिए लोगों को विकास, कनेक्शन व रोड कटिंग शुल्क देना पड़ता था। अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे निशुल्क कर दिया है। इसका फायदा दिल्ली के लाखों उपभोक्ता उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नजफगढ़ में 1607 घरों को व्यक्तिगत हाउस सीवर कनेक्शन जोड़ा जाएगा। वर्तमान में यहां सीवरेज सिस्टम न होने से स्थानीय तालाब, सेप्टिक टैंक या बरसाती नालों में सीवेज छोड़ा जाता है, जोकि मौजूद नाले से यमुना नदी में गिरता है। इससे नदी के प्रदूषण स्तर में वृद्धि होती है। ऐसे में इस जल प्रदूषणकारी तत्वों को कम करने के लिए हर घर को सीवेज से जोड़ा जाएगा। यहां से निकलने वाला सीवरेज, सीवर लाइनों के माध्यम से नजदीकी ट्रीटमंट प्लांट में ट्रीट के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद ट्रीटेड पानी यमुना में बहेगा। यमुना को प्राथमिकता के आधार पर साफ करना केजरीवाल सरकार का मुख्य मकसद उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फरवरी 2025 तक यमुना को साफ करने की जिम्मेदारी डीजेबी को दी है, जिस तरह पिछले कार्यकाल में दिल्ली सरकार ने स्कूलों और अस्पतालों का कायाकल्प किया, वैसे ही इस बार यमुना को भी प्राथमिकता के आधार पर साफ करना ही मुख्य मकसद है। यमुना क्लीनिंग सेल नए एसटीपी, डीएसटीपी का निर्माण, मौजूदा एसटीपी का 10/10 तक उन्नयन और क्षमता वृद्धि, अनधिकृत कालोनियों में सीवरेज नेटवर्क बिछाना, सेप्टेज प्रबंधन; ट्रंक/परिधीय सीवर लाइनों की गाद निकालना, पहले से अधिसूचित क्षेत्रों में सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराना, आइएसपी के तहत नालों की ट्रैपिंग, नालियों का इन-सीटू ट्रीटमेंट आदि कार्यों कर रही हैं, ताकि दिल्लीवालों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिले।

निर्देश

- डीजेबी के अधिकारियों को परियोजना को उम्मीदों के अनुरूप बनाने और समयसीमा के अंदर गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के दिए निर्देश
- मुख्यमंत्री मुफ्त सीवर कनेक्शन योजना के अंतर्गत नजफगढ़ में 1607 घरों को मुफ्त सीवर कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे-मनीष सिसोदिया

अदाणी समूह मामले को लेकर आप का प्रदर्शन, भाजपा मुख्यालय के बाहर जुटे कार्यकर्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बीते दिनों अदाणी समूह को लेकर आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में धोखाधड़ी के आरोपों की जांच की मांग को लेकर रविवार को अअढ कार्यकताओं ने भाजपा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की भी मांग की है।

जांच से नहीं डरते केजरीवालः गोपाल राय

भाजपा कार्यालय के आगे प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं ने मांग करते हुए कि बीजेपी अडानी समूह की जांच से भाग रही है। एक ही नेता है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो किसी भी जांच से नहीं डरता...। साथ ही गोपाल राय ने मांग करते हुए कहा कि सरकार को विभिन्न दलों के सदस्यों वाली एक संयुक्त संसदीय समिति को मामले की जांच करानी चाहिए।

अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा उसके खिलाफ धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई आरोपों के बाद अडानी समूह के शेयरों ने शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है।

झूठे है आरोपः अदाणी समूह

व्यापार समूह ने आरोपों को झूठा बताया है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि अडानी समूह के शेयरों में गिरावट एक घोटाला है जिसमें आम लोगों का पैसा शामिल है क्योंकि एलआईसी और एसबीआई ने इसमें निवेश किया है।

तेज हवा के साथ गिरा दिल्ली-एनसीआर का तापमान, गर्मी के एहसास के बाद बढ़ी ठंड

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

इन दिनों तेज हवाएं लोगों को गुलाबी सर्दी का एहसास करा रही हैं। बीते दिनों को दिल्ली-एनसीआर के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में वृद्धि देखी जा रही है, लेकिन पहाड़ों पर हो रही बारिश और बर्फबारी के बाद मैदानी इलाके में सर्दी बढ़ने की संभावनाएं हैं। पहाड़ों पर बारिश के बाद बढ़ सकती है ठंड मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाके में तापमान गिर सकता है, जिससे एक बार फिर से लोगों को सर्दी का एहसास होगा।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को आकाश साफ रहेगा और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना। सोमवार को भी मौसम कमोबेश ऐसा ही बना रहेगा। आइएमडी के मुताबिक, दिल्ली में रविवार सुबह 9.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है, जबकि अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावनाएं हैं। साथ ही विभाग के अधिकारी ने कहा कि रविवार को दिन में आसमान साफ रहेगा, लेकिन 25 से 35 किमी की रफ्तार से हवाएं चलती रहेंगी। खराब हुई दिल्ली की हवा

दिल्ली-एनसीआर में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा के साथ धूल उड़ने के कारण शनिवार को वातावरण में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया। इससे एक बार फिर हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी से खराब श्रेणी में पहुंच गई। सफर इंडिया के अनुसार अगले तीन दिन तक हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में निचले स्तर पर या मध्यम श्रेणी में बरकरार रहेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 275, फरीदाबाद का 235, गाजियाबाद का 196, ग्रेटर नोएडा का 232, गुरुग्राम का 262 व नोएडा का 235 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में है। एक दिन पहले दिल्ली का एयर इंडेक्स मध्यम श्रेणी में 187 था। सीपीसीबी के अनुसार उत्तर पश्चिम से चलने वाली हवा के साथ दिल्ली में धूल पहुंच रही है। प्रदूषण में पीएम-10 की भूमिका अधिक रही।

दिल्ली सरकार के 16 कॉलेजों को केंद्र सरकार अधिग्रहित करे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली सरकार के वित्त पोषित 16 कॉलेजों को केंद्र सरकार अधिग्रहित कर अपने प्रबंध समिति के अधिकार में ले। फिलहाल दिल्ली सरकार इन कॉलेजों को 5 फीसदी अनुदान देता है। उन्होंने बताया है कि दिल्ली सरकार के अंतर्गत 28 कॉलेज आते हैं। सरकार के 12 कॉलेज शत प्रतिशत वित्त पोषित है। इसके अलावा 4 सांध्य कॉलेज भी हैं। प्रातः व सांध्य की एक ही प्रबंध समिति होती है। कुल मिलाकर 32 कॉलेज दिल्ली सरकार के हैं। इनमें दिल्ली सरकार की ही प्रबंध समिति बनती है। डॉ. सुमन का कहना है कि इन कॉलेजों में पिछले एक दशक से शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं हुई है। दिल्ली सरकार के हस्तक्षेप के कारण इन कॉलेजों में स्थाई नियुक्ति की प्रक्रिया भी नहीं हो पा रही है। फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखे पत्र में बताया है कि दिल्ली सरकार इन 16 कॉलेजों में हर साल अपनी प्रबंध समिति बनाती है। यह प्रबंध समिति कॉलेजों की सुचारू रूप से चल रही गतिविधियों में मनमाना हस्तक्षेप करते हैं। जबकि शिक्षकों व कर्मचारियों की सैलरी के अलावा सभी व्यय यूजीसी के माध्यम से सीधे कॉलेजों को आता है, इन कॉलेजों के वित्तीय मामले में भी दिल्ली सरकार की प्रबंध समिति पूरा हस्तक्षेप करती है। उन्होंने बताया है कि पिछले आठ साल से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और इन कॉलेजों में उन्हीं के प्रबंध समिति में चेयरमैन होने के बावजूद इनमें कर्मचारियों व शिक्षकों की स्थायी नियुक्तियाँ नहीं हुई हैं। जबकि इन कॉलेजों में शिक्षकों के लगभग 1200 पद खाली पड़े हुए हैं।

डॉ सुमन ने दिल्ली सरकार के 5 फीसदी अनुदान प्राप्त 16 कॉलेजों का नाम है -- उनके अनुसार दिल्ली सरकार से 5 फीसदी अनुदान प्राप्त कॉलेजों में श्री अरबिंदो कॉलेज, सत्यवती सह-शिक्षा कॉलेज, भगतसिंह कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, कालिंदी कॉलेज, लक्ष्मीबाई कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, विवेकानंद कॉलेज, भारती कॉलेज, मैत्रीय कॉलेज, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, शिवाजी कॉलेज, राजधानी कॉलेज, गार्गी कॉलेज व कमला नेहरू कॉलेज हैं। उन्होंने बताया है कि इन कॉलेजों की प्रबंध समिति में दिल्ली सरकार से 5 सदस्यों को भेजा जाता है, वहीं सांध्य कॉलेजों में है 6 सदस्यों को भेजा जाता है। इसके अलावा 5 सदस्य दिल्ली विश्वविद्यालय से तथा 2 प्रोफेसर के अलावा कॉलेजों के प्रिंसिपल, 1 जूनियर शिक्षक व 1 सीनियर शिक्षक होता है। सभी सदस्य मिलकर प्रबंध समिति के चेयरमैन व कोषाध्यक्ष का चुनाव करते हैं। दिल्ली सरकार के कॉलेजों में व्यवस्थित प्रबंध समिति होने के बावजूद पिछले आठ साल से इन कॉलेजों में शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रिंसिपलों की स्थायी नियुक्ति नहीं की गई। डॉ सुमन ने बताया कि दिल्ली सरकार के इन कॉलेजों में अभी भी एक्टिंग व ऑफिसिएटिंग प्रिंसिपल कार्य कर रहे है। कई बार प्रिंसिपल के पदों के लिए विज्ञापन निकाले गए, लेकिन दिल्ली सरकार की उदासीनता के कारण पदों को भरने की समय सीमा भी समाप्त हो गई। कुछ कॉलेजों में प्रिंसिपल पदों पर साक्षात्कार हुआ लेकिन किन्हीं कारणों से स्थायी नियुक्ति नहीं हो सकी। श्री अरबिंदो कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्य), मोतीलाल नेहरू कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य), सत्यवती कॉलेज, सत्यवती कॉलेज (सांध्य), शहीद भगतसिंह कॉलेज (सांध्य), राजधानी कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, विवेकानंद कॉलेज, भारती कॉलेज, मैत्रीय कॉलेज, गार्गी कॉलेज व कमला नेहरू कॉलेज में स्थायी प्रिंसिपल नहीं हैं जिससे कि शिक्षकों और कर्मचारियों की स्थायी नियुक्ति नहीं हो पा रही है।

दिल्ली में कैटरिंग इंचार्ज की हत्या मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी के जापानी पार्क में शादी समारोह के दौरान खाना खाने के लिए खाली प्लेट देने से इन्कार करने पर डीजे का काम करने वाले युवकों ने कैटरिंग इंचार्ज की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने आज रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने प्राथमिकी कर दो आरोपितों को हिरासत में ले लिया था। जानकारी के अनुसार, शादी समारोह के दौरान संदीप कैटरिंग का काम संभाल रहा था। इस दौरान डीजे का काम करने वाले युवकों का खाली प्लेट मांगने को लेकर संदीप से झगड़ा हो गया। बता दें कि कैटरिंग इंचार्ज संदीप ठाकुर किराड़ी के प्रेम नगर का रहने वाला था। संदीप का गुरुवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। झगड़े के दौरान चार आरोपितों ने संदीप की प्लास्टिक की क्रेट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार संदीप सांवरिया टेंट हाउस में कैटरिंग इंचार्ज का काम करता था। बुधवार रात करीब 12.45 बजे डीजे बजा रहे कुछ युवक स्टाल पर खाना-खाने के लिए खाली प्लेट लेने के लिए पहुंचे थे। लेकिन उस वक्त शादी समारोह में शामिल मेहमान खाना खा रहे थे। संदीप ने उस वक्त उन युवकों को प्लेट देने से इन्कार कर दिया।

16 फरवरी को होगी मेयर चुनने की चौथी कोशिश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का चुनाव अब गुरुवार यानी 16 फरवरी को होगा। ताजा जानकारी के मुताबिक, दिल्ली मेयर चुनाव 16 फरवरी को कराने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने अपनी मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव नगर निगम ने दिल्ली सरकार को भेजा था, जिसे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्वीकृत करते हुए राजनिवास भेजा। अब इस पर उपराज्यपाल ने अंतिम निर्णय लिया है। अभी तक उपराज्यपाल दिल्ली सरकार द्वारा सुझाएं गए प्रस्तावों को ही मानते रहे हैं। 24 जनवरी और 6 फरवरी को मेयर चुनाव कराने का दिल्ली सरकार का प्रस्ताव था, जिसे एलजी ने मान लिया था। तीन बार की बैठक रही असफलगौरतलब है कि इससे पहले हुई तीन बैठकों में निगम के मेयर के निर्वाचन को सफलता नहीं मिली है। इतना ही नहीं किस्तों में सारी प्रक्रिया एक तरह से पूरी हो रही है। पार्षदों की शपथ से लेकर मेयर, उप मेयर और स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव का एक ही बैठक में कराना होता है। अब तक निगम में क्या-क्या हुआ 4 दिसंबर, 2022 दिल्ली नगर निगम की 250 सीटों पर आम चुनाव हुआ। 7 दिसंबर को परिणाम में आप को बहुमत मिला। आप को 134, भाजपा को 104 और तीन निर्दलीयों के साथ कांग्रेस को नौ सीटें मिलीं।

छह जनवरी 2023 को निगम सदन की बैठक हुई जो कि पीठासीन अधिकारी की शपथ के बाद आप-भाजपा पार्षदों के हंगामे के चलते स्थगित हो गई। 24 जनवरी को फिर से बैठक हुई। इसमें पार्षदों का शपथग्रहण हुआ, लेकिन फिर हंगामे के चलते बैठक स्थगित हो गई।

26 जनवरी को आप ने महापौर चुनाव कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

30 जनवरी को महापौर चुनाव के लिए निगम ने 10 फरवरी का प्रस्ताव दिल्ली सरकार को भेजा। दिल्ली सरकार की ओर से 3, 4 और छह फरवरी का प्रस्ताव उपराज्यपाल को भेजा गया। एक फरवरी को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने महापौर चुनाव के लिए छह फरवरी की तारीख निर्धारित की। तीन फरवरी सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को आम आदमी पार्टी ने वापस लिया। 6 फरवरी को महापौर चुनाव को लेकर तीसरी बैठक आयोजित हुई, लेकिन हंगामे के कारण बैठक को फिर स्थगित कर दिया गया।

वैलेंटाइन डे मनाने के लिए पूर्व मंगेतर को बुलाया, फिर चाकू से किया हमला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सिविल लाइंस स्थित बोंटा पार्क में एक युवती ने स्वजन के साथ मिलकर अपने पूर्व प्रेमी सिविल इंजीनियर पर चाकू से वार कर जख्मी कर दिया। गंभीर हालत में गौतम चौधरी को पुलिस ने पहले सुश्रुत ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां से बाद में उसे एलएनजेपी अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर गौतम चौधरी की पूर्व प्रेमी और उसके 15 साल के भाई को दबोच लिया है।

जानकारी के मुताबिक गौतम की इंटरनेट मीडिया के जरिए कुछ साल पहले युवती से दोस्ती हुई थी। दोनों की शादी भी तय हो गई थी। गौतम के स्वजन ने आरोप लगाया कि युवती ने गौतम से लाखों रुपये ऐंठने के बाद उससे शादी से इंकार कर दिया। गौतम ने जब शादी का दबाव बनाया तब युवती ने उसे किसी बहाने दिल्ली बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। गौतम पेशे से सिविल इंजीनियर है और एक निजी कंपनी में नौकरी कर रहा है। वह केरल से ट्रेन से दिल्ली आया था। उसे वापस केरल की ट्रेन पकडनी थी।

युवती ने उसे मिलने के बहाने बोंटा पार्क बुलाया। वहां उसका गला रेतने के अलावा शरीर के कई हिस्सों पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। आरोप है कि युवती ने गौतम से महंगे-महंगे तोहफे मंगाना शुरू कर दिया था। गौतम ने भी युवती की हर ख्वाहिश को पूरी की लेकिन बाद में उसने गौतम को नजरअंदाज कर शादी से इंकार कर दिया।

गौतम ने जब शादी का दबाव बनाया तब आरोपितों ने वेलनटाइन डे मनाने के बहाने उसे बोंटा पार्क बुलाया था। वहां युवती उसके भाई व अन्य ने चाकू से उस पर हमला कर जख्मी कर दिया। आरोपित उसे मरा हुआ समझकर भाग गए। उसके बाद राहगीरों ने खून से लथपथ गौतम को वहां पड़ा देखकर मामले की सूचना पुलिस को दी।

दिल्ली की सड़कों पर जल्द चलेंगी प्रीमियम बसें

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में लोगों को जल्द आवागमन के लिए प्रीमियम बस सेवा की सुविधा मिल सकेगी। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सड़कों पर प्रीमियम बसें शुरू करने की नीति लगभग तैयार कर ली है। इसके लिए कैबिनेट नोट भी तैयार कर लिया गया है। एलजी को भेजा गया प्रस्ताव

जल्द इसे कैबिनेट में मंजूरी के लिए लाया जाएगा। इसके बाद उपराज्यपाल के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद ही इसे अधिसूचित किया जाएगा। इस योजना के पीछे सरकार की मंशा सड़कों से वाहनों का बोझ कम करना है। क्योंकि सरकार के तमाम प्रयास के बाद भी मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग के लोग बसों में चलने के लिए तैयार नहीं है।

यह सभी लग्जरी बसें होंगी, माना जा रहा है आवागमन के लिए लग्जरी बसें मिलने पर लोग अपनी कार छोड़ कर बसों से चलेंगे। इससे एक लाभ यह भी होगा कि बसों की संख्या भी एकाएक बढ़ जाएगी।

ये बसें निजी कंपनियां चलाएंगी। इसके लिए दिल्ली मोटर व्हीकल लाइसेंसिंग ऑफ एग्रीगेटर्स (प्रीमियम बसें) योजना लागू की जाएगी।

इन बसों के टिकट मोबाइल व वेब आधारित एप्लिकेशन के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे और फिजिकल टिकट जारी नहीं होंगे।

एप पर बसों का किराया और रूट दिखाया जाएगा। सभी बसें बीएस-6 मानकों का पालन करने वाली वातानुकूलित सीएनजी या इलेक्ट्रिक होंगी। लेकिन 1 जनवरी 2024 के बाद शामिल होने वाली सभी बसें केवल इलेक्ट्रिक होंगी।

ये बसें सवारी बुकिंग और डिजिटल पेमेंट करने के लिए वन दिल्ली एप के साथ एकीकृत होंगी।

बसों में खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी।लोग घर से निकलते ही मोबाइल से अपनी सीट बुक कर सकेंगे।

क्या होंगे प्रीमियम बस सेवा के नियम लाइसेंस प्राप्त प्रत्येक एग्रीगेटर 90 दिनों के अंदर चालू होने वाली न्यूनतम 50 प्रीमियम बसों के बेड़े का संचालन और रखरखाव करेगा-मोबाइल एप्लिकेशन और वेब आधारित एप्लिकेशन पर पैनिक बटन अनिवार्य होगा। एग्रीगेटर मिनी, मिडी या पूरे आकार की बसें चला सकेंगे।

बसें एप सपोर्ट, सीसीटीवी और पैनिक बटन से लैस होंगी।

एग्रीगेटर और परमिट धारक को यात्रियों को केवल अधिसूचित बस क्यू शेल्टर में ही सवारियां लेना और उतारना होगा।

एग्रीगेटर बसों के मार्गों को निर्धारित करने में सक्षम होगा।

ऐसे मार्गों को मोबाइल या वेब आधारित एप्लिकेशन पर बताया जाएगा। एग्रीगेटर कोई नया मार्ग शुरू करते समय या किसी मार्ग को संशोधित व समाप्त करते समय परिवहन विभाग को सूचित करेगा।

मौजूदा मार्गों में कोई भी बदलाव करने से पहले परिवहन विभाग और आम जनता को सात दिनों की पूर्व सूचना दी जाएगी।

ऐसे होगी सीट की बुकिंग सेवा शुरू होने से पहले ही बस सेवा का एप तैयार किया जाएगा। एप में जाकर रूट को सर्च करना होगा। इसके बाद समय के अनुसार बस की सीट बुक करनी होगी। बस में सवार होने के बाद एप से ही भुगतान भी किया जा सकेगा। इसके लिए यूपीआइ अथवा वालेट का प्रयोग किया जा सकेगा।

आखिर क्यों की जा रही है मकानों की तोड़फोड़? डीडीए ने बताई वजह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली के महरौली इलाके में डीडीए का तीसरे दिन रविवार को भी अवैध निर्माण के खिलाफ विध्वंस अभियान (डिमोलिशन ड्राइव) जारी है। इसके साथ ही तोड़फोड़ का स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अभियान के दौरान मौके पर पुलिस भी तैनात है। पुलिस पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगा है, लेकिन पुलिस ने इससे इनकार किया है। पुरातात्विक पार्क में आयोजित होने वाली ऋ20 बैठक से एक महीने पहले डिमोलिशन की कार्रवाई की जा रही है। ये अभियान महरौली इलाके में महरौली पुरातत्व पार्क में पड़ने वाले लढा सराय गांव में चलाया जा रहा है। शनिवार पहुंचे बुलडोजर ने आम बाग, बृजवासी कॉलोनी क्षेत्र में डीडीए की जमीन पर बने अवैध निमार्णों को गिराया। आखिर क्यों चलाया जा रहा अभियान? शनिवार को अनधिकृत अतिक्रमण हटाने के दौरान एक अधिकारी ने अपने बयान में कहा,ह्वराजस्व विभाग द्वारा अनधिकृत और अवैध अतिक्रमण या निर्माण की सीमा की पहचान कर दिसंबर, 2021 में डीडीए और वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आया हाईकोर्ट के आदेश अनुसार अतिक्रमण को हटाया गया है।

दिसंबर में चिपकाया था नोटिस

पुरातात्विक पार्क में एएसआई, दिल्ली सरकार के राज्य पुरातत्व विभाग और डीडीए के करीब 55 स्मारक आते हैं। पूर्व में 12 दिसंबर, 2022 को अतिक्रमण कर बनाए गए घरों पर एक नोटिस चिपकाया गया था और 10 दिनों के भीतर विवादित भूमि से सभी अनाधिकृत निर्माण को हटाने का निर्देश दिया गया था।

मामले में उच्च न्यायालय ने कई बार सरकारी अधिकारियों को अवैध अतिक्रमण हटाकर महरौली पुरातत्व पार्क के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को सुरक्षित और संरक्षित करने का निर्देश दिया था। इसी के तहत विभाग द्वारा सरकारी जमीन से अनाधिकृत कब्जा हटाने तथा महरौली पुरातत्व पार्क को अतिक्रमणमुक्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

चार उच्च न्यायालयों में नियुक्त किए गए मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। चार उच्च न्यायालयों में रविवार को मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। गुजरात उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति सोनिया गिरिधर गोकानी को इसका मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उन्हें शुक्रवार को गुजरात उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था जबकि इसके मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार को पदोन्नति देकर उच्चतम न्यायालय में नियुक्त कर दिया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संदीप मेहता को गौहाटी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। ओडिशा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जसवंत सिंह को त्रिपुरा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह को जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

जेवर-खुर्जा हाईवे पर पिकअप और कार की जोरदार भिड़ंत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जेवर-खुर्जा हाईवे पर पिकअप और सेंट्रो कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में 11 लोग घायल हो गए। जिन्हें जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि रविवार को दोपहर करीब ढाई बजे जेवर खुर्जा रोड पर बनकापुर गांव के पास पिकअप और कार आपस में भिड़ गई। पिकअप जहांगीरपुर की तरफ जा रही थी और सामने से कार आ रही थी। हादसे में कुल 11 लोग घायल हो गए। जिनमें पांच महिला और चार पुरुष हैं। इसके अलावा एक बच्चा और बच्ची भी शामिल है।

उन्नाव में ट्रेन के आगे कूदकर किशोरी ने दी जान

उन्नाव। सदर क्षेत्र के मगरवारा निवासी किशोरी ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। मगरवारा चौकी पुलिस व आरपीएफ ने पहुंचकर जांच की। मगरवारा चौकी प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि रविवार दोपहर एक किशोरी ने ट्रेन के सामने कूदकर जान देने की सूचना मिली। जांच के दौरान उसकी शिनाख्त मगरवारा निवासी पूजा (17) पुत्री दीपक के रूप में हुई। स्वजन को घटना की जानकारी देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि किशोरी की मौत ग्वालियर बरौनी एक्सप्रेस (11124) से लगभग 12.10 बजे हुई है। मृतका के पिता दीपक एक फैक्ट्री में प्राइवेट नौकरी करते हैं। स्वजन आत्महत्या की वजह नहीं बता पाए हैं। वहीं शव देख मां अनीता बदहवास हो गई।

यूके की सात कंपनियों ने यूपी से किए 1643 करोड़ रुपये के एमआयू, सीएम योगी बोले- सुरक्षित होगा निवेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज लखनऊ की वृंदावन योजना में चल रही यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतिम दनि दधीचि हाल में यूनाइटेड किंगडम पार्टनर कंट्री सत्र में शामिल हुए। इस दौरान सीएम योगी ने यूनाइटेड किंगडम से आए डेलिगेशन का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में निवेश पूर्ण रूप से सुरक्षित है और निवेशकों को इसके बेहतर परिणाम मिलेंगे।

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की उत्तर प्रदेश सरकार की पहल उम्मीद से बेहतर परिणाम देती नजर आ रही है। शनिवार को भी देश-विदेश की कई कंपनियों ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया। यूनाइटेड किंगडम की सात कंपनियों ने 165 मिलियन पाउंड (लगभग 1643 करोड़ रुपये) के निवेश प्रस्तावों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एमओयू किया। वहीं, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एयर इंडिया के बीच 620 करोड़ का एमओयू हुआ।

कई अन्य कंपनियां भी राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को तैयार हैं। ऐसे में निवेश का आंकड़ा 35 लाख करोड़ रुपये से ऊपर भी पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को जीआइएस के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में निवेशकों के महाकुंभ में आए कुल निवेश को साझा करेंगे। बता दें कि जीएसआइ के उद्घाटन सत्र तक राज्य सरकार को 32.92 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।

सीएम योगी सहयोगी देशों से बोले- ये दशक उत्तर प्रदेश का, ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश की अपार संभावनाएं

उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स-23 के कंट्री पार्टनर देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ अलग-अलग बैठक कर प्रदेश सरकार के दृष्टिकोण को साझा किया। यूपीजीआइएस-23 के सहयोगी देश डेनमार्क, नीदरलैंड व सिंगापुर के उच्चायुक्तों के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के साथ-साथ स्पेन के शिष्टमंडल से भी वे मिले और उत्तर प्रदेश के वर्तमान आर्थिक परिदृष्य पर चर्चा की। सीएम योगी ने यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआइबी) के वाइस प्रेसिडेंट व बेल्जियम के पूर्व उप प्रधानमंत्री क्रिस पीटर्स, द काउंसिल आफ ईयू चैंबर्स आफ कामर्स इन इंडिया के निदेशक डा. रेनू शाम और अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आइएफसी) के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि यूपी में निवेश करने वाली कंपनियों का निवेश सुरक्षित रहेगा, हमारी सरकार उन्हें पूरा सहयोग देगी। सहयोगी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बदलते यूपी की चर्चा की और विश्वास दिलाया कि ये दशक उत्तर प्रदेश का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर डेनमार्क तथा स्पेन के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। सीएम ने उत्तर प्रदेश में निवेश संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन, आइटी एवं आइटीइएस जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार के एक ट्रिलियन डालर के निवेश लक्ष्य की चर्चा करते हुए विश्वास दिलाया कि अगली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पूर्व यूपी एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने की नजदीक पहुंच चुका होगा।

बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी में लापरवाही पर नपेंगे स्टैटिक मजिस्ट्रेट

लखनऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं की ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर केंद्र पर एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, जिन्हें परीक्षा शुरू होने के एक घंटा पहले ही केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा। ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने शनिवार को एल्डिको कालोनी स्थित पायनियर मांटेसरी इंटर कालेज में जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक में दिए।

केंद्र व्यवस्थापकों के साथ हुई बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन विपिन कुमार मिश्रा ने परीक्षा संबंधित निर्देश दिए। बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा कराने के लिए चार जोनल मजिस्ट्रेट, 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट और हर केंद्र पर एक-एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनात कर दी गई है। केंद्र पर गड़बड़ी की सूचना पर केंद्र व्यवस्थापक को जिम्मेदार मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने स्ट्रांग रूम का रखरखाव, परीक्षा केंद्रों के कंट्रोल रूम को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) राकेश कुमार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के लिए 5200 शिक्षकों को बतौर कक्ष निरीक्षक लगाया गया है। इन सभी को अपने-अपने कालेज से 13 फरवरी को कार्यमुक्त होकर 14 फरवरी को सुबह 10 बजे निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। यहां केंद्र व्यवस्थापक उन्हें प्रशिक्षित करेंगे। बोर्ड परीक्षा के लिए प्रश्न पत्रों को केंद्रों तक भेजने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। पुलिस की अभिरक्षा में प्रश्न पत्र सभी परीक्षा केंद्रों पर भेजे जाएंगे। डीआईओएस ने बताया कि नन्हे सिंह स्मारक इंटर कालेज के मुख्य द्वार के बाहर निर्माण पाया गया है, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया। प्रिंसिपल को चेतावनी देते हुए 24 घंटे में उसे ठीक कराने के निर्देश दिए। राजकीय इंटर कालेज निशातगंज से यूपी बोर्ड की कापियों का वितरण शुरू हो गया। पहले दिन 51 केंद्र व्यवस्थापक बंद गाड़ियों से कापियां ले गए। अभी कापियां कम आई हैं, इसलिए हाईस्कूल में 30 फीसद व इंटर में 50 फीसद छात्र संख्या के अनुसार ही कापियां दी गईं।

इन्वेस्टर्स समिट पर स्वामी प्रसाद ने किया कटाक्ष, बोले- भाजपा बन गई है ईस्ट इंडिया कंपनी

जौनपुर। भाजपा ईस्ट इंडिया कंपनी बन गई है। जिस तरह अंग्रेज देश का खजाना लूटकर इंग्लैंड लेकर चले जाते थे, आज उसी तरह भारत में चहेते उद्योगपतियों पर धन लुटाया जा रहा है। यह बातें समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने शनिवार की रात लखनऊ से वाराणसी जाते समय चांदपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने इन्वेस्टर्स समिट पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार यह सब अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने का दावा करने वाली सरकार राष्ट्रीय संपत्तियों को बेचने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्म के ठेकेदार दलितों व पिछड़ों का उत्पीड़न कर रहे हैं। इस दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष लाल बहादुर यादव, जगदीश मौर्या, पूनम मौर्या, भानू प्रताप मौर्या, राजन यादव व श्याम बहादुर पाल समेत अन्य मौजूद रहे।

केराकत विधायक तूफानी सरोज के नेतृत्व में जलालपुर चौराहे पर स्वामी प्रसाद मौर्य का स्वागत किया गया। इस दौरान डा. अवधनाथ पाल, जयहिंद यादव, सतनारायण यादव, सुरेश यादव, गुड्डू चौहान, रामसमुझ भास्कर, शिवचंद यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

भारत में लॉजिस्टिक इको सिस्टम बनाने में निजी क्षेत्र की बड़ी भूमिका : अनुप्रिया पटेल

लखनऊ। जर्मनी की तर्ज पर भारत में भी लॉजिस्टिक खर्च करने के लिए अभी से काम करना होगा। यूपी में वेयर हाउसिंग और लाजिस्टिक की असीम संभावनाएं हैं, निजी निवेशकर्ताओं को यूपी में निवेश करना चाहिए, क्योंकि यूपी अन्य राज्यों की तुलना में हर दिन अपनी अलग-अलग क्षेत्रों में रैंकिंग सुधार रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि केंद्र व राज्य की सरकार एक इकाई के रूप में काम कर रही हैं।

केंद्र के सोलह विभाग एकीकृत होकर काम कर रहे हैं, यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है। पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की नई वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक नीति निजी क्षेत्र को प्रोत्सहित करने वाली है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तीसरे दिन रविवार को 'भारत का उभरता हुआ वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टक हब उत्तर प्रदेश' विषयक सत्र में व्यास हाल में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में देश में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का 14 फीसद है, जिसमें वर्ष 2030 तक लगभग आठ प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में शीर्ष 10 में शामिल होना है।

विशेष सत्र में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने भी लॉजिस्टिक के दामों में कमी लाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि यह तभी संभव होगा, जब रेल, वाटर ट्रांसपोर्ट, रोड व एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी। सोन ने कहा कि यूपी इस मानक पर पूरी तरह से खरा उतर रहा है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक लागत को कम करना उद्योग जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और कुछ यूरोपीय देशों में लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी अनुपात से बहुत कम है।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक यूपी में कोई वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स की बात नहीं करता था। आज बदले माहौल के बीच देशभर के इस सेक्टर के निवेशकों के लिए यूपी पहली पसंद बन गया है। वहीं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने निवेश के लिए दुनिया भर के उद्योग जगत को आमंत्रित करते हुए कहा कि यूपी में निवेशकों का हित सुरक्षित है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आरके जैन ने बताया कि भारत सरकार द्वारा दो डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर द्वारा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को आपस में जोड़ने के लिये उत्तर प्रदेश के दादरी और खुर्जा के बीच एक खंड निर्माणाधीन है। दोनों कॉरिडोर का सीधा लाभ उत्तर प्रदेश को मिलेगा।

ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले, यूपी में होंगे 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट, कहा- योगी सरकार से पहले थे सिर्फ दो हवाई अड्डे

लखनऊ। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज निवेश के लिए सबसे अनुकूल स्थान बन गया है। छह वर्ष में यहां जिस तरह से कार्य हुए हैं, उसने सभी को चौंका दिया है। रोड कनेक्टिविटी हो या हवाई सेवाएं, हर क्षेत्र में यूपी ने ऊंची छलांग लगाई है। जल्द ही उप्र में 21 हवाई अड्डे हो जाएंगे। 16 घरेलू व पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे शामिल हैं।

योगी सरकार से पहले प्रदेश में केवल दो हवाई अड्डे थे, आज नौ हवाई अड्डे संचालित हैं। 10 नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, दो हवाई अड्डों के लिए जमीन देखने का काम शुरू हो गया है।

'सिविल एविएशन इन उत्तर प्रदेशः द इमर्जिंग अपार्च्युनिटीज' विषय पर आयोजित सत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव हुआ है।

उड़ान योजना ने इस क्षेत्र को बड़ा सहारा दिया है। पहले देश में 74 हवाई अड्डे संचालित थे, नौ वर्ष में 73 हवाई अड्डे और संचालित हो गए हैं। अब देश में 147 हवाई अड्डे संचालित हैं।

मीरजापुर में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर फेंका गया काला कपड़ा

मीरजापुर। सपा के महासचवि स्वामी प्रसाद मौर्य मीरजापुर दौरे पर हैं। आज वाराणसी से मिर्जापुर की ओर निकल रहे स्वामी प्रसाद के स्वागत में कुछ लड़के टेंगरा मोड़ पर खड़े थे। जैसे ही वहां से स्वामी प्रसाद का काफलिा नकिला लड़कों ने मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उनकी गाड़ी पर काला कपड़ा फेंका।

टेंगरा मोड़ के पास भाजपा कार्यकर्ता दीपक सिंह और कुछ लड़के हाथ में माला लेकर खड़े थे। जिस कारण कार्यकर्ता समझ कर स्वामी प्रसाद का काफिला रुक गया। इसके बाद अचानक विरोध प्रदर्शन देखते हुए पुलिस ने काफिले को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इसी बीच कार्यकर्ताओं ने गाड़ी पर काला कपड़ा फेंक दिया। गाड़ी के साथ-साथ कुछ दूर तक दीपक सिंह दौड़ता रहा जिसे पुलिस ने रोका। कुछ दिन पूर्व दीपक ने स्वामी प्रसाद मौर्य को स्पीड पोस्ट से चूड़ी बिंदी और सिंगार का सामान भेजा था।

बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरतिमानस को लेकर ववादिति टप्पिणी की थी। उन्होंने साधु संतों के खलिाफ भी आपत्तजिनक शब्दों का प्रयोग कयिा था। ऐसे में जगह जगह पर स्वामी प्रसाद मौर्य का वरिोध हो रहा है।

ताजी सब्जियों को मंडी पहुंचाकर कमा रहे हैं साल के 20 करोड़

लखनऊ। रोजगार के घटते सरकारी अवसर के बीच शहर के युवाओं में खुद का काम या रोजगार लेने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनने की चाह अब हिलोरें मार रही हैं। शहर के युवाओं ने कई ऐसे उद्यम खड़ा कर दिया है, जिसके न सिर्फ वे मालिक हैं बल्कि औरों को रोजगार भी दे रहे हैं। लेकिन, स्टार्टअप की दुनिया जितनी चमकदार है उससे कई गुणा ज्यादा मेहनत भरी भी है।

गुड़गांव निवासी ऐश्वर्य भट्ट की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वर्ष 2018 में वेज इंडस्ट्रीज के नाम से व्यापार शुरू किया। इस दौरान पैसे और अनुभव की कमी के चलते दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन मजबूत इरादे और कड़ी मेहनत की बदौलत पांच साल के भीतर 50 लाख की कंपनी को करीब 20 करोड़ रुपये सालाना टर्नओवर तक पहुंचा दिया।

ऐश्वर्य भट्ट ने बताया कि वेज इंडस्ट्रीज वैक्यूम कोल्ड बाक्स बनाती है। चार साल पहले कंपनी की पहुंच सिर्फ गुड़गांव और दिल्ली तक तक थी, लेकिन अब वेज इंडस्ट्रीज गुड़गांव समेत पूरे एनसीआर तक विस्तार कर चुकी है। हमारी कंपनी कोल्ड बाक्स के प्रोडक्शन के अलावा, वैन और मिनी ट्रक में फैब्रिकेशन का काम करती है। हम रिलायंस फ्रेश और जोमैटो के साथ काम कर रहे हैं।

ऐश्वर्य भट्ट कहते हैं, कंपनी की आधुनिक तकनीकी से प्रभावति होकर हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) मैसूर ने हमारी कंपनी द्वारा निर्मित कोल्ड बाक्स को ट्रायल के लिए आमंत्रित किया था। कंपनी की प्रस्तुति के बाद डीआरडीओ की ओर से हमें तकनीकी सहमति भी मिल गई है। वेज इंडस्ट्रीज के एमडी ऐश्वर्य भट्ट का कहना है कि मौजूदा समय में वैक्यूम कोल्ड बाक्स का महत्व बढ़ गया है। वेज इंडस्ट्रीज अगले दो साल में 50 करोड़ के निवेश की स्थिति में होगी। इसमें हमें बेल्जियम की कंपनी इटेक्स ग्रुप का भी सहयोग मिलेगा। ऐश्वर्य पाठक कहते हैं, वर्ष 2018 में वेज इंडस्ट्रीज ने तब रफ्तार पकड़ी जब उसे बेल्जियम की कंपनी इटेक्स ग्रुप का साथ मिला। इटेक्स ग्रुप से कंपनी को न सिर्फ तकनीकी, बल्कि आर्थिक मदद भी मिली।

कोल्ड बाक्स से हम सौ प्रतिशत ताजा फल और सब्जी मंडी तक पहुंचाने में सफल हैं। इससे एक प्रतिशत भी नुकसान की गुंजाइश नहीं रहती है। ऐश्वर्य भट्ट कहते हैं, अब हमारी नजर उत्तर प्रदेश पर है। इस समय यहां व्यापार स्थापित करने का अच्छा माहौल भी है। हमारी कंपनी जल्दी ही यूपी में इसका प्रोडक्शन यूनिट शुरू करेगी। इसके लिए संडीला और लखनऊ में जमीन भी देखी जा चुकी है।

सम्पादकीय

कट्टरता विनाश लाती है

पाकिस्तान में एक ऐसी ट्रेन चलती है जिससे वहां के संपन्न लोग ही यात्रा करते हैं। पाकिस्तान की अपनी यात्रा के दौरान मैंने भी इस ट्रेन से यात्रा की है। यात्रा के दौरान मेरे कंपार्टमेंट में कुछ युवा उद्योगपति भी यात्रा कर रहे थे। मैंने उनसे पाकिस्तान की स्थिति के बारे में बातचीत की। उनकी बातों का लब्बो लबाब यह था कि काश हमारे यहां भी बिड़ला, टाटा अंबानी, गोदरेज, बजाज आदि होते तो पाकिस्तान की हालत ऐसी नहीं होती जैसी है। उनके कहने का आशय यह था कि यदि पाकिस्तान में मिली-जुली आबादी होती, मुसलमानों के साथ हिन्दुओं को रहने दिया जाता तो उनकी प्रतिभा का लाभ पूरे देश को मिलता। पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान बनने के बाद अपने पहले भाषण में यह स्पष्ट कहा था कि पाकिस्तान एक सेक्युलर राष्ट्र रहेगा। उन्होंने पाकिस्तान में सभी धर्मों के लोगों को पूरी सुरक्षा की गारंटी ठीक उसी प्रकार दी थी जैसे गांधी, नेहरू आदि ने भारत में सभी धर्मों के अनुयायियों को दी थी।

इन नवयुवकों की राय थी कि यदि पाकिस्तान एक सेक्युलर राष्ट्र बना रहता तो वह उतना ही मजबूत होता जितना भारत है। परंतु हमने तो हिन्दुओं को खदेड़ा, हमने उर्दू को लादने की जिद की जिसके नतीजे में हमारा देश विभाजित हो गया। हमने न तो प्रजातंत्र की जड़ें मजबूत कीं और ना ही हमने आर्थिक व औद्योगिक अधोसंरचना बनाने की कोशिश की। हमने भारत के समान स्वतंत्र विदेश नीति नहीं अपनाई। हम अमेरिका के पिछलग्गू हो गए। इसके विपरीत भारत ने जहां से भी संभव हुआ बिना शर्त के सहायता स्वीकार की। भारत ने मुख्यतः सोवियत संघ समेत समाजवादी देशों से सहायता ली। भारत ने सार्वजनिक क्षेत्र में पहला स्टील प्लांट भिलाई में सोवियत संघ की सहायता से स्थापित किया, हमने हेवी इलेक्ट्रिकल्स कारखाना भोपाल में खोला। हमने अधोसंरचना स्थापित मजबूत करने के हर संभव कदम उठाए। भुखमरी का सामना करने वाले देश के स्थान पर हम अनाज के निर्यातक बन गए। पेट्रोलियम के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भी हमने अनेक प्रयास किए। तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री के. डी. मालवीय ने दावा किया था कि पाकिस्तान से युद्ध के समय हमने तेल के मामले में 40 प्रतिशत से ज्यादा आत्मनिर्भरता हासिल कर ली थी। इस आत्मनिर्भरता के कारण ही हम पाकिस्तान से युद्ध जीत सके।

इसके अतिरिक्त हमने प्रजातंत्र को मजबूत करने के हर संभव उपाय किए। चुनाव समय पर हुए। संसद और विधानसभाएं पूरी जिम्मेदारी से अपना कर्तव्य निभाते रहे। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संसद समेत तमाम संवैधानिक संस्थाओं को पूरा सम्मान देते थे। स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र प्रेस के मामले में उन्होंने कभी कोई बाधा नहीं डाली। इस कारण भारत एक मजबूत प्रजातंत्र बना रहा। इसके साथ ही पूरी मुस्तैदी से भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश बना रहा। यद्यपि बीच-बीच में साम्प्रदायिक संगठनों ने देष की फिजा बिगाड़ने का प्रयास किया किंतु इन संस्थाओं को देश पर हावी नहीं होने दिया गया। वर्तमान में जो पार्टी केन्द्र में सत्ता पर है वह देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने का नारा देती है। हिन्दुत्व की बात करती है। बीच-बीच में ऐसे कदम उठाए जाते हैं जिनसे अल्पसंख्यकों के मन में भय की भावना उत्पन्न होती है। यहां इस सच्चाई को ध्यान दिलाना प्रासंगिक होगा कि जिन भी देशों में धर्म आधारित सत्ता है।

गंडकी नदी की शिलाओं से अवतार लेंगे रामलला!

सोनम लववंशी

भारत और नेपाल दोनों एक दूसरे से कई मायनों में समानता रखते हैं। नेपाल के साथ भारत सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध सदियों से साझा करता आ रहा है। नेपाल के साथ भारत का रिश्ता रोटी और बेटी का है। भले ही कुछ वर्षों से नेपाल चीन के प्रभाव में आ गया। जिसकी वजह से इन दोनों देशों के बीच दूरियां बढ़ गई, लेकिन एक बार पुनः 6 करोड़ साल पुराने शालिग्राम से दोनों देश नजदीक आने को आतुर दिख रहे हैं। यह तथ्य ऐतिहासिक है कि अयोध्या के मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का विवाह जनकपुर की राजकुमारी सीता से हुआ था। हालाँकि, पिछले दो दशकों में भारत-नेपाल संबंधों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। साम्राज्यवादी और विस्तारवादी नीति चीन की सदैव से रही है और इस नीति के वशीभूत होकर चीन ने भारत के पड़ोसी देशों को अपने प्रभाव में लेने का हर संभव प्रयास किया है। यही वजह है कि आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक सहायता के बहाने वह भारत-नेपाल संबंधों में दरार पैदा करना चाहता है। पिछले साल नेपाल में हुए संसदीय चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने के कारण वहां गठबंधन सरकार बनी थी, जिसे परोक्ष रूप से चीन से प्रभावित करने की कोशिश की गई।

चीन की मंशा स्पष्ट है और वह चाहता है कि भारत के पड़ोसी देशों पर उसका कब्जा हो जाए। ताकि वह भारत पर एक मनोवैज्ञानिक बढ़त बना सके, लेकिन अब ड्रैगन अपने इस मंसूबे में कामयाब होता नहीं दिख रहा क्योंकि भारत भी विगत नौ वर्षों में काफी मजबूती के साथ वैश्विक फलक पर निखरकर सामने आया है। आज भारत की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आजकल विजन और विजयश्री की पताका बुलंद कर रहा है। हमारे सियासतदां पड़ोसी मुल्कों से बेहतर समन्वय बनाकर तो आगे बढ़ ही रहे, साथ में वैश्विक स्तर के संपन्न राष्ट्रों को भी साध रहें हैं। भारत अब गुट-निरपेक्ष नहीं, बल्कि मल्टीअलाइनमेंट की नीति पर आगे बढ़ रहा है। भारत की विदेश नीति आज लचीलेपन और दूरदर्शिता से परिपूर्ण है। ऐसे में नेपाल का भारत के करीब आना सुखद है। भारत और नेपाल, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से काफी समानता रखते हैं और अतीत में नेपाल एक हिंदू राष्ट्र के रूप में भारत के बहुत करीब रहा है। भारत के बिहार प्रांत का मिथिलांचल क्षेत्र और इसकी संस्कृति नेपाल तक फैली हुई है। नेपाली के अलावा, मैथिली को नेपाल में दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में भी स्वीकार किया जाता है।

आज से नहीं बल्कि आदिकाल से भारत और नेपाल दोनों एक-दूसरे के पूरक की स्थिति में रहें हैं। गोरखा रेजीमेंट को आखिर कौन भूल सकता है? जिसमें अधिकतर नेपाली युवा शामिल होते हैं। चीन जैसे देश और कुछ नफरत पसंद लोग भले ही भारत और नेपाल के सम्बन्धों में खलल डालने की कोशिश वर्षों से करते आ रहें हो, लेकिन ये दोनों देश इस तरह से आपस में जुड़े हुए हैं कि कोई भी ताकत इन्हें अलग नहीं कर सकती है। यही वाकया अब एक बार फिर देखने को मिल रहा है। भगवान श्रीराम का मंदिर अयोध्या में बन रहा है और जश्न नेपाल में भी देखने को मिल रहा है। यह दो देशों की संस्कृति के अंगीकृत हो जाने का जश्न है। दो देशों के एकसार हो जाने का जश्न है। जश्न है भगवान श्रीराम के अद्भुत लोक के निर्माण का। उस रामराज के वापस आने का। जिसमें लोक मंगल की कामना ही सर्वोपरि होती है। राम-जानकी जीवन ही कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की मिसाल पेश करता है और इन्हीं का जीवन एकबार पुनः दो पड़ोसी देशों को करीब से जोड़ने का काम कर रहा है।

श्री राम और सीता दोनों देशों की साझी सामूहिक विरासत और आस्था के प्रमुख बिंदु हैं। अयोध्या से जनकपुर तीर्थ की परिक्रमा भारत-नेपाल संबंधों से ही संभव है। वर्तमान में जब अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है, तब नेपाल के साधु-महात्मा और आम लोग इसमें निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं। अयोध्या और नेपाल के बीच एक बार फिर त्रेतायुग के संबंध ताजा हो रहें हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति के लिए नेपाल से करोड़ों वर्ष पुरानी शालिग्राम शिलाएं लाई गई है। ये शिला नेपाल की गंडकी नदी से निकली गई है। हिन्दू आस्था के आदर्श पुरूष भगवान राम की मूर्ति निर्माण के लिए माँ जानकी के मायके से पत्थर लाने के पीछे ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक और वैज्ञानिक मान्यताएं है। कहते हैं कि जिस काली गण्डकी नदी के किनारे से यह पत्थर लिए गए है। वह नेपाल की पवित्र नदी है जो दामोदर कुण्ड से निकल कर भारत में गंगा नदी में मिलती है। इस नदी किनारे शालिग्राम के पत्थर पाए जाते हैं, जो करोड़ों वर्ष पुराने है। इन पत्थरों को भगवान विष्णु का रूप शालीग्राम मानकर पूजे जाने की परम्परा है। इस देवशिला का अपना अलग महत्व है। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री के मुताबिक वो पहले जनकपुर से जुड़ी श्रीराम की विरासत के अनुरूप रामलला के लिए धनुष भेंट करना चाहते थे। किंतु राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ दो वर्ष तक चले संवाद के बाद यह तय हुआ कि नेपाल की गंडकी नदी से रामलला की मूर्ति के लिए पवित्र शिला अर्पित की जाएगी। ऐसे में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के लोगों ने भी शिला समर्पित करने के लिए नेपाल सरकार और वहां के लोगों का आभार व्यक्त किया है और आशा कि जा सकती है कि यह शिला न केवल भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करेगी बल्कि दोनों देशों के विश्वास, सद्भाव, एकता और आपसी निर्भरता को भी सदा-सदा के लिए प्रगाढ़ता प्रदान करेगी।

वो झूठ बोलेगा और ला-जवाब कर देगा

गौर तलब है कि जब से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी के कोपोर्रेट साम्राज्य में सुनामी आई है और सूत्रों के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व भारतीय जीवन बीमा निगम सहित लाखों भारतीय निवेशकों द्वारा अडानी समूह पर किये गये निवेश पर संकट मंडराया है तभी से केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी थीं कि देखें आखिर प्रधानमंत्री अपने ऊपर लगने वाले अडानी संरक्षण जैसे गंभीर आरोपों का क्या जवाब देते हैं। परन्तु कई दिनों तक इसी विषय पर संसद के दोनों सदनों में हुये भारी हंगामे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों सदनों में लगभग डेढ़ घण्टे तक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने विशेष अंदाज में भाषण तो जरूर दिया परन्तु अडानी मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना या इसकी चर्चा करना तो दूर अडानी का जिक्र तक करना मुनासिब नहीं समझा। राज्य सभा में तो उस समय अजीब स्थिति देखने को मिली जबकि एक ओर तो विपक्ष सदन में मोदी-अडानी भाई भाई के नारे लगा रहा था परन्तु उसी समय प्रधानमंत्री इस विरोध से बेफिक्र होकर विपक्ष पर ही हमलावर होते रहे।

तनवीर जाफरी
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

देश की लोकसभा व राज्यसभा दोनों में पिछले दिनों अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिले। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी व प्रधानमंत्री के रिश्तों को लेकर कई गंभीर आरोप लगाते हुये कई सवाल पूछे गये। गौर तलब है कि जब से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी के कोपोर्रेट साम्राज्य में सुनामी आई है और सूत्रों के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व भारतीय जीवन बीमा निगम सहित लाखों भारतीय निवेशकों द्वारा अडानी समूह पर किये गये निवेश पर संकट मंडराया है तभी से केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी थीं कि देखें आखिर प्रधानमंत्री अपने ऊपर लगने वाले अडानी संरक्षण जैसे गंभीर आरोपों का क्या जवाब देते हैं। परन्तु कई दिनों तक इसी विषय पर संसद के दोनों सदनों में हुये भारी हंगामे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों सदनों में लगभग डेढ़ घण्टे तक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपने विशेष अंदाज में भाषण तो जरूर दिया परन्तु अडानी मुद्दे पर स्पष्टीकरण देना या इसकी चर्चा करना तो दूर अडानी का जिक्र तक करना मुनासिब नहीं समझा। राज्य सभा में तो उस समय अजीब स्थिति देखने को मिली जबकि एक ओर तो विपक्ष सदन में मोदी-अडानी भाई भाई के नारे लगा रहा था परन्तु उसी समय प्रधानमंत्री इस विरोध से बेफिक्र होकर विपक्ष पर ही हमलावर होते रहे। वे उस समय अडानी मुद्दे पर जवाब देने के बजाये पंडित नेहरू व इंदिरा गांधी की सरकारों के दोष गिनाने में व्यस्त थे।

इसमें कोई शक नहीं कि कोई भी सरकारें हों वे प्रायः राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सरकार की नीतियों, उपलब्धियों आदि की ही चर्चा करती हैं। इसीलिये प्रधानमंत्री ने दोनों ही सदनों में मुफ़्त राशन योजना, आयुष्मान योजना से लेकर जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति, पूर्वोत्तर के विकास का जिक्र, पोर्ट, एयर पोर्ट, रेलवे, राजमार्ग व सड़कों के विस्तार, कोरोना टीकाकरण, किसानों को दी जाने वाली धनराशि, उज्ज्वला योजना, आदि का खूब जिक्र किया और सत्ता पक्ष की खूब तालियां बटोरीं। यहाँ तक कि भाजपा सांसदों द्वारा संसद में काफी देर तक मोदी-मोदी के नारे भी लगाये जाते रहे। सत्ता के शक्ति प्रदर्शन के लिये तो यह जरूरी हो सकता है परन्तु देश की संसद देश के समक्ष दरपेश किसी अति महत्वपूर्ण मुद्दे की इसतरह भी अनदेखी नहीं करती जैसा पिछले दिनों प्रधानमंत्री के भाषण में देखने को मिला। मोदी-अडानी की प्रगाढ़ मित्रता को दो दशक से भी अधिक समय बीत चुका है। इस दौरान गुजरात से लेकर देश विदेशों तक अडानी ने अपने साम्राज्य का जिसतरह सही व गलत तरीकों से विस्तार किया है यह किसी से छुपा नहीं है। और हिंडनबर्ग ने जिसतरह अडानी के झूठ और अनियमिताओं पर आधारित साम्राज्य की हवा निकाली है वह भी पूरा विश्व देख रहा है। विश्व के तीसरे सबसे बड़े उद्योगपति का रातोंरात शीर्ष दस और शीर्ष बीस तक की सूची से बाहर हो जाना कोई असाधारण घटना नहीं है। परन्तु जिस समय हिंडनबर्ग ने अडानी की पोल खोली उस समय अडानी भी राष्ट्रवाद की आड़ में अपना मुंह छिपाते दिखाई दिये थे। उन्होंने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को राष्ट्रवाद पर हमला बता दिया था। उधर प्रधानमंत्री भी अपने भाषण में अडानी के सम्बन्ध में कोई सफाई देने के बजाये विपक्ष व उसकी नीति व नीयत पर ही सवाल उठाते रहे।

प्रधानमंत्री अपने समर्थन में जिस चीज का सबसे मजबूत सहारा लेते हैं वह है उनकी पूर्ण बहुमत की सरकार और इतनी आलोचनाओं के बावजूद कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में उनका विजय अभियान जारी रहना। तभी चाहे संसद में विपक्ष पर बहुमत के शस्त्र से हमलावर होना हो या इसी की आड़ में जरूरी सवालों से किनारा करना या उनसे बचना व अनदेखी करना, सरकार द्वारा इस हुनर का इस्तेमाल बखूबी किया जा रहा है। वैसे भी हमारे प्रधानमंत्री को शायद इस बात में महारत हासिल है कि वे जब भी जहां भी लाजवाब हुये उसी समय उन्होंने खामोशी का आवरण ओढ़ लिया। याद कीजिये गुजरात का मुख्यमंत्री होते हुये उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार करण थापर का वह साक्षात्कार जिसमें वे पानी मांग कर पीते और करण के सवालों का जवाब देने के बजाय बीच में ही साक्षात्कार छोड़कर जाते दिखाई दिये थे। इसी तरह पत्रकार विजय त्रिवेदी को विमान में दिये गये एक साक्षात्कार के दौरान भी वे सवाल से मुंह मोड़ते नजर आये और बार बार त्रिवेदी द्वारा प्रश्न पूछने के बावजूद वे सवालों की अनसुनी करते रहे। 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद से तो आजतक प्रधानमंत्री द्वारा एक भी संवाददाता सम्मलेन नहीं बुलाया गया। और यदि कुछ चुनिंदा गैर पत्रकारों को साक्षात्कार दिया भी गया तो उसकी प्रश्नावली न तो प्रधानमंत्री के स्तर से मेल खाती थी न ही देश इस तरह के सवालों को जानने में दिलचस्पी रखता कि मोदी जी आम काट कर खाते हैं या चूसकर और न ही इसमें कि मोदी जी में फकीरी कहाँ से आई? परन्तु देश निश्चित रूप से उन सवालों का जवाब जरूर जानना चाहता है जो विपक्ष द्वारा अडानी साम्राज्य के सत्ता संरक्षण में अर्श पर जाने और हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर सदन में पूछे गये हैं। सत्ता हासिल कर लेने या बहुमत प्राप्त करने का अर्थ यह हरगिज नहीं है कि विपक्ष के उन ज्वलंत सवालों से मुंह मोड़ लिया जाये जिन्हें लेकर संसद कई दिनों तक ठप्प रही ? वे सवाल निश्चित रूप से जवाब चाहते हैं जिनके चलते देश के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया व एल आई सी जैसे संस्थनों पर संकट खड़ा हो गया और जिसके चलते इन संस्थाओं के करोड़ों निवेशकों में संदेह, भय व चिंता पैदा हो गयी है।

संसद की कार्रवाई से राहुल गांधी के अडानी संबंधी किये गए सवालों को संसद की कार्रवाई से अलग करने से तकनीकी रूप से इन आरोपों से बचने की कोशिश की जा सकती है। प्रधानमंत्री इसी की आड़ लेकर जवाब देने से भी बच सकते हैं परन्तु भारत के प्रधानमंत्री व सरकार का इतने अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर खामोश रहना और सवालों का जवाब देने के बजाये इधर उधर की बातें कर देश की संसद को अपनी भाषण शैली के प्रदर्शन का स्थान मात्र मान लेना मुनासिब नहीं। इन्हीं परिस्थितियों पर मशहूर शायरा परवीन शाकिर की एक गजल का यह शेर कितना सटीक बैठता है कि- मैं सच कहूँगी मगर फिर भी हार जाऊंगी। वह झूठ बोलेगा और लाजवाब कर देगा।।

गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा जन औषधि केंद्र

जैसे-जैसे इस जनसरोकारी परियोजना की लोगों को जानकारी मिल रही है, जनता की आकांक्षाएं बढ़ती जा रही है। परिणामस्वरूप जिस अनुपात में इसकी मांग में इजाफा हुआ है, उस अनुपात में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना बीपीपीआई अधिकरियों के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में 9000 से अधिक जन औषधि केंद्र हैं। इन केंद्रों पर सस्ती कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इन केंद्रों पर सभी तरह की बीमारियों को कवर करने वाली 1759 तरह की दवाइयां और 280 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं। खास बात यह है कि यह दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 90 फीसदी तक सस्ती होती है। इसलिए केन्द्र सरकार ने मार्च 2024 तक जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 10, 000 करने का लक्ष्य रखा है। कोरोना काल में इस परियोजना का महत्व सबसे अधिक देखने को मिला है। इस महामारी की दूसरी लहर के दौरान दवा दुकानों में कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न कर दवाओं को दोगुने-तीगुने दामों पर बेचा जा रहा था।

राकेश कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से आम लोगों को ढ़ेर सारी उम्मीदें हैं। गरीबों के लिए यह योजना वरदान सावित हो रहा है। जैसे-जैसे इस जनसरोकारी परियोजना की लोगों को जानकारी मिल रही है, जनता की आकांक्षाएं बढ़ती जा रही है। परिणामस्वरूप जिस अनुपात में इसकी मांग में इजाफा हुआ है, उस अनुपात में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कराना बीपीपीआई अधिकरियों के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में 9000 से अधिक जन औषधि केंद्र हैं। इन केंद्रों पर सस्ती कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इन केंद्रों पर सभी तरह की बीमारियों को कवर करने वाली 1759 तरह की दवाइयां और 280 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं। खास बात यह है कि यह दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 90 फीसदी तक सस्ती होती है।

इसलिए केन्द्र सरकार ने मार्च 2024 तक जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 10, 000 करने का लक्ष्य रखा है। कोरोना काल में इस परियोजना का महत्व सबसे अधिक देखने को मिला है। इस महामारी की दूसरी लहर के दौरान दवा दुकानों में कृत्रिम अभाव की स्थिति उत्पन्न कर दवाओं को दोगुने-तीगुने दामों पर बेचा जा रहा था। उस समय प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र लोगों के लिए वरदान साबित हुआ। वास्तव में जन औषधि केंद्रों ने सस्ती दर पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवा उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री मोदी के सपने को साकार किया है। आज इस परियोजना के कारण देश के कोने-कोने में लोगों तक सस्ती दवा की आसान पहुंच सुनिश्चित हुई है। आज इस परियोजना के कारण देश के कोने-कोने में लोगों तक सस्ती दवा की आसान पहुंच सुनिश्चित हुई है।

बिहार में 320 जनऔषधि केन्द्र हैं। इनमें पटना, गया, मुजफ्फरपुर, मधुवनी, भागलपुर और मुंगेर के केन्द्र काफी अच्छी स्थिति में हैं। मुंगेर जिला मुख्यालय के सदर अस्पताल परिसर और जमालपुर के अलबर्ट रोड में यह केन्द्र संचालित है। तारापुर अनुमंडल में इस योजना के तहत एक और केन्द्र खोला जाना प्रस्तावित है। इस योजना की खासियत है कि यहां 50 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक दवाओं का मूल्य बाजार से कम होते हैं। मुंगेर में इस केन्द्र का उदघाटन तात्कालीन सिविल सर्जन डॉ पुरूषोत्तम कुमार ने 2 मार्च 2020 को किया था। इसके कुछ ही दिनों के बाद करोना का संकट बढ़ा, जिसके फलस्वरूप लॉक डाउन की स्थिति का लंबे अरसे तक सामना करना पड़ा। बावजूद इसके उस संकट के दौर में इस केन्द्र की निरंतरता कायम रही। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के बिहार प्रभारी कुमार पाठक मुंगेर के केन्द्र के निरीक्षण के क्रम में इसके कुशल संचालन की सराहना की। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तात्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी सचिन कुमार सिंह ने वर्चुअल मिटिंग में न सिर्फ मुंगेर के प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना केन्द्र की सराहना की, बल्कि प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाएं जेनरिक होती हैं यानि की दवाओं में प्रयोग होने वाली बेसिक सॉल्ट का प्रयोग कर दवाएं तैयार की जाती हैं। जेनरिक होने के कारण दवाएं सस्ती होती हैं लेकिन उतनी ही कारगर होती हैं, जितनी ब्रांडेड दवाएं होती हैं। लोगों के बीच यह धारणा गलत है कि जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता कम होती है। हम दवाओं की गुणवत्ता की जांच दो स्तर पर करते हैं। एक कंपनी के द्वारा और दूसरे एनएबीएल की लेबोरेटरी में जांच कराई जाती है। इस प्रक्रिया में एक हफ्ते का समय लगता है। पूरी जांच के बाद दवाओं को केन्द्रों पर भेजा जाता है। इनऔषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाएं जेनरिक होती हैं यानि की दवाओं में प्रयोग होने वाली बेसिक सॉल्ट का प्रयोग कर दवाएं तैयार की जाती हैं।

जेनरिक होने के कारण दवाएं सस्ती होती हैं लेकिन उतनी ही कारगर होती हैं, जितनी ब्रांडेड दवाएं होती हैं। लोगों के बीच यह धारणा गलत है कि जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता कम होती है। हम दवाओं की गुणवत्ता की जांच दो स्तर पर करते हैं। एक कंपनी के द्वारा और दूसरे एनएबीएल की लेबोरेटरी में जांच कराई जाती है। इस प्रक्रिया में एक हफ्ते का समय लगता है। पूरी जांच के बाद दवाओं को केन्द्रों पर भेजा जाता है। मौजूदा समय में जन औषधि केन्द्रों पर 900 प्रकार की दवाइयां और चिकित्सीय उपकरण उपलब्ध हैं। महिलाओं के लिए 1 रुपये में सेनेटरी नैपकिन भी इन केंद्रों पर मिल रहे हैं। 21 करोड़ से ज्यादा सेनेटरी नैपकिन की बिक्री ये दिखाती है कि जन औषधि केंद्र कितनी बड़ी संख्या में महिलाओं का जीवन आसान कर रहे हैं। इन सेनेटरी नैपकिन की गुणवत्ता अच्छी है। दर्द और बुखार में दी जाने वाली एंटीबॉयोटिक दवा एसिक्लोफेनाक (पैरासिटामॉल) की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत जन औषधि केंद्र में दस रुपये है, जबकि ब्रांडेड की कीमत 45 रुपये है। एंटीबॉयोटिक के रूप में अमोक्सिसिल्लिन-625 की कीमत औषधि केंद्र में छह गोली की स्ट्रिप 51 रुपये में मिलती है, जबकि ब्रांडेड की कीमत 160 रुपये है। शुगर में दी जाने वाली दवा ग्लिमेप्राइड एक एमजी की 10 गोली की कीमत औषधि केंद्र में चार रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 50 रुपये प्रति स्ट्रिप है। यही दवा दो एमजी में 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 5 रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 55 रुपये हो जाती है।

गैस में दी जाने वाली दवा पैंटोप्राजोल की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 22 रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 190 रुपये है। इसकी दूसरी दवा ओमीप्राजोल की कीमत औषधि केंद्र पर 10 रुपये है। जबकि बाजार में इसकी कीमत 70 रुपये हो जाती है। बीपी में दी जाने वाली दवा टेल्मीसार्टन-40 एमजी की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 12 रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 60 रुपये है। बीपी में ही टेल्मीसार्टन एच 40 एमजी की कीमत केंद्र में 17 रुपये है और बाजार में इसकी कीमत 120 रुपये है। इंसुलिन 340 रुपएं में यहां उपलब्ध है। बाजार में 1000 रुपए कीमत है। प्रोटेस्ट (पेशाब रुक-रुक कर आना) की दवा टैमसुलोसिन 0.4 औषधि केंद्र पर 20 रुपये में 10 गोली मिलती है। दवा बाजार में 150 रुपये में मिलती है। टैमसुलोसिन 0.4 डस्टाराइड की 15 गोली की स्ट्रिप औषधि केंद्र पर 26 रुपये में मिलती है। बाजार में यही दवा 400 रुपये में मिल रही है।

दाद की क्रीम और दवा में भी काफी अंतर है। इट्राकोनाजोल चार गोली की स्ट्रिप 35 रुपये है। बाजार में यह 80 रुपये में मिलती है। लुलीकोनाजोल 10 ग्राम की कीमत जेनेरिक में 22 रुपये है। जबकि ब्रांडेड में यह 150-170 रुपये में मिल रही है। सेनेटरी नैपकिन यहां दस में दस पीस मिलती है। बाजार में इसकी कीमत काफी है। मुंगेर सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ.रमण का मानना है कि जन औषधि की दवाएं कारगार होती है। ब्रांडेड दवाओं की तरह वह भी काम करती है। फर्क इतना है कि ब्रांडेड दवाओं की मार्केटिंग ज्यादा होती है। इसलिए लोगों को लगता है कि वह दवा ज्यादा कारगार है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: इसमें निहित है समतामूलक समाज की स्थापना

डॉ उमा शाह

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी शिक्षा और संस्कृति से होती है। जीडीपी तो घटती बढ़ती रहती है। सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक विकास का समन्वय एक देश के लिए जरूरी भी है। भारत विविधताओं वाला देश है, इसमें कई जातीय समूह हैं, ऐसा आज तक भारतीय शिक्षा में पढ़ाया जाता रहा है और साथ ही साथ यह भी बताया जाता रहा है कि भारत एक विकासशील देश है। यहां उल्लेखित तीनों विशेषताओं (तथाकथित) को आज तक इस प्रकार महिमामंडित किया गया था कि वरिष्ठ पत्रकार तवलीन सिंह अपने एक आलेख में लिखती हैं कि जब से नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री, बने हैं, विकसित देशों की विकास में रुचि बढ़ गई है।

इसलिए कि मोदी शायद पहले प्रधानमंत्री रहे हैं अपने महान देश के जिन्होंने विकसित बनने के सपने न सिर्फ दिखाए हैं हमको, साथ में ये भी बार-बार कहा है कि हम कुछ ही सालों में विकसित देशों की गिनती में आ जाएंगे। ऐसा करके मोदी ने देशवासियों को एक नया रास्ता दिखाया है। वो आगे यह भी लिखती हैं कि पहले हमारे शासक हमारी गरीबी पर नाज करते थे। जब कोई विदेशी आलोचक जिक्र करता था भारत की असफलताओं का तो हमारे राजनेता और आला अधिकारी अकड़ कर जवाब दिया करते थे कि भारत गरीब देश है, इसलिए उसकी तुलना किसी विकसित देश से नहीं की जा सकती है। यहां इस लेख का उद्देश्य तवलीन सिंह को कोट करके उनकी लेखन की प्रशंसा करना या माननीय प्रधानमंत्री जी का महिमामंडल करना बिल्कुल नहीं है, बस यह समझाना है कि आज तक हमारी शिक्षा व्यवस्था इस प्रकार रही कि ह्लभारत के लोग गरीब हैं और गरीब ही रहें, ह्ल यही सत्य बना रहे। पिछले 70 सालों तक भारत में रोजगार का अर्थ बस सरकारी नौकरी और शिक्षा का उद्देश्य भी नौकरी करना सिखाना रहा है। इसके लिए पुरानी शिक्षा नीति मानस नहीं बना पाई और एक बौद्धिक जुगाली करने वाली भारी संख्या में बेरोजगार युवाओं की भीड़ खड़ा करती रही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ऐसे लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ती है जिससे भारत देश के किसी भी बच्चे के सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों में उसकी जन्म या पृष्ठभूमि से संबंधित परिस्थिति बाधक न बन पाए। यह नीति इस बात की पुनः पुष्टि करती है कि स्कूली शिक्षा में पहुंच, सहभागिता और अधिगम परिणामों में सामाजिक श्रेणी के अंतरालों को दूर करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है। इस बार गणतंत्र दिवस की झांकी को देखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित समतमूलक समाज की सहज अनुभूति हुई जहां पहली बार एकलव्य और बिरसा मुंडा की प्रतिमा झांकी में शामिल हुई और इस गणतंत्र दिवस समारोह में पहली बार किसी जनजातीय महिला राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा के ये संदेश दे दिया कि देश में समता कौन ला रहे हैं और कौन केवल भारत घूम घूम के बस नारे लगा रहे हैं। मोदी सरकार देश के इतिहास की पहली सरकार है जिसने सबका साथ और सबका विकास न सिर्फ कहा बल्कि कर के भी दिखाया समता राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अवधारणा में निहित है

संक्षिप्त खबरें

वीरेन्द्र जिलाध्यक्ष व अमरनाथ जिलामंत्री निर्वाचित

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ पाण्डेय गुट की जिला कार्यकारिणी का चुनाव कार्यक्रम राजकरण इण्टर कॉलेज में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह और जिला महामंत्री अमरनाथ सिंह वर्ष 2023-24 के लिए पुनः निर्वाचित हुए। मण्डलीय मंत्री व चुनाव अधिकारी उदय नारायण तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न चुनाव के दौरान जिला कोषाध्यक्ष दिनेश चंद्र, महिला उपाध्यक्ष रंजना यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. सतीश सिंह, जिला उपाध्यक्ष उमा शंकर शुक्ल, डॉ. रंजीत, पंकज पाल, सर्वेंद्र विक्रम सिंह, महिला जिला सचिव डॉ. जयंती, जिला सचिव सुरेश सिंह, विजय कीर्ति भूषण, आशीष सिंह, दया शंकर, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, जिला संगठन मंत्री रणधीर सिंह, महिला जिला संगठन मंत्री शिरदा सिंह, जिला संयुक्त मंत्री गोपाल निर्वाचित हुए। इसके अलावा अरविंद गुप्त नगर अध्यक्ष, अक्षतेशवर प्रसाद दुबे नगर मंत्री, जिला कार्यकारी अध्यक्ष तहसीलदार सिंह, सह मीडिया प्रभारी प्रेम जी आनन्द एवं कार्यकारिणी के सदस्य जय प्रकाश चौरसिया, चन्द्र कमल वर्मा, राम सूरत तिवारी, जय शंकर त्रिपाठी, स्वामी प्रसाद मिश्र, स्वामी नाथ, राम सिंह, सुशील सिंह, तहसील अध्यक्ष सदर अनिल मिश्र, तहसील अध्यक्ष मिल्कीपुर मनोज कुमार, तहसील अध्यक्ष बीकापुर भोपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष सोहावल ओम प्रकाश वर्मा व तहसील अध्यक्ष रुदौली अंजनी कुमार यादव चुने गये।

युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी

सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दयालखेडा गांव के पास से होकर गुजरी लखनऊ कानपुर रेलवे लाइन पर रविवार दोपहर युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सदर कोतवाली के कोतवाली के मगरवारा गांव में किराए के मकान में रहने वाले दीपक की बड़ी बेटी पूजा किसी बात से नाराज होकर दोपहर घर से निकली। दयालखेड़ा रेलवे क्रॉसिंग के पास डाउन लाइन पर आ रही ग्वालियर बरौनी एक्सप्रेस के आगे कूदकर उसने जान दे दी। लोको पायलट ने घटना की जानकारी स्टेशन मास्टर को दी। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस आरपीएफ ने ट्रक से हटवाया। इसके बाद मगरवारा चौकी प्रभारी ने पंचायत नामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के पिता दीपक ने बताया कि वह मूल रूप से कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के मुंडेरा गांव का रहने वाला है। वह यहां तकरीबन 25 वर्षों से किराए के मकान में पत्नी अनीता बच्चों अंजनी, कृष्णा और पूजा के साथ रह रहा था। इसी क्षेत्र में फैब्रिक फैक्ट्री में काम कर परिवार का भरण पोषण करता है। मृतका के परिजन आत्महत्या के पीछे कारण नहीं बता सकते हैं। वह तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी मौत पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

ऑटो पलटने से तीन घायल एक की मौत

रविवार को एक एक ऑटो इटावा से सवारियां लेकर फिरोजाबाद आ रहा था। ऑटो में चार सवारियां थी। ऑटो चालक सिरसागंज क्षेत्र के सोथरा चौराहा पर पहुंचा था, तभी चालक ने संतुलन खो दिया। ऑटो असंतुलित होकर हाईवे पर पलट गया। हादसा होते ही आसपास के लोग एकत्रित हो गए। सूचना पर सिरसागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस बीच ग्रामीणों ने ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस घायलों को उपचार के लिए शिकोहाबाद सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची। यहां दो लोगों को भर्ती कर लिया गया। जबकि दो युवकों की हालत गंभीर होने पर फिरोजाबाद सरकारी ट्रामा सेंटर भेजा। यहां एक युवक ने दम तोड़ दिया। जिसकी उम्र करीब 30 साल बताई गई है। वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार को आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा रेफर किया गया युवक 25 साल का है। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाने के साथ ही उसकी पहचान को प्रयास शुरू कर दिए हैं।

तेज गति से आगे बढ़ रहा यूपी, अब इसे कोई नहीं रोक सकता : पीयूष गोयल

लखनऊ, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेज गति से आगे बढ़ रहा है और अब इसे कोई नहीं रोक सकता है। रविवार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 में ह्लआबाकारी और चीनी उद्योगह्व में अवसर विषय पर आयोजित सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश नीतियों की जमकर तारीफ की और अन्य राज्यों को भी यूपी से सीख लेने की नसीहत दी। कहा, जिस तरह प्रदेश सरकार ने टैक्स चोरी रोकी है, उसका अनुसरण दूसरे राज्य भी करें। पीयूष गोयल ने कहा कि 2017 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व व गृह मंत्री की सलाह पर भू, खनन और शराब माफियाओं पर प्रहार कर उत्तर प्रदेश के विकास की नींव रखी गई थी। आज उत्तर प्रदेश में उद्योगों और उद्यमियों का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित है। नतीजा भी दिख रहा है। पिछले छह वर्षों में कोविड के बावजूद भी यूपी का एक्साइज कलेक्शन 14500 करोड़ रुपये से बढ़कर 42500 करोड़ रुपये हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार से दशकों तक यूपी आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उप्र दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। स्टार्ट अप इंडिया की रैंकिंग में भी यूपी अब लीडर बन चुका है। छह साल में यहां आठ हजार से ज्यादा स्टार्टअप खुल चुके हैं। उन्होंने कहा कि जो नीतियां यूपी सरकार ने बनाई हैं, उन्हें नेशनल सिंगल विंडो में भी जोड़ें, ताकि दूसरे राज्य इसका लाभ ले सकें। औद्योगिक विकास हमारा लक्ष्यः नितिन अग्रवाल आबकारी एवं मद्य निषेध मंत्री नितिन अग्रवाल ने औद्योगिक विकास के प्रदेश सरकार के लक्ष्य को निवेशकों से साझा करते हुए बताया कि निवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की गई है। हमारा विभाग राजस्व बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यूपी के बजट में करीब सात प्रतिशत हिस्सेदारी आबकारी की है। हमने नई नीति जारी की है और पहली बार इससे किसानों को जोड़ा गया है। लोकल फ्रूट के इस्तेमाल से वाइन इंडस्ट्री लगाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने कहा कि यूपी अकेला राज्य है जो देश का 14 से 15 प्रतिशत एथेनपाल ब्लेंड कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें समिट के माध्यम से 25 हजार करोड़ का निवेश जुटाने का लक्ष्य मिला था और हमने अब तक 32 हजार करोड़ के एमओयू किए हैं। 600 करोड़ के निवेश से यूनिट लगाएगा रेडिको खेतान रेडिको खेतान के सीओओ अमर सिन्हा ने उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बताया। कहा, यहां 30 दिन में इंडस्ट्री शुरू करने के लिए लाइसेंस मिल जाता है। उन्होंने बताया कि हम 600 करोड़ रुपये के निवेश से यूपी में अपनी दूसरी यूनिट सीतापुर में शुरू करने जा रहे हैं। इस यूनिट से इसी वर्ष प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। वैलाप ब्रूइंग के एमडी विनीत चोपड़ा ने बताया कि उनके बेटे ने भी यूपी में बियर यूनिट लगाने के लिए एमओयू किया है।

शिव प्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाए जाने पर भाजपाइयों ने बांटी मिठाई

शिवप्रताप के राज्यपाल बनने से भाजपाईयों में खुशी

पूर्व केंद्रीय मंत्री व देवरिया नगर पालिका के प्रभारी शिवप्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाए जाने पर भाजपा नगर मण्डल के कार्यकताओं ने गायत्री मंदिर परिसर में मिठाई बांटकर खुशी मनायी। इस दौरान नगर अध्यक्ष भाजपा संजय पाण्डेय ने कहा कि कार्यकताओं को सम्मान देने का काम अगर कोई पार्टी करती है तो केवल भारतीय जनता पार्टी करती है। आज विद्यार्थी परिषद से अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले एक छोटे से कार्यकर्ता को जिन्होंने भाजपा में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनने से हम सभी को खुशी है। नगर अध्यक्ष ने कहा कि हमारी खुशी इस मायने में और भी अधिक है कि निकाय चुनाव की दृष्टि से पार्टी ने उन्हें देवरिया नगर पालिका का प्रभारी बनाया था, इधर कुछ समय से रोज उनसे बात होती थी। विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन मिलता था, आज जब हम सभी को उनके राज्यपाल बनने की जानकारी मिली तो सभी कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। वही सांसद डा. रमापतिराम त्रिपाठी, सांसद रविन्द्र कुशवाहा, कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, पूर्व राज्य मंत्री विधायक जयप्रकाश निषाद, विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, विधायक दीपक मिश्र, विधायक सभा कुअर, एमएलसी डॉ.रतन पाल सिंह, जिलाध्यक्ष अन्तयार्मी सिंह, जिला प्रभारी सुनील गुप्ता, निवर्तमान नपाध्यक्ष अलका सिंह, पूर्व एमएलसी महेन्द्र यादव, विजय बहादुर दूबे, मारकंडेय शाही, विजय कुमार दूबे, निशिरंजन तिवारी, अरुण सिंह, राजेश कुमार मिश्र, बलराम उपाध्याय, रामदास मिश्र, नवीन सिंह आदि ने भी पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवप्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल बनाये जाने पर खुशी व्यक्त किया। इस दौरान मीडिया प्रभारी भाजपा अम्बिकेश पाण्डेय, सतेन्द्र मणि त्रिपाठी, अजय सिंह, दुर्गेशनाथ त्रिपाठी, रूपम पाण्डेय, एजाज अहमद, रवि पाण्डेय, मिथिलेश मिश्र मौजूद रहे।

कोविड काल से हार्ट अटैक के मरीजों में छह फीसद की हुई बढ़ोतरी : डॉ. प्रकाश कुमार

लखनऊ, एजेंसी

कोविड काल के बाद से हृदय रोग के अस्पतालों में हार्ट अटैक से संबंधित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। हाल ही में सर्दी के दिनों में तो इसमें बहुत तेजी आई और कोविड काल से अब तक का आंकड़ा अगर देखा जाये तो हार्ट अटैक के मरीजों में छह फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह माना जा रहा है कि कोरोना संक्रमण हृदय की धमनियों में खराबी पैदा कर दी है। इसके साथ ही कोविड का कोई न कोई वैरिएंट कम्युनिटी में फैला हुआ है। इसके अलावा युवाओं को अब दिल की बीमारी होने लगी है। इसके लिए पहले से एहतियात बरता जाना जरूरी है। लोग तंबाकू का सेवन न करें। योग, प्राणायाम नियमित करें और संगीत सुनें। इसके साथ ही खानपान पर ध्यान रखें जिससे बीमारी पनपने न पाए। यह बातें कानपुर में कार्डियोलॉजी और कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के वार्षिक सेमिनार कार्डिकॉन 2023 के आयोजन पर रांची से आए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश कुमार ने कही। डॉ. राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रांची के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विनीत महाजन ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी से सटीक ऑपरेशन होता है। इसके साथ ही हाईब्रिड सर्जरी भी होने लगी है। इसमें हार्ट सर्जन और कार्डियोलॉजिस्ट दोनों साथ रहते हैं। इससे रोगी को अस्पताल में कम रुकना पड़ता है। इसके साथ ही रोगी की लाइफ क्वालिटी अच्छी रहती है। अभी रोबोटिक सर्जरी में बंगलूरू सबसे आगे हैं लेकिन यह दूसरे शहरों में भी शुरू हो रही है। जब अधिक स्थानों पर यह सर्जरी होने लगेगी तो रेट कम हो जाएंगे। हार्ट सर्जन डॉ.प्रकाश कुमार ने बताया कि स्कूल से ही बच्चों में तनाव का स्तर काफी ज्यादा बढ़ता जा रहा है। दूसरा उनकी लाइफ स्टाइल बिगड़ गई है। सेहतमंद खाने की बजाय बाहर के फास्ट फूड को अधिक व पसंद कर रहे हैं। सबसे खास बात है कि बच्चे किसी तरह की शारीरिक मेहनत नहीं कर रहे हैं। यही बच्चे बढ़े होकर जिम में काफी वर्कआउट करते हैं। इसकी के चलते हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। मुंबई के बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रीनिवास एल. ने बताया कि कोरोना काल के बाद बच्चों में जापान की कावासाकी बीमारी की तरह नया रोग हो रहा है। यह हृदय भी खराब करता है। इसका नाम एमआईएससी (मल्टी इन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम इन चिल्ड्रेन) रखा गया है। इसका कारण पता नहीं है। वर्ष 2020 से देश के मेट्रो शहरों में यह फैल रहा है। कोविड ठीक होने के डेढ़ महीने के बाद यह रोग ज्यादातर बच्चों को हुआ है। इसमें बुखार आता है। लाल चकत्ते, हाथों के जोड़ों में सूजन, जुबान में लाली और होठों पर लाली, सूजन आती है। इससे हृदय की धमनी में मोटापन आ जाता है। इलाज न करने पर हार्ट अटैक हो सकता है। समय से इलाज से रोग को नियंत्रित कर लिया जाता है। फरीदाबाद में अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस डॉ. राधाकृष्ण ने बताया कि बच्चों में दिल का छेद समेत अन्य समस्याएं काफी बढ़ गई हैं। सभी मामलों में सर्जरी की जरूरत नहीं होती है। केवल दवाओं के इस्तेमाल से समस्या सही हो जाती है। बच्चों में ज्यादातर दिल के छेद की समस्या होती है। इस दौरान हृदय रोग संस्थान कानपुर के निदेशक डॉ. विनय कृष्ण, विभागाध्यक्ष कार्डियोलॉजी डॉ. रमेश ठाकुर, विभागाध्यक्ष कार्डियक सर्जरी डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. उमेश्वर पांडेय आदि मौजूद रहे।

जैव उर्वरकों का प्रयोग कर दलहनी फसलों में कमाएं अधिक लाभ : डॉ. खलील खान

दलहनी फसलें उत्तर प्रदेश में अच्छी मात्रा में बोई जाती हैं और बाजार में इसके अच्छे दाम भी मिलते हैं। किसानों को चाहिए कि जैविक खाद का प्रयोग कर दलहनी फसलों पर अधिक लाभ कमाएं। दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। यह बातें रविवार को सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कही। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश में विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी सवाई विकासखंड मैथा में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर एके श्रीवास्तव ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। डॉ. अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसानों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीकियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान जयपाल सिंह यादव ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं औरअपनी आय में बढ़ोत्तरी करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषक रामसेवक कश्यप, राम सजीवन कुशवाहा, शिवनारायण पाल, रमेश चंद्र मिश्रा, राजा चौरसिया एवं कामता मिश्रा सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

भारतीय जीवनमूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने में मातृशक्ति का अहम योगदान : वीरेश्वर द्विवेदी

लखनऊ, एजेंसी

भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से कुटुंब प्रबोधन, लखनऊ की ओर से रविवार को एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन लखनऊ स्थित सक्सेना इंटर कॉलेज में की गयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेश्वर द्विवेदी ने कहा कि प्राचीन संस्कृति और भारतीय जीवन मूल्यों को, अगली पीढ़ी तक सही तरीके से पहुंचाने में मातृशक्ति का सबसे अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारे मानबिन्दु और परम्पराएं क्या हैं? हमको पता होना चाहिए। अपने मानबिन्दुओं के प्रति श्रद्धा व अपनी परम्पराओं का पालन अगर हम करेंगे तो बच्चे भी सीखेंगे। वीरेश्वर जी ने कहा कि बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर टू यू टू यू के स्थान पर शुभ जन्मदिनं तुभ्यं बोलना चाहिए। एनी बेसेन्ट ने कहा था कि बिना हिन्दुत्व के भारत का भविष्य नहीं है। हिन्दू ही अगर हिन्दुत्व को नहीं बचायेंगे तो हिन्दुत्व की रक्षा कौन करेगा। स्वयं भारत ही भारत को बचा सकता है। समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रवादी नेता थे। लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला शुरू कराया था। लोहिया ने कहा था कि हे भारत माता हमें शिव का मस्तिष्क और भगवान राम व श्रीकृष्ण का कर्म व वचन दो। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल ने कहा कि परिवार ही परंपराओं के सबसे बड़े संवाहक हैं। पहला कुटुंब आपका देश है और दूसरा कुटुंब आपका समाज। श्री शुक्ल ने कहा कि बच्चों को मयार्दा और अनुशासन सिखाना अभिभावकों की अहम जिम्मेदारी है साथ ही महापुरुषों की प्रेरक कथाओं को तार्किक तौर पर अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की भी जरूरत है। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. ए.पी. तिवारी ने कहा कि बच्चों को सही शिक्षा के द्वारा, परंपराओं से जोड़ते हुए, प्रगति पथ पर ले जाने में, विद्यालयों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए, छोटे-छोटे प्रयासों की अहम भूमिका होती है। यदि व्यक्ति अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करता है तो परिणाम की व्यापकता सुनिश्चित हो जाती है। कुटुंब प्रबोधन लखनऊ के अध्यक्ष प्रो.देवदत्त शर्मा ने बताया कि, सामाजिक जागरूकता हेतु संगठन सतत, समाज के विविध क्षेत्रों में अपना योगदान कर रहा है। उपाध्यक्ष धनंजय गुप्ता ने भारतीयता के प्रचार-प्रसार को राष्ट्र की अहम जरूरत बताया। संगठन से जुड़े आगामी कार्यक्रमों के विषय में उपाध्यक्ष हेमेंद्र शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी। संचार विशेषज्ञ मीनाक्षी दीक्षित ने इस कार्यक्रम को व्यापक रूप से आमजन तक ले जाने के विविध तरीकों और परिणामों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री संजय सिंह और धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कमलेश कुमार पांडेय द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत, संगठन के कोषाध्यक्ष पंकज सक्सेना ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ महामाया दत्त पराशर और उनके शिष्यों ने मंगलाचरण के साथ की, वहीं समापन विद्यालय की छात्राओं द्वारा वन्देमातरम के गान के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजीव कुमार, भारती पाण्डेय, मंजुला उपाध्याय, राजकरन सिंह, प्रदीप पाण्डेय, नेहा रस्तोगी, सुनीता पांडेय, शरद मिश्र, दिलीप कुमार शर्मा, शशि दुबे, राज स्मृति, विनोद यादव, राम लखन यादव, कुलदीप पांडेय, नवीन अवस्थी, अंतिमा अवस्थी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं मौजूद

देश को स्पोर्ट्स का सुपर पावर बनाना पीएम की मंशा : अनुराग ठाकुर

लखनऊ, एजेंसी

विश्व की सर्वाधिक आबादी एवं युवा की संख्या के अनुसार भारत दुनियां का स्पोर्ट्स सुपर पावर बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह मंशा है। इसे संभव बनाने में यूपी की भूमिका गेम चेंजर की होगी। इसके लिए डबल इंजन की सरकार शिद्दत से लगी है। ये बातें केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वन्त्र प्रभार) अनुराग ठाकुर ने कही। वह रविवार को यहां लखनऊ में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हार्नेशिंग अपॉरचुनिटीस इन स्पोर्ट्स सत्र के मुख्य अतिथि थे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 8 साल देश के स्पोर्ट्स का बजट तीन गुना बढ़ गया। खेलो इंडिया जैसी नीतियों और प्रधानमंत्री द्वारा खेल के हर महत्वपूर्ण आयोजन में जाने वाले खिलाड़ियों से संवाद, प्रोत्साहन का नतीजा दिखने लगा है। हमारे खिलाड़ी विश्व स्तर पर उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयास काबिले तारीफ है। वह देश के इकलौते मुख्यमंत्री हैं जो सिर्फ अपने प्रदेश के ही नहीं पूरे देश के खिलाड़यों की हौसला अफजाई करते हैं। उनको सम्मान देते हैं। कुश्ती एवं बैडमिंटन को गोद लेकर उन्होंने खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की। वह कॉरपोरेट एवं निजी सेक्टर्स के जरिए खेल से संबंधित बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि हमें इन सुविधाओं के निर्माण में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता का भी ध्यान रखना होगा। हर काम के लिए डेटलाइन तय करनी होगी। उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने प्रदेश सरकार की ओर से खिलाड़ियों एवं खेल के लिए जिन बुनियादी सुविधाओं पर काम चल रहा है उनका जिक्र किया। साथ ही खेल से समर्पण, सामूहिकता, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य एवं भाईचारा की भावना से किस तरह बेहतर समाज एवं देश बनता है इसका भी उल्लेख किया। अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने कहा यूपी की 56 फीसद आबादी युवा है। इसी पर फोकस करते हुए हम गाँव-गाँव पहुंच रहे हैं। 30 हजार गावों में स्टेडियम बन चुके हैं। कैच डेम यंग की नीति के तहत बचपन से ही टैलेंट की पहचान, उनको ट्रेनिंग, और बेहतर बुनियादी सुविधाओं के लिए कारपोरेट एवं निजी सेक्टर की भी मदद ले रहे हैं। इस मौके पर ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा, द्रोण (मोटो जीपी) के मुख्य रणनीतिक अधिकारी कार्लोस, क्रिकेटर सुरेश रैना, यूरोपियन बिजनेस एंड टेक्नॉलजी सेंटर के मैनेजिंग डायरेक्टर पॉल जेनसेन, एचसीएल फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट ग्लोबल सीएसआर डॉ. निधि पुंढीर, ट्रांस्टेडिया के संस्थापक उदित शाह, ब्रिटिश हाई कमीशन के राजनीतिक मामलों के मुखिया रिचर्ड बार्लो, रग्बी इंडिया के सीईओ नसीर हुसैन, इंस्पायर इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट के सीईओ रुश्दी वारले और बास्केटबॉल खिलाड़ी यांचिक सहित अनेक लोगों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

अयोध्याः रालोद कार्यकताओं ने पार्टी संस्थापक को किया याद

राष्ट्रीय लोकदल के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह की 84 वीं जयंती पर कार्यकताओं ने पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही गोष्ठी का आयोजन कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के अंजना में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए अवध क्षेत्र अध्यक्ष चौधरी राम सिंह पटेल ने कहा कि कृषि मंत्री रहते चौधरी अजित सिंह ने प्रदेश में तमाम चीनी मिलों की स्थापना कराई। जिले का बीज विधायन केंद्र मसौधा, हवाई अड्डा उन्हीं की देन है। संस्थापक की जयंती को लेकर 29 फरवरी तक सरकार की कमियां हजार, राष्ट्रीय लोकदल चला जनता के द्वार के तहत जागरण समरसता अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत गांव में चौपाल लगाकर किसानों से गन्ना मूल्य की घोषणा, छुट्टा पुश समेत अन्य किसान समस्याओं पर संवाद होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान नंद कुमार यादव व संचालन निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामशंकर वर्मा ने किया। एससी-एसटी प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष बेचूलाल ज्ञान, करिया राम वर्मा, राम कुमार सिंह, सुग्रीव मौर्य, वीरेंद्र पांडेय, अशोक तिवारी, श्रीनाथ कोरी, रामभरत निषाद, मीरा देवी, नीलम समेत अन्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश की फिल्म पॉलिसी में फिल्म मेकर्स के लिए कई तरह की संभावनाएंः अनुराग ठाकुर

लखनऊ, एजेंसी

दुनिया भर के फिल्म मेकर्स अपने फिल्म के निर्माण के बाद पोस्ट प्रोडक्शन के लिए भारत आते हैं। कोई मुंबई आता है, कोई चेन्नई तो कोई हैदराबाद। यूपी में जब फिल्म सिटी की शुरूआत हो जाएगी तो उन्हें उत्तर प्रदेश आने से भी कोई नहीं रोक सकता। यूपी की फिल्म पॉलिसी दिखाती है कि यदि आप यहां फिल्म बनाएंगे तो आपको कई तरह की छूट प्राप्त होंगी। कौन सा ऐसा क्षेत्र है जहां योगी जी ने कमी छोड़ी हो। मैं तो कहता हूं फिल्म वालों कहीं अगली दुनिया दिखती है तो उत्तर प्रदेश में ही बनती दिखती है। जहां सरकार आपका हाथ पकड़कर चलने को तैयार है तो आपको पीछे नहीं जाना चाहिए। ये बातें रविवार को भारत सरकार के इनफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्ट मिनिस्टर अनुराग ठाकुर ने लखनऊ में आयोजित यूपीजीआईएस में ह्यमीडिया एंड एंटरटेनमेंटः द इंडियन डिजिटल ग्रोथ स्टोरीह्व सेशन के दौरान कहीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री को यूपी सरकार के द्वारा उपहार स्वरूप ओडीओपी दिया गया। स्पोर्ट्स और सिनेमा को बढ़ावा दे रहा उत्तर प्रदेश अनुराग ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है जिसने खेलों को भी और सिनेमा को भी बढ़ावा दिया है। इसके लिए सीएम योगी को बहुत बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आगाज इतना जोरदार हुआ है कि शायद ही देश के किसी अन्य राज्य में पहले कभी 33 लाख करोड़ के निवेश की बात हुई हो। उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनने का लक्ष्य रखा है। इसका मतलब ये है कि उत्तर प्रदेश, देश की कुल इकॉनमी का पांचवां हिस्सा योगदान करने वाला है। यहां हर सेक्टर में निवेश आएगा, लेकिन सही मायनों में स्पोर्ट्स और सिनेमा दो सेक्टर ऐसे हैं जो देश की सीमाओं को तोड़कर दुनिया के किसी भी हिस्से में जाकर दिल जीतने का काम करते हैं और तिरंगा फहराते हैं। खिलाड़ी जीतता है तो राष्ट्रगान भी बजता है और तिरंगा भी फहराया जाता है। वहीं कभी रीजनल फिल्म आरआरआर की तरह बने तो रीजनल से नेशनल और इंटरनेशनल बनते समय नहीं लगता है। ये क्षेत्र ऐसा है जिसकी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी और वेब सिरीज को भी जल्द मिलेगा अनुदानः अवनीश अवस्थी मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में फिल्म पॉलिसी को मजबूती से लागू किया है। फिल्मों के निर्माण पर 2 से ढाई लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है। फिल्मों के साथ-साथ लैब के गठन, प्रॉसेस और प्रशिक्षण के लिए भी अनुदान दिया जाएगा। यही नहीं, मुंबई में मिले सुझावों के आधार पर हम वेब सिरीज, ओटीटी को भी अनुदान देने पर विचार कर रहे हैं। नोएडा में 1000 एकड़ में फिल्म सिटी प्रस्तावित है। एक या दो महीने में इसकी बिड का काम फाइनल हो जाएगा। उत्तर प्रदेश में 400 से अधिक फिल्म निर्माण का रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया है। 20 से ज्यादा फिल्मों को हम 44 करोड़ रुपए का अनुदान दे चुके हैं। जैसे टूरिज्म में हम कहते हैं उसी तरह फिल्मों के लिए भी यह कहा जा सकता है कि यूपी में निवेश नहीं किया तो क्या किया। सभी भाषाओं की फिल्में बनेंगी यूपी मेंः रवि किश

कारखाने की डकैती में वांछित एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

● पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

प्रात : किरण, संवाददाता

अफजलगढ़। पश्चिम बंगाल में एक प्लास्टिक कारखाने की डकैती में वांछित एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गौरतलब है कि 6 जनवरी 2023 को कुछ बदमाश पश्चिम बंगाल के जिला उत्तर 24 के थाना रोहणा के डागाभिला में स्थित एक प्लास्टिक कारखाने में घुस आए थे। हथियारों से लैस बदमाशों ने सुरक्षा कर्मी को बंधक बनाकर 34 लाख की डकैती की गयी थी। इस मामले में एक आरोपी वांछित चल रहा था। शनिवार को अफजलगढ़ सीओ सर्वम सिंह, कोतवाल मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में बंगाल पुलिस ने कस्बा अफजलगढ़ के मौहल्ला नेजो सराय में दबिश देकर शाहनवाज उर्फ शानू पुत्र शाकिर को उसके घर से धर दबोचा। पश्चिम बंगाल के एसआई इमरान विश्वास ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना रोहणा के अंतर्गत डागाभिला में एक प्लास्टिक कारखाने में कुछ बदमाशों ने एक सुरक्षा कर्मी को बंधक बनाकर 34 लाख की डकैती को अंजाम दिया था। जिसमे कुछ बदमाशों को पुलिस ने पहले ही जेल भेज दिया गया है। जिसमें बिजनौर जिले की कोतवाली अफजलगढ़ के मौहल्ला नेजो सराय निवासी शाहनावाज उर्फ शानू पुत्र शाकिर डकैती मामले में वांछित चल रहे थे। आरोपी को अफजलगढ़ पुलिस की मदद से उसके घर से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी को अपने साथ लेकर पश्चिम बंगाल को रवाना हो गई है। इस अवसर पर गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाल मनोज कुमार सिंह के आलावा कस्बा इंचार्ज अमित सिसोदिया, एसआई जीत सिंह पुंडीर, एसआई इमरान विश्वास तथा एएसआई देवाशीष सरकार आदि उपस्थित रहे।

पुलिस की हुई गौतस्करों से मुठभेड

-एक सिपाही व तस्कर जख्मी

बिजनौर। शनिवार को स्थानीय मौहल्ला मिर्दगान स्थित खस्सों के एक मकान में पुलिस की गौतस्करों से मुठभेड हो गयी। गोलीबारी में एक सिपाही व एक तस्कर घायल हो गये। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तीनों गौ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को थाना शहर कोतवाली बिजनौर पुलिस को सूचना मिली थी कि मौहल्ला मिर्दगान में खस्सों में स्थित गुलाम साबिर के मकान में गौकशी हो रही है। सूचना मिलते ही शहर कोतवाल नरेन्द्र कुमार गौड व एसएसआई मीर हसन ने थाना पुलिस को अलर्ट किया और जाटान चैकी के पुलिसकर्मियों को साथ लेकर गुलाम साबिर के मकान पर छापा मारा। मकान के अंदर गौकशी होती मिली। पुलिस को देखकर गौकशी कर रहे गुलाम साबिर, याकूब व दानिश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाही में पुलिस टीम ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में सिपाही दुष्यंत के हाथ व दानिश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने घेराबंदी कर दानिश पुत्र मकसूद, गुलाम साबिर पुत्र महबूब व याकूब पुत्र भूरा उर्फ मंसूर को गिरफतार कर लिया। मुठभेड में घायल हुए सिपाही व गौतस्कर को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। एएसपी सिटी डा0 प्रवीण रंजन सिंह व सीओ सिटी अनिल कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायलों को देखा। एएसपी सिटी ने बताया कि मौके से करीब 110 किलोग्राम मीट, 315 बोर का तमंचा व गौकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद हुए हैं। इस गौकशी में महिलायें भी शामिल रही हैं।

पुलिस ने चार वांछितों को किया गिरफ्तार

स्योहारा। रविवार को थाना स्योहारा पुलिस द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 68/2023 धारा 147/323/324/ 325/336/308/ 504/506 भादवि 3(2)5क एससी/एसटी एक्ट के 04 वांछित अभियुक्तों जहूर आलम पुत्र बशारत हुसैन व तोहिद पुत्र बशारत तथा मोहम्मद रफत पुत्र हसरत तथा मौसम पुत्र संसार सिंह निवासीगण ग्राम हमनांगी थाना स्योहारा जनपद बिजनौर को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस ने दबोचे चार बदमाश

बिजनौर। रविवार को थाना बिजनौर पुलिस द्वारा 04 अभियक्तों मुफद पुत्र तौहिर हुसैन तथा आसिफ पुत्र अबुल हमीद निवासीगण बुढनपुर थाना स्योहारा तथा अभिषेक पुत्र नरेंद्र तथा पुखराज पुत्र मन्फुल निवासीगण बलनगि थाना स्योहारा को अर्न्तगत धारा 151 सीआरपीसी के अर्न्तगत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मूनसन फैक्ट्री के पास नाले में युवक की लाश मिली

बिजनौर। रामलीला ग्राउंड क्षेत्र में मूनसन फैक्ट्री के पास नाले में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गयी। मृतक मौ0 खत्रियान का रहने वाला दानिश था। वह पिछले कई दिनों से गायब था। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिये भेजकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब साढे सात बजे पालिका के सफाईकर्मी मूनसन फैक्ट्री के पास नाले की सफाई कर रहे थे। सफाई के दौरान उन्होंने नाले में लाश पडी देख। सूचना मिलने पर जाटान चैकी के पुलिसकर्मी व शहर कोतवाल नरेन्द्र कुमार गौड मौके पर पहुंचे और लाश को बाहर निकवाकर शिनाख्त करायी। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड लग गयी। लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। मृतक की शिनाख्त दानिश 23 वर्ष पुत्र रईस निवासी मौहल्ला खत्रियान बिजनौर में रूप में हुई पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिये भेजकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक दानिश नशे का आदी था। पुलिस ने बताया कि दानिश की मौत का सही कारण पीएम रिपोर्ट के बाद पता चलेगा लेकिन प्रथम दृष्टया लगता है कि दानिश नशे में नाले में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गयी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण के रूप में मनाई

बिजनौर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण के रूप मे मनाई मोहल्ला मिरदगान बिजनौर कार्यकर्ता मोहम्मद आमिर अहमद उर्फ गुड्डे के निवास पर पूर्व जिला अध्यक्ष वर्तमान मे प्रदेश कार्यसमिति सादस्सीय इरशाद अहमद एवं बिजनौर नगर मण्डल अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई कार्यकताओं ने दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया भाजपा नेता पूर्व जिला अध्यक्ष इरशाद अहमद ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय सच्चे राष्ट्रवादी थे उन्होंने सारा जीवन राष्ट्र सेवा में लगाया आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए आज के प्रोग्राम में उपस्थित कार्यकर्त्ता व पद अधिकारी मुस्ताक अहमद मालिक मोहम्मद तस्लीम नबील अहमद इकबाल अहमद आमिर अहमद उर्फ गुड्डे भाई मोहम्मद शांन्नू शमीम अहमद मोहम्मद फरीद लाइक खा मोहम्मद फरहान आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिलाओं व युवतियों को मिशन शक्ति के प्रति किया जागरूक

बिजनौर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

हैल्प डैस्क के प्रति चलाया अभियान

हल्दौर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

पुलिस ने किया पत्नी की हत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर। पुलिस ने पत्नी की हत्या कर फरार होने के आरोपी वांछित बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शेर सिंह पुत्र रामनाथ सिंह निवासी ग्राम सिसौना थाना हीमपुर दीपा जनपद बिजनौर द्वारा थाने में तहरीर दी गयी थी कि उसकी बहनह सविता उम्र 30 वर्ष की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व ओमपाल सैनी पुत्र लल्लू सिंह निवासी मौ0 नई बस्ती राजा का ताजपुर थाना नूरपुर के साथ हुई थी। ओमपाल सैनी शराब पीने का आदी है तथा शराब पीकर आये दिन उसकी बहन से मारपीट करता है जिससे घर में कलेश रहता है। गत 11 फरवरी 2023 को उसकी बहन सविता की घरेलू क्लेश के चलते मृत्यु हो गयी। तहरीर के आधार पर थाना नूरपुर पर मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसमें ओमपाल मृतका का पति पंजीकृत किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत को कारण गला घुटन से होना पाया गया। अभियोग में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर धारा 306 भादवि का लोप कर धारा 302 भादवि की वृद्धि की गयी तथा आरोपी अभियुक्त ओमपाल सैनी को रोडवेज बस स्टेण्ड नूरपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि एक विवाह समारोह में सका अपनी पत्नी से झगडा हुआ था तथा 11फरवरी 23 को प्रातः यह झगडा और अधिक गढ गया और गुस्से में आकर उसने उक्त घटना को अंजाम दिया।

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

अफजलगढ। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

मजनुओं को पुलिस ने सिखाया सबक

नहटौर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

आंध्र प्रदेश के नए राज्यपाल नियुक्त हुए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एस. अब्दुल नजीर

अमरावती, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज जस्टिस एस. अब्दुल नजीर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। वह अयोध्या जमीन विवाद केस और तीन तलाक केस में फैसला सुनाने वाली पीठ का हिस्सा रहे थे। बीते माह रिटायर हुए जस्टिस नजीर ने 2016 की नोटबंदी को वैध करार देने वाली पीठ का नेतृत्व किया था।

देश के 13 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को नए राज्यपाल मिल गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कुछ नए चेहरों को राज्यों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधि बनाकर भेजा है तो कुछ राज्यपालों का ट्रांसफर किया गया है। राष्ट्रपति भवन से जारी राज्यपाल के 13 नामों की लिस्ट में जो सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित कर रहा है, वो है- जस्टिस (रिटायर्ड) एस. अब्दुल नजीर का। जस्टिस एस. अब्दुल नजीर पिछले महीने ही सुप्रीम कोर्ट जज के पद से रिटायर हुए हैं।

जस्टिस नजीर अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद की सुनवाई करने वाले पांच जजों की पीठ का हिस्सा रह चुके हैं। सर्वोच्च न्यायालय की जिस पीठ ने 9 नवंबर, 2019 को अयोध्या विवाद का फैसला दिया था, जस्टिस नजीर उसके दूसरे सदस्य हैं जिन्हें रिटायरमेंट के बाद सरकारी नियुक्ति मिली है। जस्टिस नजीर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई को राज्यसभा सांसद बनाया जा चुका है। अब जस्टिस (रिटायर्ड) एस. अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

कौन हैं जस्टिस नजीर

जस्टिस एस. अब्दुल नजीर कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले के एक दूर-दराज गांव से आते हैं। नजीर ने बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था। स्कूली शिक्षा के दौर में ही पिता के निधन से पारिवारिक जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे होने के बावजूद नजीर ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने ग्रैजुएशन पूरा करने के बाद लॉ डिग्री ली और कर्नाटक की अदालतों में वकालत की प्रैक्टिस करने लगे। उन्होंने रिटायरमेंट के मौके पर आयोजित समारोह में एक बात कही थी जो किसी का दिल छू लेगी। उन्होंने कहा था कि वो चाहते तो अयोध्या विवाद में बाकी चार जजों के उलट अपनी राय रखकर अपने समुदाय का हीरो बन जाते, लेकिन उन्होंने देशहित को सर्वोपरि समझा। ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ में शामिल सभी पांचों जजों ने एकमत से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया था। जस्टिस नजीर तीन तलाक के खिलाफ फैसला देने वाली सुप्रीम कोर्ट बेंच के भी सदस्य रहे थे।

थिएटर का शौक, कानून का पेशा

एस. अब्दुल नजीर कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिला स्थित दूर-दराज के एक गांव में पैदा हुए थे। जब वो स्कूल में ही थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया जिससे उनके ऊपर परिवार का बोझ आ गया। लेकिन उन्होंने पढ़ाई नहीं छोड़ी। अब्दुल नजीर ने ग्रैजुएशन पूरा करके लॉ कॉलेज में एडमिशन ले लिया। वहां उन्होंने अपने एक शिक्षक की बात को अपने लिए प्रेरणा का वाक्य बना लिया। लॉ टीचर ने कहा था, अगर कोई कानून के पेशे में फिट नहीं बैठता है तो वो किसी पेशे में फिट नहीं बैठ सकता।

उन्होंने इसी वाक्य को दिल में सहेजकर कर्नाटक की अदालतों में वकालत करते रहे। लेकिन नजीर का एक और पैशन था- थिएटर। उन्होंने अपने पेशे को इस पैशन के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने नाटक लिखे, डायलॉग्स लिखे और अपने ही निर्देशन में खेले गए एक नाटक के मुख्य महिला गायिका की भूमिका भी निभाई। दरअसल, उस दौर में फीमेल सिंगर की भारी कमी होती थी। नजीर ने इस कमी को अपनी प्रतिभा से पाटा। जब वो जज बन गए, तो उन्हें पता चला कि महिला जजों की भी भारी कमी है।

2017 में सुप्रीम कोर्ट जज बने थे जस्टिस नजीर

सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन की तरफ से आयोजित विदाई कार्यक्रम में जस्टिस नजीर ने कहा, भारतीय न्यायपालिका लैंगिक असमानता से पीड़ित है। न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। जैसा कि (संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव) कॉफी अन्नान ने कहा कि विकास के लिए महिला सशक्तीकरण से बड़ा कोई और औजार नहीं हो सकता। जस्टिस नजीर वकालत शुरू करने के ठीक 20 वर्ष बाद 2003 में कर्नाटक हाई कोर्ट के जज नियुक्त हुए थे। वर्ष 2017 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। विदाई कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जस्टिस नजीर आम जन के जज हैं जो कानून की सभी शाखाओं के विशेषज्ञ हैं, खासकर दीवानी कानून में। एक जज के रूप में जस्टिस नजीर का आचरण उत्कृष्ट रहा।

संस्कृत श्लोक से बताया धर्म का महत्व

जस्टिस नजीर ने अपने विदाई भाषण का अंत एक संस्कृत श्लोक के साथ किया। उन्होंने कहा, धर्मो रक्षति रक्षितः। मतलब, धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि यह श्लोक एक जज के रूप में उनके करियर का मूल मंत्र रहा है। जस्टिस नजीर बोले, ह्यइस दुनिया में सब कुछ धर्म से ही स्थापित हुआ है। धर्म उसका विनाश कर देता है जो धर्म की हानि करते हैं। उसी तरह, धर्म उसका संरक्षण करता है जो धर्म को पोषित करते हैं। 13 राज्यपालों की ताजा लिस्ट में शिव प्रताप शुक्ल, लक्ष्मण आचार्य बनारस, गुलाबचंद्र कटारिया, लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक समेत कुछ अन्य शख्सियतों को पहली बार राज्यपाल बनाया गया है। इसी लिस्ट में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एस. अब्दुल नजीर भी शामिल हैं। वहीं, फागू चौहान, अनुसइया उइके, रमेश बैस आदि को एक राज्य से दूसरे राज्य में ट्रांसफर किया गया है। जस्टिस (रिटायर्ड) एस. अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है जहां वाएसआर कांग्रेस का शासन है और मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी हैं। केंद्र की सत्ता में आसीन बीजेपी की नजर दक्षिण राज्यों पर है। पार्टी आंध्र प्रदेश में भी अपनी संभावनाएं तलाश रही है। जस्टिस नजीर खुद दक्षिण के राज्य कर्नाटक से हैं, इस कारण बीजेपी को आंध्र प्रदेश में अपना मकसद साधने में आसानी हो सकती है।

कौशांबी में पुलिस मुठभेड़ के बाद दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

कौशांबी (उप्र), एजेंसी

बाराबंकी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र में विशेष अभियान समूह (एसओजी) व मंझनपुर तथा करारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम से हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया जबकि दूसरा बदमाश फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने घेराबंदी करके उसे भी पकड़ लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। कौशांबी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब तीन बजे गश्त के दौरान मंझनपुर थाना पुलिस व एसओजी टीम ने नसरुल्लापुर नहर रोड पर बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया, जिसके बाद दोनों व्यक्ति भागने लगे। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर निकटवर्ती करारी थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर उन दोनों को घेर लिया गया, लेकिन घेराबंदी देखकर दोनों ने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। एसपी ने कहा कि पुलिस की जवाबी गोलीबारी में एक बदमाश श्याम बाबू (30) के पैर में गोली लगी और दूसरा बदमाश रामबख्श (50) फरार हो गया। श्रीवास्तव ने बताया कि हालांकि कुछ समय बाद ही पुलिस ने घेराबंदी कर फरार बदमाश को भी पकड़ लिया। गिरफ्तार बदमाश गोंडा जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के दूल्हापुर गांव के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के पास से 27,400 रुपये तथा 315 बोर के दो तमंचे व कारतूस बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ बलरामपुर, गोंडा, अयोध्या प्रयागराज व कौशांबी जनपदों में दर्जनभर से अधिक लूट चोरी और जघन्य अपराधों के मुकदमे दर्ज हैं। एसपी ने कहा कि पूछताछ में दोनों बदमाशों ने कई वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की।

राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष कटारिया असम के नए राज्यपाल, नौ बार विधायक रहे

जयपुर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को असम का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। राष्ट्रपति की ओर से जारी आदेश में अन्य 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राज्यपाल, उपराज्यपाल बदले गए हैं। गुलाबचंद कटारिया राजस्थान भाजपा में सबसे वरिष्ठ नेता और विधायक हैं। वे नौ बार विधायक और एक बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं। कटारिया का जन्म उदयपुर में 13 अक्टूबर, 1944 को हुआ था। उनके परिवार में पांच पुत्रियां और पत्नी हैं। कटारिया 1977 में पहली बार विधायक चुने गए। 1980 से 1985, 1993 से 1998, 1998 से 2003, 2008 से 2013, 2013 से 2018 और 2018 से अभी तक

विधायक हैं। इसके अलावा 1989 से 1993 तक उदयपुर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। कटारिया दो बार नेता प्रतिपक्ष रहे हैं और दो बार वसुंधरा सरकार में गृहमंत्री भी रहे हैं। 2009 से 2013 तक भी गुलाबचंद कटारिया नेता प्रतिपक्ष रहे हैं और 2018 से अभी तक नेता प्रतिपक्ष के पद पर हैं। वो संगठन में भी विभिन्न पदों पर रहे हैं। कटारिया ने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय जनता युवा मोर्चा से की थी। कटारिया 1977 से 1980 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष चुके हैं। 1980 से 1985 तक राजस्थान भाजपा के सचिव, 1986 से 1993 तक राजस्थान भाजपा के महासचिव और 1999 से 2000 तक प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। गुलाबचंद कटारिया को राज्यपाल नियुक्त करने पर उदयपुर सहित प्रदेश भर में उनके प्रशंसकों और भाजपा नेताओं ने खुशी जताई है। कटारिया आरएसएस के स्वयंसेवक रहे, फिर जनसंघ में आए। कटारिया ने प्राइवेट स्कूल में शिक्षक से अपने करियर की शुरूआत की थी। स्कूल में पढ़ाने के दौरान ही संघ से जुड़ गए। आदिवासी क्षेत्रों में काम किया। स्कूल में शिक्षक रहने के दौरान 1975 में इमरजेंसी लगी तो कई दिन अंडरग्राउंड रहकर काम किया। इमरजेंसी में जेल भी गए। कटारिया पहली बार छठीं विधानसभा में विधायक बने।

दिवस सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक समाधान दिवस में फरियादियों द्वारा चार शिकायतें दर्ज करायी ...

समाधान दिवस के दौरान चार शिकायतें दर्ज करायी गयीं, दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया

प्रात : किरण, संवाददाता

अफजलगढ़। यहाँ कोतवाली परिसर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान चार शिकायतें दर्ज करायी गयीं जिनमें से दो शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक समाधान दिवस में फरियादियों द्वारा चार शिकायतें दर्ज करायी गयीं जिसमें दो का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि अन्य शिकायतें सम्बंधित अधिकारियों को सौपते हुये शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये गये हैं। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने कहा कि समाधान दिवस की शिकायतों का निस्तरण शीघ्र ही कराया जायेगा और पीड़ित की हर समस्या को निस्तारण कर समाधान कराया जायेगा। इस अवसर पर क्राइम इंस्पेक्टर

आरपी सिंह के आलावा एसएसआई आशीष तोमर, कस्बा इंचार्ज अमित सिसोदिया, एसआई जीत सिंह पुंडीर, एसआई नवीन कुमार, प्रधान कपिल कुमार, वसीम अंसारी सहित कानूनगो अफजलगढ़ नरेंद्र कुमार, लेखपाल बेनीराम सिंह, बृजमोहन, लेखपाल भूपेंद्र कुमार, जितेन्द्र प्रताप सिंह, अंशारूलहक, गौरव चैहान, कश्मीर सिंह राणा, ऋषिपाल सिंह, नगेन्द्र सिंह, यसवीर सिंह, दिनेश कुमार, सुरेशचंद, पप्पू सिंह राणा, अवधेश कुमार, राकेश कुमार, संजीव कुमार तथा अरूण सहित अधिकांश लेखपाल मौजूद थे।

घर में घुस गयी अनियंत्रित कार मासूम भाई-बहन की मौत

-पिता सहित दो लोग घायल हुए

बिजनौर। नगीना देहात थाना क्षेत्र के ग्राम लालवाला में एक ब्रेजा कार अनियंत्रित होकर सडक किनारे स्थित घर में घुस गयी जिससे बरामदे में बैठे दो मासूम बच्चों की कार की चपेट में आकर मौत हो गयी जबकि घर के कई अन्य सदस्य घायल हो गये। कार चालक भी जख्मी हो गया। घायलों को नजीबाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटद्वार उत्तराखण्ड के मौहल्ला इंदिरानगर निवासी फाजिल पुत्र मुस्तफा ब्रेजा कार से नगीना से कोटद्वार लौट रहा था जैसे ही वह ग्राम लालवाला पहुंचा तो अचानक कार अनियंत्रित होकर मनीराम के घर में घुस गयी। घटना के समय मनीराम अपनी 9 वर्षीय पुत्री मानवी, 4 वर्षीय पुत्र संस्कार व भतीजे राजा पुत्र चेतराम के साथ घर के दरवाजे पर बैठा थ। घटना में मनीराम की पुत्री मानवी व पुत्र संस्कार की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि चेतराम व भतीजा राजा गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को नजीबाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कार चालक फरमान भी मामूली रूप से घायल हो गया। उसे पहले लालवाला के ही एक प्राईवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया बाद में उसे वहां से रैफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी और कार्रवाही शुरू कर दी।

कंगना रनौत ने आमिर खान को बेचारा कहकर किया ट्रोल

एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल के अपने एक ट्वीट में कंगना आमिर खान को ट्रोल करती नज़र आ रही हैं। दरअसल राइटर शोभा डे के बुक लॉन्च के मौके पर आमिर से पूछा गया कि, अगर कभी राइटर पर बायोपिक बनी तो उनका किरदार कौन निभाएगा? इसके जवाब में उन्होंने दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट का नाम लिया। हालांकि शोभा ने उन्हें कंगना की याद दिलाई। इस पर आमिर ने कहा, हां, वह भी इसे अच्छी तरह से निभाएंगी, कंगना इसे बखूबी निभाएंगी। वह एक मजबूत एक्ट्रेस हैं। हालांकि कंगना को लगता है कि आमिर उनका नाम नहीं लेना चाहते थे और उन्होने बस उसका नाम लेने की एक्टिंग की हैं। कंगना ने शनिवार सुबह एक ट्वीट में लिखा, बेचारा आमिर खान – हा हा उन्होंने नाटक करने की पूरी कोशिश की जैसे वह नहीं जानते कि मैं केवल तीन बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री हूं, उनमें से किसी का भी उल्लेख नहीं किया गया है धन्यवाद। मुझे आपकी भूमिका निभाना अच्छा लगेगा। उन्होंने आगे कहा, शोबा जी और मेरे राजनीतिक विचारों का विरोध है, लेकिन यह उन्हें मेरी कला, कड़ी मेहनत और मेरे शिल्प के प्रति समर्पण को स्वीकार करने से नहीं रोकता है, जो किसी की अखंडता का प्रतिबिंब है और वैल्यू सिस्टम... आपकी नई किताब के लिए शुभकामनाएं मैम। उन्होंने कहा, हा हा वह सेल्फ मेड, तेजतर्रार और सुपर इंटेलिजेंट है... वह क्यों चाहती है कि कोई बेसिक उसकी भूमिका निभाए.. मैं बहुत खुशनसीब हूं कि उसने मुझे याद किया... और मैं शोभा जी का किरदार निभाना पसंद करूंगी.. यह दुनिया में लड़की का प्यार है। अराजकवादी पुरुष। कंगना लंबे समय से आमिर पर कई मौकों पर हमला बोल चुकी हैं। कंगना ने पहले एक इंटरव्यू में कहा था, जब आमिर ने मुझे दंगल, सीक्रेट सुपरस्टार के लिए बुलाया, तो मैं अंबानी के घर गई। मेरे लिए दंगल महिला

सशक्तिकरण के बारे में एक फिल्म थी। लेकिन मेरे किसी भी ट्रेल के लिए उनके पास समय नहीं है। मेरी दो–तीन फिल्में आ रही हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि लोग उनके बारे में लिखेंगे।

पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन ने दिखाई दरियादिली

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपने हर अंदाज से हमेशा लोगों का दिल जीतते हैं। सोशल मीडिया पर एक्टर की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। अल्लू भी अपने फैंस पर खूब प्यार लुटाते हैं और हमेशा उनकी मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। हाल ही में जब एक्टर को पता चला कि उनके एक फैन के पिता की तबीयत खराब है तो उनसे रहा नहीं गया और मदद के लिए आगे आ गए। एक फैन पेज ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर करते हए अल्लू का धन्यवाद किया। एक फैन पेज ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया कि कैसे अल्लू ने एक फैन के पिता की जान बचाई जो फेफड़े से संबंधित बीमारी से जूझ रहे थे। उसने लिखा– 'अपने एक फैन की दिक्कत के बारे में जानने के बाद भगवान समान अल्लू अर्जुन ने अपनी टीम के साथ मिलकर फैन की हरसंभव हेल्प की। आपको बेशुमार प्यार अन्ना।' बता दें, एक शख्स ने अपने पिता की बुरी हालत के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लोगों से मदद मांगी थी। उसने पिता की हेल्थ रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा– सभी को नमस्कार, हमारे एक को–फैन के पिता अर्जुन कपूर फेफड़े के संक्रमण का शिकार हैं। उनके मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए 2 लाख रुपये चाहिए। उनके परिवार को हमारी मदद चाहिए। डिटेल्स शेयर कर दी गई हैं कृपया डोनेट करें और अन्य लोगों से शेयर करें।

राणा दग्गुबाती को कोर्ट का समन, जमीन हड़पने का आरोप

'बाहुबली' फेम एक्टर राणा दग्गुबाती कानूनी पचड़ों में फंस गए हैं। उनके और उनके पिता सुरेश बाबू के खिलाफ जमीन हड़पने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। यह प्रॉपर्टी हैदराबाद के फिल्म नगर क्षेत्र में हैं। बिजनेसमैन प्रमोद कुमार ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। राणा दग्गुबाती और उनके पिता पर जमीन को खाली कराने के लिए धमकाने का आरोप है। शिकायतकर्ता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कहा कि पुलिस एक्टर के इशारे पर काम कर रही थी। प्रमोद कुमार का आरोप है कि उन्होंने हैदराबाद के बंजारा हिल्स थाने में मामला दर्ज कराने के लिए पहुंचे लेकिन पुलिस ने उचित एक्शन नहीं लिया तो नामपल्ली कोर्ट का रुख किया। कथित तौर पर राणा दग्गुबाती और सुरेश बाबू को कोर्ट ने समन जारी किया और 1 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि राणा, सुरेश और कुछ अन्य लोगों ने उनसे जबरन फिल्म नगर सहकारी समिति की जमीन खाली कराई। जमीन के इस मामले को लेकर अब तक पांच मामले दर्ज हो चुके हैं।

एक अन्य बिजनेसमैन का आरोप

इससे पहले नंदा कुमार नाम के एक बिजनेसमैन ने दिसंबर 2018 में वेंकटेश, राणा और सुरेश के खिलाफ सिटी सिविल कोर्ट में केस किया। उनका कहना था कि उनके साथ लीज और बिक्री एग्रीमेंट था। राणा के परिवार ने जमीन किसी और को बेचने की कोशिश की थी, जो ज्यादा पैसे दे रहा था। उन्होंने 6 महीने पहले भी यह आरोप लगाया था कि परिवार उन्हें संपत्ति से बेदखल करने की कोशिश रहा है।

हंसिका मोटवानी की शादी पर बनी सीरीज लव शादी ड्रामा डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है। इस सीरीज में हंसिका ने अपने ऊपर लगे कुछ आरोपों पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि कभी कभार सेलिब्रिटी होने की कीमत चुकानी पड़ती है। हंसिका का कहना है कि बिना सच्चाई जाने किसी को विलेन बना देना बहुत आसान है। जाहिर है कि हंसिका ने जब से शादी की है तभी से उन्हें ट्रोल किया जाता है। ट्रोलर्स कहते हैं कि हंसिका ने अपने बेस्ट फ्रेंड से उसका पति छीना है। वहीं सोहेल कथूरिया का कहना है कि उनकी पहली शादी टूटने से हंसिका का कुछ लेना देना नहीं है।

मुझे सेलिब्रिटी होने की कीमत चुकानी पड़ी, मुझे बेवजह विलेन बनाया गया

हंसिका की शादी के वक्त एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो अपने पति की पहली शादी में शामिल होती नजर आई थीं। अब इसपर रिएक्ट करते हुए हंसिका ने कहा, मैं उस इंसान को पहले से जानती हूं इसका मतलब ये नहीं है कि इसमें मेरी गलती है। क्योंकि मैं एक पब्लिक फीगर हूं इसलिए मुझे विलेन बना देना बहुत आसान है। मैं एक सेलिब्रिटी हूं इसलिए मुझे इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

हंसिका की वजह से नहीं टूटी पहली शादी

हंसिका के पति सोहेल कथूरिया ने कहा, मेरी पहली शादी 2014 में हुई थी, लेकिन ये शादी ज्यादा दिन नहीं चल सकी। शादी में शामिल होते हुए किसी ने उनकी (हंसिका) तस्वीरें देख ली और अटकलबाजी शुरू कर दी। ऐसी बातें फैलाई गईं जिसमें कहा गया कि मेरा ब्रेकअप हंसिका की वजह से हुआ। ये बातें सरासर गलत और बेबुनियाद है। दरअसल हंसिका मोटवानी ने जिस सोहेल कथूरिया से शादी की है वो उनकी बेस्ट फ्रेंड रिंकी बजाज के एक्स हसबैंड हैं। हंसिका की शादी के चंद दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें हंसिका सोहेल और रिंकी की शादी अटेंड करती नजर आ रही हैं इसके अलावा वो सोहेल और रिंकी की शादी में जमकर डांस करती हुई भी नजर आ रहीं थीं। 2016 में गोवा में हुई इस डेस्टिनेशन वेडिंग का जो वीडियो सामने आया था उसमे साफ देखा जा सकता है कि हंसिका, सोहेल और रिंकी के रोका सेरेमनी से लेकर पूल पार्टी और संगीत सेरेमनी सहित हर इवेंट में नजर आ रहीं हैं। बता दें कि हंसिका ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआती की थी। इसके अलावा शाका लाका बूम–बूम जैसे टीवी शोज से एक्ट्रेस ने घर–घर अपनी पहचान बनाई थी। कोई मिल गया में भी हंसिका ने बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस काम किया था।

रणबीर कपूर ने अनुभव सिंह बस्सी को बताया अपना दोस्त

तू झूठी मैं मक्कार के ट्रेलर और हाल ही रिलीज हुई फिल्म के दूसरे गाने में रणबीर कपूर और अनुभव बस्सी के ब्रोमांस को सभी पसंद कर रहें है। लेकिन क्या आप जानते है कि दोनों की बीच की ये ऑन स्क्रीन केमेस्ट्री सेट्स पर भी देखने मिली। फिल्म के सेट्स पर जब रणबीर और अनुभव मिले तो एक दूसरे के साथ अच्छा समय बिताया। जब मज़ेदार अनुभव सिंह बस्सी आकर्षक रणबीर कपूर से मिलते हैं, तो आप सभी बेहतरीन सौहार्द की उम्मीद कर सकते हैं। और ठीक ऐसा ही ऑन–स्क्रीन और तू झूठी मैं मक्कार के सेट पर हुआ जब उन दोनों की मुलाकात हुई। हाल ही में लॉन्च हुए तू झूठी मैं मक्कार के ट्रेलर और प्यार होता कई बार है गाने में दोनों के ब्रोमांस की झलक नजर आई है, लेकिन यह तो सिर्फ शुरूआत है। सोर्स ने हमें बताया कि रणबीर और अनुभव ऑफ स्क्रीन भी एक दूसरे के साथ एक अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। जबकि फिल्म में अनुभव बस्सी, रणबीर के बचपन के दोस्त का किरदार निभाते नजर आएंगे, रणबीर और अनुभव ऑफ कैमरा एक दूसरे के फैन हैं और एक दूसरे की जमकर तारीफ करते हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच का ये रिश्ता और भी मजबूत हो गया और दोनों एक दूसरे के अच्छे दोस्त बन गए। रणबीर कपूर ने हाल में अपने एक इंटरव्यू में अनुभव के साथ अपने बॉन्ड पर बात की। उन्होंने कहा, बस्सी एक बेहतरीन इंसान हैं। वह एक एंटरटेनिंग स्टैंड–अप कॉमेडियन हैं और वह जिस तरह से रियल लाइफ घटनाओं के बारे में अपने एक्ट्स में लिखते हैं वह मुझे बहुत पसंद है, यह बहुत मज़ेदार और प्यारा होता है। इसलिए हम सभी बस्सी से प्यार करते हैं। वह वास्तव में एक अच्छे इंसान हैं और मैं उन्हें अपना दोस्त कह सकता हूं। टेलर रिलीज के बाद से ही दर्शकों ने रणबीर और अनुभव के बीच के सीन्स और केमेस्ट्री को काफी पसंद किया है कि ऑन लाइन दोनों मीम वायरल होने लगे है। ऐसे में अब फैन्स फिल्म में दोनों को और ज्यादा देखने का इंजतार कर रहें है। तू झूठी मैं मक्कार लव रंजन द्वारा निर्देशित हैं। वहीं इस फिल्म को लव फिल्म्स के लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित किया गया है और टी–सीरीज़ के गुलशन कुमार और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 8 मार्च 2023 को होली पर दुनिया भर में सिनेमाघरों पर रिलीज होगी।

सुनील शेट्टी ने खोला राज, बताया कैसे बने बॉलीवुड के एक्शन हीरो

बॉलीवुड के फिट एक्टर्स की लिस्ट अभिनेता सुनील शेट्टी के बिना अधूरी कही जा सकती है। सुनील शेट्टी को देखकर उनकी उम्र का पता लगाना नामुमकिन होता है। 61 वर्ष के सुनील शेट्टी सिनेमाई दुनिया में काफी एक्टिव हैं और न सिर्फ बॉलीवुड की फिल्में और वेब सीरीज बल्कि वो साउथ की फिल्मों में भी खूब परफॉर्म कर रहे हैं। ऐसे में अब सुनील शेट्टी, कुमिते वन वॉरियर हंट शो को होस्ट करते नजर आएंगे। शो के बारे में बात करते हुए सुनील शेट्टी ने उनके एक्शन का भी राज खोला।

कुमिते 1 वॉरियर हंट को होस्ट करेंगे सुनील

वेब सीरीज धारावी बैंक के बाद इस बार बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी एमएमए रियलिटी शो लेकर आ रहे हैं। बीते दिनों इस शो का शानदार ट्रेलर रिलीज हुआ था जिसमें सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका निभाते यानी शो को होस्ट करते दिखे थे। हाल ही में सुनील शेट्टी ने बताया कि हमेशा से ही उनकी छवि एक एक्शन हीरो की रही है और वह मार्शल आर्ट सीखते हुए बड़े हुए हैं। सुनील शेट्टी ने बताया कि वह मार्शल आर्ट्स सीखते हुए बड़े हुए हैं और यही एक ऐसी चीज है, जिसने उन्हें हिंदी सिनेमा में एक एक्शन हीरो की छवि और मौका दिया।

मार्शल आर्ट्स को क्रेडिट देते हैं सुनील

सुनील शेट्टी, मार्शल आर्ट्स को ही इसका श्रेय देते हैं और आगे कहते हैं, मैं कुश्ती, कुश्ती, कुश्ती, कुश्ती कहता रहता हूं, क्योंकि यह हथियाने के बारे में है, ताकत के बारे में कम, बल्कि पकड़ के बारे में है और इसलिए मैं हार न मानने वाले दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मुझे लगा कि मुझे कुछ वर्षों में अपने करियर के इस पड़ाव पर कुछ ऐसा शुरू करने की जरूरत है जो मैंने काम भी नहीं किया। मैं वापस देना चाहता था, और मैं बड़े पैमाने पर वापस देना चाहता था।
सुनील ने आगे कहा, यह शो छोटे शहरों की प्रतिभाओं को निखारने का एक तरीका है, भारत के पास इतना कुछ है, लेकिन लोगों को मौका नहीं मिलता। तो मेरे लिए, यह इन बच्चों के लिए एक अवसर और बदलाव लाने के लिए है। मैं हर एक के लिए रोता हूं और मैं हर एक के लिए ताली बजाता हूं। यह सुंदरता के बारे में अधिक है, यह खेल के लिए प्यार और जुनून है, और मैं उनसे प्रेरणा भी लेता हूं।
आखिर में सुनील ने कहा, यह तो बस शुरुआत है और उम्मीद है कि कुमिते 1 वारियर हंट बेहतर होगा। मैं खली भाई (द ग्रेट खली) को लिटिल जेंटल जाइंट कहता हूं और हमें उनके जैसे लोगों को आगे आने और इस तरह के खेलों का समर्थन करने की जरुरत है। बता दें कि कुमिते 1 वारियर हंट में 16 शीर्ष पुरुष और महिला एमएमए एथलीट एक खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि प्रसिद्ध एमएमए कोच– भरत खंडारे और पवन मान द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। छह एपिसोड की यह सीरीज 12 फरवरी को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

संक्षिप्त खबरें

पर्यटन विभाग और प्रमुख जापानी होटल चेन के साथ 7200 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के दूसरे दिन आज जापान पार्टनर कन्ट्री सेशन के दौरान पर्यटन विभाग और जापान के प्रमुख होटल चेन-होटल मैनेजमेन्ट इण्टरनेशनल कम्पनी लि0 के साथ समझौताक ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। इस समझौता ज्ञापन से राज्य का आर्थिक और पर्यटन विकास योजनाओं के संयोजन के साथ व्यावसायिक रूप से व्यापार और पर्यटन स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से 30 होटलों की एक श्रृंखला का विकास होगा, इसमें लगभग 7200 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा और लगभग 10,000 व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की माता श्री का बीती रात निधन होने के कारण वह आज प्रातः अपने गृह जनपद फिरोजाबाद को प्रस्थान कर गये। समझौता ज्ञापन के पश्चात प्रेषित एक संदेश में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वाराणसी में कॉरिडोर बनने से पर्यटकों की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी हुई है, जिसके फलस्वरूप होटलों की संख्या पर्यटकों एवं आगन्तुकों की अपेक्षा कम पड़ने लगी है। इस होटल चेन के धरातल पर आने से पर्यटकों को आसानी से ठहरने की व्यवस्था हो सकेगी। मंत्री जयवीर सिंह ने संदेश में कहा है कि वाराणसी की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे प्रदेश का चैमुँखी विकास हो रहा है। ह्यह्यनये भारत का नया उत्तर प्रदेश प्रदेश की 25 करोड़ जनता के सामने है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके साथ-साथ पर्यटन के नये-नये क्षेत्रों पर कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा है कि पर्यटन क्षेत्र का यह समझौता उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भागीदारी निभायेगा। पर्यटन मंत्री ने कहा है कि अयोध्या, मथुरा, आगरा, सारनाथ एवं परिपथ का पर्यटन विकास तेजी से किया जा रहा है। इको पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ बुन्देलखण्ड के पर्यटन स्थलों को सजाया एवं संवारा जा रहा है। पर्यटन सेक्टर में असीमित संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जा रहा है। अब जापान का एचएमआई होटल समूह हमारे साथ आ रहा है, जिससे पर्यटकों को मिलने वाली सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा है कि प्रदेश सरकार निवेशकों को हरहाल में सभी प्रकार की सुविधा, सुरक्षा, सुशासन एवं सेवा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। निवेशकों के लिए नई पर्यटन नीति-2022 जारी की गई है, जिसमें निवेशकों के लिए कई सुविधाओं का प्राविधान किया गया है।

मंत्री गुलाब देवी 13 फरवरी को राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का करेंगी शुभारंभ

उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी द्वारा राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का शुभारंभ 13 फरवरी को अपराहन 1:00 बजे किया जाएगा। ऑनलाइन मानिटरिंग हेतु शिविर कार्यालय, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय 18 पार्क रोड लखनऊ में राज्यस्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्यस्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से संपूर्ण बोर्ड परीक्षा अवधि में सुचारू, समयबद्ध एवं नियमित रूप से ऑनलाइन मॉनिटरिंग तथा समीक्षा की जाएगी। कंट्रोल रूम की स्थापना उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2023 के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से 04 मार्च 2023 तक आयोजित होंगी। विगत वर्ष की भांति वर्ष 2023 की बोर्ड परीक्षाओं में अनुचित साधन प्रयोग (नकल) की प्रवृत्ति व संभावनाओं पर अंकुश लगाने परीक्षा की शुद्धता पवित्रता गुणवत्ता विश्वसनीयता तथा विधि व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

बीते सप्ताह अधिकांश खाद्य तेल, तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सरसों तेल तिलहन को छोड़कर बाकी सभी खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में सुधार देखने को मिला। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में मंडियों में सरसों की आवक शुरू होने के बीच सरसों तेल तिलहन में नुकसान दर्ज किया गया जबकि डीआयल्ड केक (डीओसी) और खल की मांग के कारण सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में मजबूती आई। मलेशिया में भाव में कुछ सुधार के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में भी मजबूती आई। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की मांग होने से बिनौला तेल के भाव भी सुधार दशार्ते बंद हुए। सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली डीओसी और खल की मांग होने से मूंगफली तेल तिलहन के भाव भी सुधार के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों, विशेषकर घरेलू तेल तिलहन उद्योग को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले सूरजमुखी और सोयाबीन जैसे हल्के (सॉफ्ट) तेल के भाव इस कदर जमीन चूम रहे हैं कि वहां से जरा सा भी उठे तो विगत दिन के मुकाबले वह मजबूती ही होती है। लेकिन अभी भी इनकी कीमतें देशी तेल तिलहनों के मुकाबले बेहद कम हैं। अगर सूरते हाल ऐसे ही बने रहे तो सरसों, सोयाबीन, बिनौला जैसे देशी तेल तिलहनों का खपना नामुमकिन है। इसके अलावा सूरजमुखी की आगे होने वाली बुवाई भी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि विशेषकर सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क लगाया जाना चाहिये क्योंकि सूरजमुखी बीज के भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 25 प्रतिशत नीचे हैं। आयात शुल्क लगाने से सरसों, बिनौला, मूंगफली और सोयाबीन जैसे देशी तिलहन खप सकेंगे और किसान की सूरजमुखी की आगामी बुवाई में दिलचस्पी बढ़ेगी। सूत्रों ने कहा कि सरकार चाहे तो सीपीओ और पामोलीन पर आयात शुल्क न बढ़ाए क्योंकि इस तेल का ज्यादातर उपयोग औद्योगिक मांग के अलावा कम

आयवर्ग के लोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी के रिकॉर्ड आयात के मुकाबले फरवरी में खाद्यतेलों का आयात कम हुआ है लेकिन यह इतना भी कम नहीं है कि राहत की सांस ली जा सके। पशु आहार के महंगा होने से हाल के दिनों में दूध के दामों में कई बार वृद्धि हुई है। सस्ते आयातित तेलों से खाद्य तेल की कमी को पूरा किया जा सकता है लेकिन देशी तिलहन से देश को मुगीर्दाने और पशु आहार के लिए डीओसी और खल प्राप्त होते हैं। सूत्रों ने कहा कि 1980-90 के दशक में खाद्य तेलों की कमी को दूर करने के लिए सरकारी एजेंसियों से आयात के बाद खाद्य तेलों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिये वितरित किया जाता था। इस व्यवस्था में उपभोक्ताओं को सरकार की ओर से राहत देने की जो अपेक्षा होती थी, उसका सीधा लाभ उपभोक्ताओं को मिलता था। इससे न तो किसानों को कोई फर्क पड़ता था और न ही तेल उद्योग को कोई फर्क पड़ता था। लेकिन मौजूदा समय में हल्के तेलों का शुल्क-मुक्त आयात होने के बावजूद खुदरा बाजार में उपभोक्ताओं को तेल कीमतों में आई गिरावट का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 35 रुपये टूटकर 5,905-5,955 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में 150 रुपये घटकर 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 20-20 रुपये घटकर क्रमशः 1,970-2,000 रुपये और 1,930-2,055 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। सूत्रों ने कहा कि दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 125 रुपये और 75 रुपये सुधरकर क्रमशः 5,470-5,600 रुपये और 5,210-5,230 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी तरह समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 160 रुपये, 100 रुपये और 150 रुपये बढ़कर क्रमशः 12,460 रुपये, 12,150 रुपये और 10,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ऊंचे भाव पर कारोबार कम रहने तथा मूंगफली खल एवं डीओसी की मांग होने से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहनों कीमतों में भी सुधार देखने को मिला। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये बढ़कर 6,475-6,535 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। एक सप्ताह पहले के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव पांच रुपये बढ़कर 2,420-2,685 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि मलेशिया में तेल के दाम में सुधार के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) में 450 रुपये की मजबूती आई और यह 8,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 500 रुपये मजबूत होकर 10,400 रुपये पर बंद हुआ। पामोलीन कांडला का भाव 550 रुपये का लाभ दशार्ता 9,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सुधार के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल भी समीक्षाधीन सप्ताह में 200 रुपये बढ़कर 10,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

12 महीनों में डार्क स्टोर की संख्या 40 प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी में ब्लिंकिट

blinkit
India's Last Minute App

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू इस्तेमाल के सामान की त्वरित आपूर्ति करने वाली कंपनी ब्लिंकिट अपने डार्क स्टोर की संख्या अगले 12 महीनों में 40 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अलबिंदर ढींढसा ने एक बयान में कहा कि कंपनी अपने डार्क स्टोर की संख्या को 400 के मौजूदा स्तर से बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ह्लब्लिंकिट ने नए क्षेत्रों एवं शहरों में अपने विस्तार की संभावनाएं देखी हैं। इसके लिए डार्क स्टोर की संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।ह्व ब्लिंकिट गोदाम के तौर पर इस्तेमाल होने वाले अपने डार्क स्टोर के जरिये ग्राहकों को थोड़े ही समय के भीतर रोजमर्रा की जरूरत के सामान की आपूर्ति करती है। ढींढसा ने कहा, ह्लहमारा मानना है कि हम अपने डार्क स्टोर की संख्या को अगले 12 महीनों में करीब 30-40 प्रतिशत बढ़ा सकते हैं। अपने स्टोर के लिए सबसे किफायती स्थान तलाश पाने की क्षमता पर भी यह निर्भर करेगा।ह्व ब्लिंकिट का ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो ने पिछले साल अधिग्रहण किया था।

महंगाई आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में ब्याज दरों में लगातार जारी बढ़ोतरी से आर्थिक विकास पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से चिंतित निवेशकों की बिकवाली से बीते सप्ताह गिरावट पर रहे शेयर बाजार की दिशा अगले सप्ताह खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों से तय होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 159.18 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 60682.70 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 2.45 अंक की मामूली बढ़त के साथ 17856.50 अंक पर सपाट रहा। वहीं, समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 442.43 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 24890.44 अंक और स्मॉलकैप 400.37 प्रतिशत उछलकर 28263.05 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह बाजार दिशा की तलाश में रहेगा। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के मुद्रास्फीति के आंकड़े प्रमुख ट्रिगर के रूप में काम करेंगे। संस्थागत प्रवाह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि जनवरी में लगातार बिकवाली के बाद विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की बिकवाली कम हुई है। इसके अलावा कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव, डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। अगले सप्ताह देश में जनवरी के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। इसके अलावा एफआईआई की निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एफआईआई ने फरवरी में अबतक कुल 69,976.72 करोड़ रुपये की लिवाली जबकि कुल 75,390.93 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 5,414.21 करोड़ रुपये निकाल लिए। हालांकि, फरवरी में भी घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा मजबूत रही है। उन्होंने बाजार में कुल 56,062.65 करोड़ रुपये का निवेश किया जबकि 49,609.60 करोड़ रुपये निकाल लिए, जिससे वह 6,453.05 करोड़ रुपये के लिवाल रहे।

उत्तर प्रदेश नैनो यूरिया का उपभोग करने वाला देश में अग्रणी राज्य : जेपीएस राठौर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अवसर पर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने बताया कि इफको के नैनो यूरिया से मिलने वाले लाभों से प्रोत्साहित होकर एवं नैनो यूरिया की लोकप्रियता को देखते हुए शीघ्र ही इफको नैनो डीएपी भी किसानों के लिए बाजार में उपलब्ध कराई जाएगी। नैनो डीएपी देश के किसानों के लिये वरदान साबित होगी।भारत सरकार द्वारा शीघ्र ही नैनो डीएपी को फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत लाया जाएगा। जेपीएस राठौर ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि के सपने को साकार करने के लिए सहकारिता क्षेत्र के अंतर्गत इफको द्वारा विश्व में प्रथम बार नैनो यूरिया का अविष्कार किया गया है। तीन -चार वर्ष तक किसानों एवं विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में 94 फसलों पर संपन्न ट्रायल के उपरांत भारत सरकार द्वारा विभिन्न कसौटियों पर जांच के उपरांत नैनो यूरिया को किसानों के प्रयोग हेतु फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत किसानों के उपयोग के लिए स्वीकृति प्रदान की गई। नैनो यूरिया के प्रयोग से 7-8 प्रतिशत कृषि उपज में वृद्धि होती है तथा उपज की गुणवत्ता में सुधार होता है। परिवहन एवं भंडारण सस्ता एवं सुलभ होता है। फसलों में खरपतवार और कीटों का प्रकोप कम होता है। साथ ही फसल उत्पादन की लागत में कमी आती है। विशेष रुप से भारत सरकार द्वारा अनुदान के मद में खर्च की जा रही भारी धनराशि में बचत होती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रचलित यूरिया को 25 प्रतिशत तक नैनो यूरिया से रिप्लेस किए जाने की योजना है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ नैनो यूरिया बोतलों की बिक्री की गई है। जिससे लगभग 2000 करोड़ रुपए की अनुदान संबंधित धनराशि में बचत हुई है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश नैनो यूरिया का उपभोग करने के मामले में देश में अग्रणी राज्य है। भारत सरकार को वर्तमान समय में फास्फेटिक उर्वरकों के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है, नैनो डीएपी के उत्पादन के उपरांत उर्वरक के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा, जिससे माननीय प्रधानमंत्री जी की आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि की योजना साकार होगी। जेपीएस राठौर ने बताया कि नैनो डीएपी की आधे लीटर की एक बोतल की कीमत मात्र 600 रुपये होगी। आज के समय में जहां किसान को 50 किलो सामान्य डीएपी 1350 रुपये में उपलब्ध होती है, वहीं नैनो डीएपी मात्र 600 रुपये में प्राप्त होगी, जिससे किसान की फसल उत्पादन की लागत में भारी कमी आएगी तथा भारत सरकार को अनुदान के मद में लगभग 2500 रुपये प्रति बोरी की बचत होगी। नैनो डीएपी का प्रयोग बीज उपचार एवं खड़ी फसल में छिड़काव के रूप में किया जाएगा, जिससे फसल की जड़ों के विकास, वानस्पतिक वृद्धि एवं उपज की गुणवत्ता/मात्रा में आशातीत वृद्धि होगी।

हमे इस देश को थ्री इडियट्स जैसा नहीं बनाना : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

हमें देश को थ्री इडियट्स जैसा नहीं बनाना है, जहां कोई मां-बाप अपने बेटे को जबरदस्ती इंजीनियरिंग कराए, जबकि उसकी दिलचस्पी फोटोग्राफी में हो। प्रत्येक सेक्टर में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं, बस जरूरत है स्किल को डेवलप करने की। उत्तर प्रदेश में लाखों करोड़ का निवेश होने से निजी और सरकारी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां आएंगी। मगर इसके लिए हमें स्किल्ड मैनपॉवर की जरूरत होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के इसी मूल भावना को प्रोत्साहित करती है। ये बातें रविवार को राजधानी के वृन्दावन योजना में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के तीसरे और अंतिम दिन वशिष्ठ हॉल में आयोजित ह्यरी इंवेंटिंग स्किल डेवलपमेन्ट ईको सिस्टम इन उत्तर प्रदेशह्व विषय पर विशेष सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कही। भारत के अमृत काल में प्रवेश का ये आगाज शानदार है केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान निवेशकों, स्टेक होल्डर्स को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों और संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लखनऊ आकर इस बार वाकई में बहुत आनंद आया। निवेशकों के लिए पूरा शहर सजा हुआ है। यूपी जीआईएस-23 में 33 लाख करोड़ का निवेश निश्चित रूप से बड़ी उपलब्धि है। भारत के अमृत काल में प्रवेश के दौरान उत्तर प्रदेश का ये आगाज शानदार है। ये निवेश राज्य के हर युवा के भविष्य को उज्जवल करने वाला है। भारत को विकसित देश बनाने में सबसे बड़ा योगदान कौशल विकास क्षेत्र का होगा। दुनिया भर की सरकारें इसे महसूस कर रही हैं। हमें अगर लंबी छलांग लगानी है तो अपने युवाओं के कौशल को निखार कर उन्हें भविष्य के रोजगारों के लिए

तैयार करना होगा। देश की युवा शक्ति को सही दिशा में चैनलाइज किया जाए तो अवसरों की कहीं कोई कमी नहीं होगी। अवसर बहुत हैं, काम करने की क्षमता वाले युवा मैनपॉवर चाहिए। उत्तर प्रदेश बन रहा औद्योगिक प्रदेश केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को आद्योगिक प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित हैं। बीते 6 साल में यूपी से गुंडा, माफिया को खत्म करने का काम हुआ है, व्यापारी वर्ग सुरक्षित हुआ है। महिलाओं के मन में सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है। उन्हें शाम की शिफ्ट में काम करने में अब डर नहीं लग रहा। पीयूष गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को बहुत से अवसर उपलब्ध कराए हैं। नौकरी के नाम पर विपक्षी दल युवाओं को चाहे जितना बरगलाने की कोशिश करें, मगर देश के युवाओं को अब स्किल डेवलपमेंट का महत्व समझ में आ रहा है। स्किल डेवलपमेंट के लिए किए गए मोदी सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि युवाओं का भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बढ़ता ही जा रहा है। केवल सरकारी नौकरी के पीछे भागने की जरूरत नहीं पीयूष गोयल ने स्किलिंग, ट्रेनिंग और वोकेशनल ट्रेनिंग पर जोर देते हुए कहा कि स्किल डेवलपमेन्ट का क्षेत्र कभी खत्म होने वाली चीज नहीं, ये लगातार सीखने वाली चीज है। आज एआई, मशीन लर्निंग जैसी नई टेक्नोलॉजी के साथ हमें अपने युवाओं को जोड़ना होगा। युवाओं को भी खुद को बदलती हुई दुनिया से जोड़ते हुए केवल सरकारी नौकरी के पीछे भागने की जगह अपने हुनर से नौकरी पैदा करने वाला बनना होगा। इसके अलावा हमें अपने बुनकरों, श्रमिकों और कारीगरों के कौशल को भी विकसित करना होगा, ताकि उनके उत्पाद बेहतर पैकेजिंग के साथ दुनिया के बाजार तक पहुंचे। विशेष सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश के कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, टाटा कंपनी से सुशील कुमार, आईएएस आंद्रा वामशी, आईएएस आलोक कुमार ने निवेशकों के सामने नए भारत के ग्रोथ इंजन उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा की तस्वीर पेश की। इस दौरान प्रेजेंटेशन के जरिए यूपी में स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री का वीडियो सन्देश भी प्रसारित किया गया।

ऑस्ट्रेलिया वाइन और शराब के लिए भारत पर निर्भर : पियूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के लोग अब वाइन और शराब के लिए भारत पर निर्भर है। वृंदावन योजना में यूपी ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 के दौरान आबकारी और चीनी उद्योग में अवसर विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने रविवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के लोग अब वाइन के लिए भारत पर निर्भर है। विदेशियों को भारत में बनी वाइन बहुत पसंद आ रही है। अंगूर के अलावा भारत आज 27 फलों से लिकर और वाइन बना रहा है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की लिकर पॉलिसी के तहत 30 दिनों में लाइसेंस मिलने का प्रावधान है। उन्होने कहा कि वह सभी राज्यों की एक्साइज कमिश्नर के साथ बैठकर उत्तर प्रदेश की पॉलिसी को अन्य राज्यों में लागू करने के लिए शीघ्र ही एक बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व गृहमंत्री की सलाह पर भू,सैंड और लिकर माफिया पर रोक लगाकर उत्तर प्रदेश के विकास की नीव रखी थी। पिछले छह वर्षों में कोविड के बावजूद भी उत्तर प्रदेश का एक्साइज कलेक्शन 14500 करोड़ रुपए से बढ़कर 42500 करोड़ हो गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर घटकर 575.3 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार में भारी कमी आने से 03 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर घटकर 575.3 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 3.03 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 576.8 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 03 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.32 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 507.7 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 24.6 करोड़ डॉलर की कमी आई और यह गिरकर 43.8 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 6.6 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 18.54 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 90 लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 5.25 अरब डॉलर हो गई।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने आत्म निर्भर भारत पर दिया जोर

उद्यमिता के क्षेत्र में समावेशीय विकास को ध्यान में रखते हुए आज यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में समाज कल्याण विभाग द्वारा पर एक सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के अतिरिक्त निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाए जाने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में डॉ. वीरेंद्र कुमार, मा. मंत्री, सामाजिक न्याय एवम अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वंचित वर्गों, दिव्यांगजनों तथा महिलाओं के सशक्तीकरण के क्षेत्र में निवेश तथा उन्नति की अपार संभानाएं हैं। कार्यक्रम में दिग्गज कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। उन्होंने चर्चा की कि कैसे सरकार की लाभार्थी परक योजनाओं के अतिरिक्त निजी क्षेत्र की कम्पनियाँ अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं, दिव्यांगजन और कमजोर वर्ग के भाई-बहनों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही हैं। कार्यक्रम में टाटा के प्रतिनिधि श्रेयस देसाई ने बताया कि कम्पनी वंचित समाज को रोजगारपरक बनाने के लिए वेंडर विकास पालिसी चला रही है। योजना में ऐसे वेंडर विकसित किए जाते हैं जो लोगों तक आसानी से कम्पनी के गुणवत्तापरक उत्पाद सप्लाई करते हैं। इस तरह रोजगार का सृजन तो होता ही है साथ में उच्च गुणवत्ता का सामान भी लोगों तक आसानी से पहुँच जाता है। कार्यक्रम में एचसीएल की डॉ. निधि पुंधीर ने बताया कि कम्पनी प्रदेश में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कई जिलों में कार्यक्रम चला रही है। जिसके अतिरिक्त समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। यूएसए की ग्रांड वैली यूनिवर्सिटी से आए प्रो. विवेक दलेला ने अतिथियों को बताया कि बी-कॉर्प नाम से एक वैलेंटरी योजना संचालित है। जिसमें कम्पनियाँ संकल्प लेती हैं कि सबसे कम वेतन पाने वाले और सबसे अधिक वेतन पाने वाले के मध्य चार गुणे से अधिक का अंतर नहीं होगा। कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री (स्व.प्रभार) असीम अरुण, पशुधन एवं दुग्ध विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह, दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, महिला कल्याण एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, राज्यमंत्री संजीव कुमार, प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, निदेशक समाज कल्याण पवन कुमार सहित भारी संख्या में अतिथि उपस्थित रहे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : नोएडा नंबर वन, निवेश का 27 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चल रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नोएडा सबसे ऊपर पायदान पर रहा। नोएडा की तीनों अथॉरिटी का कुल मिलाकर इन्वेस्टमेंट भाग 27 प्रतिशत रहा है। जेवर एयरपोर्ट को लेकर यमुना अथॉरिटी के पास निवेशकों की झड़ी लगी हुई है। इसके साथ ही साथ ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी और नोएडा अथॉरिटी ने भी अपनी जबरदस्त भूमिका के चलते इन्वेस्टरों को खूब लुभाया है। इसीलिए नोएडा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इन्वेस्टरों की सबसे पहली पसंद बन गया है। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट से यूपी सरकार को 32 लाख 92 हजार करोड़ रुपए का निवेश का प्रपोजल मिला है। इससे 92 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इस बार भी इन्वेस्टमेंट के मामले में यूपी में पहले स्थान पर नोएडा रहा है। यूपी में होने वाले कुल निवेश का करीब 27 फीसदी निवेश अकेले नोएडा में आया है। उसके बाद आगरा और लखनऊ का नंबर है। वहीं सबसे

कम निवेश के मामले में सिद्धार्थनगर रहा। यहां कुल 128 कंपनियों से महज 650 करोड़ रुपए का निवेश का प्रस्ताव आया है। पूरे इन्वेस्टमेंट का ये सिर्फ 0.2 फीसदी है। समिट के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 18,645 एमओयू साइन हो चुके हैं। इसमें नोएडा और आगरा जैसे शहरों की बदौलत सबसे ज्यादा निवेशक पश्चिमी यूपी के लिए मिले हैं। कुल निवेश का 45 फीसदी वहां पर आएगा। इसके बाद पूर्वांचल का नंबर है। यहां भी 29 फीसदी निवेश आया है। ऐसे में पश्चिमांचल और पूर्वांचल मिलकर 74 फीसदी के निवेश का प्रस्ताव है। बाकी बचे मध्यांचल और बुंदेलखंड में 13-13 फीसदी निवेशक आए हैं। रिलायंस ग्रुप यूपी में 75 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहा है। इससे एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा। रिलायंस प्रदेश में अक्षय योजना के तहत 10 जीडब्ल्यू की रिन्यूबल एनर्जी क्षमता को स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि 2023 के अंत तक यूपी के सभी शहरों में 5जी सर्विस मिलेगा। यूएई से 21622 करोड़, कनाडा और यूएसए से 21922.5 करोड़, नीदरलैंड और फ्रांस से 10704 करोड़, जपान और दक्षि

संक्षिप्त खबरें

नागपुर टेस्ट ने स्पिन के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी को उजागर किया : चैपल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी इयान चैपल को लगता है कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में घुटने टेकने से ऑस्ट्रेलिया की स्पिन के खिलाफ कमजोरियां उजागर हो गई हैं और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस के नेतृत्व में दौरे पर आई टीम को तेजी से परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से भारत में पिचों के बारे में सोचना बंद करने और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देने को कहा। रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया को लाल मिट्टी के विकेट पर काफी परेशान किया और मेहमान टीम शनिवार को दूसरी पारी में सिर्फ 91 रन पर ढेर हो गई जो भारत में उसका न्यूनतम स्कोर है। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट तीन दिन के भीतर पारी के अंतर से जीता। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, पहले टेस्ट ने स्पिन की अनुकूल पिचों पर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी को उजागर कर दिया। चैपल ने कहा, अगर वे यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि इस हार से भारत में चुनौती पेश करने की उनकी मानसिक क्षमता प्रभावित नहीं हुई है तो यह उन्हें श्रृंखला में बनाए रखेगा। अगर वे डगमगाते हैं तो वे बड़ी परेशानी में हैं। नागपुर टेस्ट से पहले भारत को पिच से छेड़छाड़ के आरोपों का सामना करना पड़ा था लेकिन चैपल ने कहा कि इस पिच पर किसी भी तरह से खेलना असंभव नहीं था। चैपल ने लिखा, शोर बिल्कुल वैसा ही था जैसा पिच को लेकर होता है। उम्मीद के मुताबिक हालांकि यह पहले दिन के भारतीय लाल मिट्टी के विकेट से ज्यादा कुछ नहीं निकला। उन्होंने कहा, इस पिच पर खेलना असंभव नहीं था जैसा मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने दिखाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में विफल रहा।

भुल्लर और राशिद का ओमान में तीसरे दौर में खराब प्रदर्शन

मस्कट। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और राशिद खान ने तीसरे दौर के अंतिम चरण में तीन-तीन बोगी की जिससे वे यहां 20 लाख डॉलर इनामी अंतरराष्ट्रीय सीरीज ओमान गोल्फ टूनार्मेंट में क्रमशः संयुक्त 16वें और 21वें स्थान पर चल रहे हैं। भुल्लर ने लगातार तीसरे दौर में पार 72 का स्कोर बनाया जबकि राशिद ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। जापान के ताकुमी कनाया ने तीसरे दौर के बाद भी शीर्ष पर जापान के साथी खिलाड़ियों रयो हिसात्सुने पर एक शॉट की बढ़त बरकरार रखी है। दोनों ने तीसरे दौर में पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया। एसएसपी चौरसिया और शिव कपूर दोनों तीसरे दौर में 72 के स्कोर से संयुक्त 31वें स्थान पर हैं। एस चिकारंगप्पा (74) संयुक्त 59वें पायदान पर हैं। हनी बैसोया (86) बेहद खराब प्रदर्शन के साथ संयुक्त 78वें स्थान पर लुढ़क गए। ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 12वें से संयुक्त 21वें पायदान पर खिसक गए।

अदिति मोरक्को में तीसरे स्थान पर, ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर कायम

रबात (मोरक्को)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक तीसरे और अंतिम दौर में एक अंडर 72 के स्कोर से यहां एल मरयम कप में तीसरे स्थान पर रहीं। अंतिम दौर की शुरूआत छह अंडर के स्कोर से करने वाली इस भारतीय गोल्फर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। स्वीडन की माजा स्टार्क ने अंतिम दौर में चार अंडर के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। स्टार्क ने स्वीडन की ही लिन ग्रांट (68) को चार शॉट से पछाड़ा। यह स्टार्क का छठा लेडीज यूरोपीय टूर खिताब है।

खेलो इंडिया में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मप्र के खिलाड़ी होंगे सम्मानित : शिवराज सिंह चौहान

मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक प्राप्त किए, भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स का हुआ रंगारंग समापन

भोपाल, एजेंसी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में खिलाड़ियों को भरपूर सुविधाओं के साथ सम्मान भी दिया जाएगा। खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एक पृथक कार्यक्रम में पुरस्कृत और सम्मानित किए जाएंगे। पिछले खेलो इंडिया गेम्स में देश में 8वें क्रम पर रहने वाले मध्यप्रदेश ने अब तीसरे क्रम पर स्थान बनाया है। यह गर्व और गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ है। इसमें खेल क्षेत्र भी शामिल है। खेलों के लिए बजट राशि बढ़ाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने इन खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पर भरोसा किया। मध्यप्रदेश उमंग और उत्साह में डूबा रहा। खिलाड़ियों ने जोश दिखाया और हिन्दुस्तान का दिल धड़काया। मध्यप्रदेश में 13 दिन खेलमय वातावरण था।

मुख्यमंत्री चौहान शनिवार देर शाम को भोपाल में बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मैडल प्राप्त करने वाले और भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेलो इंडिया में ओवर ऑल चैम्पियन महाराष्ट्र विशेष बधाई का पात्र है। हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा है। मध्यप्रदेश भी तीसरे क्रम पर आया है। मध्यप्रदेश, हरियाणा से थोड़ा ही पीछे रहा। मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि एक समय मध्यप्रदेश का खेलों में कोई विशेष नाम नहीं था। देव कुमार मीणा ने राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। खेलो इंडिया में 40 प्रतिशत बेटियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मलखम्भ, एथलीट और वाटर स्पोर्टस में मध्यप्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।

खिलाड़ियों की मंजिल अब एशियाड और ओलिंपिक

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रोत्साहनकारी रहे। अब इन खेलों में सफल हुए खिलाड़ियों को अपनी मंजिल की ओर बढ़ना है। इनकी मंजिल अब एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलिंपिक हैं। इन सभी में खिलाड़ियों को पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, स्पोर्टस एथारटी ऑफ इंडिया और खेल विभाग की संपूर्ण टीम बधाई की पात्र है। खिलाड़ियों ने जोश, जिद और जुनून का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने खिलाड़ियों को निरंतर विजय प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दी।

मप्र की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री चौहान ने मलखम्भ जैसे खेलों को महत्व देते हुए राज्य खेल के रूप में पहचान दिलाने का कार्य किया। मध्यप्रदेश सभी खेलों को प्रोत्साहित करने में आगे है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 की मेजबानी दी। उनका स्वपन है खेलों के माध्यम से देश को एक स्थान पर सम्मिलित और एकत्रित किया जाए। मध्यप्रदेश के खेल प्रशिक्षक, खेल अधिकारी और खेल विभाग की टीम बधाई की पात्र है। दो दर्जन से अधिक खेलों की गतिविधियाँ 8 शहरों में हुईं। कई पारम्परिक खेलों को भी मंच मिला है। भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स के समापन समारोह में केंद्रीय खेल, युवा कार्य और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय खेल, युवा कार्य एवं गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रामाणिक और पद्मश्री, खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित और ओलिंपियन शूटिंग खिलाड़ी गगन नारंग उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश की प्रमुख सचिव खेल दीप्ति गौड़ मुखर्जी और खेल संचालक रवि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, विद्यार्थी, खेल प्रेमी नागरिक और युवा उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम में नन्हे बांसुरी वादक अनिरवन रॉय की प्रस्तुति हुई। एक भारत-श्रेष्ठ भारत विषय पर फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री चौहान और केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों और टीमों को सम्मानित किया। समारोह में गेम्स के एंथम ₹हिन्दुस्तान का दिल धड़का दो₹ पर डांस परफॉर्मेंस भी हुआ। अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी हुई। खेलो इंडिया की गतिविधियों में सहयोग के लिए भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य उपक्रमों का आभार व्यक्त किया गया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मध्य प्रदेश में टूटे हैं अनेक रिकॉर्ड : अनुराग ठाकुर

-मध्यप्रदेश ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का बेहतरीन आयोजन किया: केन्द्रीय खेल मंत्री

भोपाल। केंद्रीय खेल, युवा कार्य और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मध्यप्रदेश में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अनेक रिकॉर्ड टूटे हैं। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी पूरी टीम बधाई और धन्यवाद की पात्र है। मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया गेम्स के लिए बहुत अच्छी व्यवस्थाएँ की गई। युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मंच मिला।

केन्द्रीय खेल मंत्री ठाकुर शनिवार देर शाम को भोपाल में बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेटियों ने खेलों में कमाल कर दिखाया है। इन खिलाड़ियों ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय स्पधाओं में पदक के दावेदार होने का प्रमाण दिया है।

केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलों के आयोजन से खेल क्षेत्र की प्रतिभाएँ आगे आ रही हैं। निर्धन परिवारों से आए खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। यह आवश्यक है कि सरकार, समाज और कॉर्पोरेट घराने, खेल संस्थाएँ और फेडरेशन के साथ मिल कर खेलों को प्रोत्साहन देने का कार्य करें। सहयोग राशि भी खेल गतिविधियों के लिए दी जानी चाहिए। केन्द्रीय मंत्री ठाकुर ने विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटियों और अन्य खिलाड़ियों का अलग-अलग उल्लेख भी किया। इन खेलों में 5 हजार 800 खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ ही व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को मिला कर करीब 10 हजार लोग शामिल हुए। मध्यप्रदेश में यह आयोजन बहुत सफल रहा।

भोपाल के बोट क्लब पर खेलो इंडिया यूथ गेम्स के समापन समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मप्र की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने भी संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय खेल, युवा कार्य एवं गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रामाणिक और पद्मश्री, खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित और ओलिंपियन शूटिंग खिलाड़ी गगन नारंग उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रदेश की प्रमुख सचिव खेल दीप्ति गौड़ मुखर्जी और खेल संचालक रवि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, विद्यार्थी, खेल प्रेमी नागरिक और युवा उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम में नन्हे बांसुरी वादक अनिरवन रॉय की प्रस्तुति हुई। एक भारत-श्रेष्ठ भारत विषय पर फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री चौहान और केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों और टीमों को सम्मानित किया। समारोह में गेम्स के एंथम ₹हिन्दुस्तान का दिल धड़का दो₹ पर डांस परफॉर्मेंस भी हुआ। अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी हुई। खेलो इंडिया की गतिविधियों में सहयोग के लिए भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य उपक्रमों का आभार व्यक्त किया गया।

रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को हराकर पांचवीं बार फीफा क्लब विश्व कप जीता

मोरक्को, एजेंसी

स्पेन के रियल मैड्रिड ने पांचवी बार फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया, उसने फाइनल मुकाबले में सऊदी अरब के अल हिलाल को हराकर यह खिताब जीता है। फाइनल मुकाबला शनिवार को मोरक्को की राजधानी रबात के प्रिंस मौले अब्दुल्लाह स्टेडियम में खेला गया और जिसमें रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को 5-3 से हराया। स्पेनिश टीम के लिए विनिसियस जूनियर और फेडे वालवरडे ने दो-दो गोल दागे, जबकि दूसरे हाफ में 5वां गोल करीम बेंजेमा ने किया। अल हिलाल के लिए लुसियानो वीटो और मौसा मरेगा ने गोल किया। स्पेनिश के कप्तान एंसेलोटी की टीम सऊदी अरब के अल हिलाल पर शुरू से अंत तक हावी रही और खेल के 20 मिनट के भीतर विनी जूनियर और वाल्वरडे के दो गोल की मदद से मैच में शुरूआती बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद प्रतिद्वंदी टीम के खिलाड़ी मारेगा ने 26वें मिनट में एक गोल कर स्कोर के अंतर को कम किया, लेकिन ब्रेक के बाद रियल मैड्रिड ने खेल के 54वें मिनट में बेंजेमा और 58वें मिनट में वाल्वरडे के गोल ने मैच को अपने टीम के पक्ष में कर लिया।

एक बार फिर प्रतिद्वंदी टीम ने पलटवार किया और वीटो ने खेल के 64वें मिनट में अपनी टीम के लिए एक गोल किया। इसके बाद विनी जूनियर ने खेल के 69वें मिनट में एक और गोल कर तीसरा गोल किया और स्कोर को 5-3 तक ले आए लेकिन अपनी हार को न बचा सके। रियल मैड्रिड ने कल पांचवीं बार फीफा क्लब विश्व कप जीता, इससे पहले वह 2014, 2016, 2017 और 2018 में भी यह खिताब अपने नाम कर चुका है।

बोकुम को हराकर बायर्न बुंदेसलीगा में शीर्ष पर बरकरार

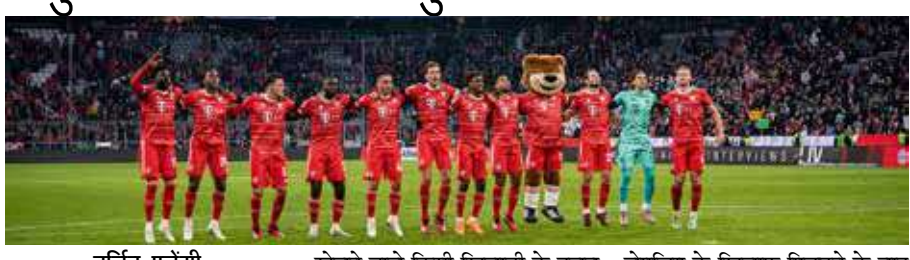

बर्लिन, एजेंसी

थॉमस म्यूलर ने बायर्न म्यूनिख की ओर से रिकॉर्ड मुकाबले खेलने का जश्न गोल करके मनाया जिससे गत चैंपियन टीम बोकुम को 3-0 से हराकर बुंदेसलीग फुटबॉल टूनार्मेंट में शीर्ष पर बरकरार है। बायर्न की ओर से म्यूलर 428वां लीग मुकाबला खेल रहे थे जो क्लब के महान खिलाड़ी गर्ड म्यूलर से एक अधिक है। यह आउटफील्ड में खेलने वाले किसी खिलाड़ी के क्लब के लिए रिकॉर्ड मैच हैं। गोलकीपर ओलीवर काहन (429) और सेप मायर (473) ने ही इससे अधिक मैचों में क्लब का प्रतिनिधित्व किया है। म्यूलर ने 41वें मिनट में बायर्न म्यूनिख को बढ़त दिलाई जिसके बाद किंग्सले कोमैन और सर्गेई गनेबरी ने भी एक-एक गोल दागा। इस जीत से बायर्न ने अंक तालिका में यूनियन बर्लिन पर एक अंक की बढ़त बनाए रखी है जिसने लेपजिग के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। बायर्न के 20 मैच में 43 जबकि बर्लिन के इतने ही मैच में 42 अंक हैं।अन्य मुकाबलों में बोरूसिया डोर्टमंड ने वर्डर ब्रेमेन को 2-0 से हराया जबकि होफेनहीम को बायर्न लीवरक्यूसेन के खिलाफ 1-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। फ्राइबर्ग ने स्टुटगार्ट को 2-1 से हराया जबकि मेंज ने ऑग्सबर्ग को 3-1 से शिकस्त दी।

अभियान लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने पहली ही गेंद पर सूजी बेट्स का विकेट गंवा दिया जिससे टीम पूरी पारी के दौरान कभी नहीं उबर पाई और अंततः 14 ओवर में सिर्फ 76 रन पर ढेर हो गई....

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 97 रन से रौंदा

पार्ल (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप में खिताब की रक्षा के अपने अभियान की शानदार शुरूआत करते हुए यहां न्यूजीलैंड पर 97 रन की एकतरफा जीत दर्ज की। एलीसा हीली ने 55 रन की पारी खेली जो 2020 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप फाइनल के बाद उनका इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। कप्तान मेग लेनिंग ने 41 जबकि एलिस पैरी ने 40 रन का योगदान दिया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को नौ विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने पहली ही गेंद पर सूजी बेट्स का विकेट गंवा दिया जिससे टीम पूरी पारी के दौरान कभी नहीं उबर पाई और अंततः 14 ओवर में सिर्फ 76 रन पर ढेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एशलेग गार्डनर ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे पांच बार के चैंपियन ने अपने अभियान की शुरूआत दबदबे वाली जीत के साथ की। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत भी खराब रही और टीम ने चौथी गेंद पर ही बेथ मूनी (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने लिया ताहुहु (37 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर ईडन कार्सन को कैच थमाया। हीली और लेनिंग ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने पावर प्ले में स्कोर एक विकेट पर 47 रन तक पहुंचाया जो टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरूआती छह ओवर में टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। हीली और लेनिंग ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े। एमेलिया केर (23 रन पर तीन विकेट) ने लेनिंग को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। ताहुहु ने अगले ओवर में गार्डनर (03) को कार्सन के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 76 रन किया। हीली और पैरी ने इसके बाद जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने सिर्फ 28 गेंद में 50 रन जोड़े। हीली ने ताहुहु की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर कैच थमाया। पैरी और ग्रेस हैरिस (छह गेंद में 14 रन) ने आठ गेंद में 22 रन जोड़े लेकिन हैरिस इसके बाद रन आउट हो गईं। पैरी ने एमेलिया पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर पगबाधा हो गईं। जेस जोनासेन भी इसी ओवर में खाता खोले बिना पवेलियन लौट गईं। एलेना किंग (01) और ताहलिया मैकग्रा (08) भी कोई कारनामा नहीं कर सकीं।

महिला टी20 विश्वकप : इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया

पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)। इंग्लैंड ने शनिवार को यहां वेस्टइंडीज को 33 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर महिला टी20 विश्वकप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया। इंग्लैंड के सामने 136 रन का लक्ष्य था। उसने सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले की 18 गेंदों पर 34 रन की पारी तथा नैट साइवर ब्रंट (30 गेंदों पर नाबाद 40, छह चौके, एक छक्का) और कप्तान हीथर नाइट (22 गेंदों पर नाबाद 32, चार चौके, एक छक्का) के बीच चौथे विकेट के लिए 67 रन की अटूट साझेदारी के दम पर 14.3 ओवर में तीन विकेट पर 138 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इससे पहले वेस्टइंडीज ने ग्रुप बी के इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 135 रन बनाए थे। उसके चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें कप्तान हेली मैथ्यूज ने 42 और शेमाइन कैंपबेल ने 34 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने 23 रन देकर चार विकेट लिये।

ताइवान-चीन कारक के कारण भारत-प्रशांत क्षेत्र चाकू की धार पर

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी वायु सेना के एक जनरल ने चीन के साथ युद्ध की संभावना के बारे में चेतावनी देते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं गलत हूं। मेरा मना कहता है कि 2025 में मैं लड़ूंगा। माइक मिन्हान के चिलिंग मेमो ने इसके लिए घटनाओं के संयोग की बात की, अमेरिका और ताइवान का 2004 के राष्ट्रपति चुनाव से विचचल ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लंबे समय से प्रतिष्ठित द्वीप राष्ट्र पर जाने का मौका दिया। इसके अलावा, ताइवान पर चीन के दावों से बहुत अलग नहीं होने के आधार पर यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के परिणाम को बीजिंग बारीकी से देख रहा है। हालांकि पेंटागन ने इस भविष्यवाणी को खारिज कर दिया कि ताइवान यूएस-चीन सामरिक टकराव में ट्रिगर बिंदु है, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र के माध्यम से चलता है। भले ही ताइपे की स्थिति अधर में है, वाशिंगटन इसे एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देता है। एक एक चीन नीति की उसकी प्रतिबद्धता सार्वजनिक रूप से स्वतंत्रता की मांग का विरोध करती है। फिर भी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका को अपनी सेना के साथ हमले की स्थिति में ताइवान की रक्षा की प्रतिबद्धता जाहिर की है। पिछले साल पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान के लिए कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति शामिल थे। इस पर चीन ने द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास करके और अपनी आक्रमण क्षमता का प्रदर्शन करते हुए मिसाइल दागकर जवाबी कार्रवाई की। इस साल एक और तसलीम होने की संभावना है, अगर स्पीकर केविन मैककार्थी इसी तरह की यात्रा करते हैं। आखिरी बार अमेरिका चीन के खिलाफ 1950 के दशक के कोरियाई युद्ध में आमने-सामने हुआ था, जब उसने 6.8 मिलियन कर्मियों को तैनात किया था, जिसमें 54,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद कोरिया प्रायद्वीप का दो देशों में विभाजन हुआ था। अब सवाल उठता है कि क्या अमेरिका के पास एक चीन के खिलाफ एक और विदेशी सैन्य कार्रवाई की क्षमता है। वियतनाम और अफगानिस्तान में हार और इराक में निर्थक युद्ध के बाद इसमें हजारों सैनिकों की तैनाती की आवश्यकता हो सकती है। वाशिंगटन यह देखता है कि द्वीप के चीन के अधिग्रहण की स्थिति में उसकी अर्थव्यवस्था और रक्षा के लिए क्या हो सकता है और सेमीकंडक्टर चिप्स के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बाइडेन ने 52 बिलियन डॉलर कार्यक्रम की घोषणा की है। ताइवान लगभग 65 प्रतिशत चिप्स का उत्पादन अमेरिका के लिए करता है। उनमें से और 90 प्रतिशत से अधिक उन्नत प्रकार के हैं। अगर चौतरफा युद्ध का कोई निवारण है, तो

यह पारस्परिक रूप से सुनिश्चित विनाश या एमएडी का खतरा है, जो परमाणु हथियारों के संदर्भ में एक अवधारणा है, लेकिन अमेरिका-चीन के मामले में यह उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर लागू होता है, जिसके उनके समाजों के लिए विनाशकारी परिणाम होते हैं। क्योंकि चीन के पास लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज है, जो अमेरिकी बाजारों पर भी निर्भर करता है। ताइवान चीन की आक्रामकता का एक हिस्सा है, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र से होकर भारत के साथ सीमा टकराव के लिए हिमालय तक जाता है। अमेरिका इस क्षेत्र में बीजिंग की नीति को वैश्विक वर्चस्व की दिशा में एक कदम के रूप में देखता है। पिछले साल जारी इंडो-पैसिफिक रणनीति पर बाइडेन प्रशासन के एक दस्तावेज में कहा गया है कि चीन अपनी आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और तकनीकी ताकत का संयोजन कर रहा है, क्योंकि यह इंडो-पैसिफिक में प्रभाव क्षेत्र का पीछा करता है और दुनिया की सबसे प्रभावशाली शक्ति बनना चाहता है। इस क्षेत्र पर अधिकार जताने की अपनी खोज में, चीन जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, वियतनाम और मलेशिया के साथ समुद्री विवादों में शामिल है। अमेरिका ने इन विवादों में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह मुक्त नेविगेशन और क्षेत्रीय अखंडता के अधिकार का समर्थन करता है और कभी-कभी - जैसा कि हाल ही में पिछले नवंबर में - अपने नौसेना के जहाजों को विवादित जलक्षेत्र के माध्यम से भेजा, जिसका बीजिंग से विरोध हुआ। अमेरिका का ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान, फिलीपींस और थाईलैंड के साथ रक्षा समझौते हैं, और मनीला इस महीने अधिक ठिकानों तक पहुंच प्रदान करके सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुआ है। उन्हें एक सैन्य समझौते में एक साथ बांधना फिलहाल लगभग असंभव है। 1950 के दशक का सुरक्षा समझौता, दक्षिण पूर्व एशिया संधि संगठन (एसईएटीओ), जिसमें पाकिस्तान और ब्रिटेन और फ्रांस शामिल थे, 1970 के दशक में स्थापित और आत्म-विनाश हुआ, अब किरदारों के एक नए समूह के साथ पुनर्जीवित होने की संभावना नहीं है। अमेरिका ने चीन के दबाव का मुकाबला करने के लिए क्षेत्र के तीन सबसे शक्तिशाली देशों, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड लॉन्च किया है। गुटनिरपेक्षता की अपनी झलक और रणनीतिक स्वतंत्रता की नीति का अनुसरण करने के लिए वैचारिक कारणों से इसे सुरक्षा व्यवस्था में बदलने के किसी भी प्रयास में भारत सबसे कमजोर कड़ी है। अमेरिका इस क्षेत्र के बाहर के साझेदारों को भी इस क्षेत्र के लिए सुरक्षा व्यवस्था के अपने धष्टिकोण में शामिल करना चाहता है, जो चीन के लिए एक बहुआयामी चुनौती पेश करने के लिए सेना से परे है। इसके इंडो-पैसिफिक रणनीति दस्तावेज में कहा गया है: हम अपने सहयोगियों और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और उससे आगे के भागीदारों के बीच सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा देंगे, जिसमें हमारे रक्षा औद्योगिक ठिकानों को जोड़ने के लिए नए अवसरों की तलाश करना, हमारी रक्षा आपूर्ति को एकीकृत करना शामिल है। वाशिंगटन 2021 में ऑस्ट्रेलिया के साथ एयूकेयूएस सुरक्षा समझौता करने के लिए ब्रिटेन को साथ लाया। उम्मीद थी कि चीन इससे सहमत होगा। अमेरिका इसे और आगे बढ़ाना चाहता है और इसके इंडो-पैसिफिक स्ट्रैटेजी डॉक्यूमेंट में हमारे इंडो-पैसिफिक और यूरोपियन पार्टनर्स को नए तरीकों से एक साथ लाने का वादा किया गया है। पेंटागन के अनुसार, हिंद-प्रशांत में सुरक्षा वातावरण, क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए बहुपक्षीय धष्टिकोण और क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा करने के लिए अमेरिका और फ्रांसीसी रक्षा अधिकारियों ने इस महीने अपनी तीसरी इंडो-पैसिफिक रणनीतिक वार्ता आयोजित की। सके जवाब में चीन ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में सोलोमन द्वीप, किरिबाती, समोआ, फिजी, टोंगा, वानुअतु, पापुआ न्यू गिनी और तिमोर लेस्ते जैसे छोटे लेकिन अत्यधिक रणनीतिक द्वीपों पर अपनी पहल तेज कर दी है। मानवाधिकारों या लोकतंत्र को बढ़ावा देने के किसी भी ढोंग के बिना, बीजिंग उन देशों के साथ सैन्य या पुलिस संबंधों को आगे बढ़ा रहा है, जो इसे अंतिम नियंत्रण दे सकते हैं और कार्रवाई के लिए चोक प्वांइट और लॉन्चिंग पैड बना सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

वेस्ट बैंक में इजरायली लोगों के साथ संघर्ष में फिलिस्तीनी मारे गए

उत्तरी पश्चिमी तट के सालफिट शहर के पास शनिवार को इस्राइली लोगों के साथ संघर्ष में एक फलस्तीनी मारा गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि करावत बानी हसन गांव में एक इस्राइली निवासी द्वारा सिर में गोली मारे जाने के बाद 27 वर्षीय मेथकल रेयान की मौत हो गई। फिलिस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि सशस्त्र इस्राइली बसने वालों का एक समूह गांव के निवासियों से भिड़ गया और उन पर गोलियां चला दीं। मंत्रालय के अनुसार, रेयान की मौत के साथ 1 जनवरी से वेस्ट बैंक में इजरायली सैनिकों द्वारा मारे गए फिलिस्तीनियों की कुल संख्या 46 हो गई है। इस्राइली अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। इजरायली मीडिया ने बताया कि 1 जनवरी से पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनियों द्वारा किए गए दो अलग-अलग हमलों में नौ इजरायली मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। मुख्य रूप से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली इजरायली दक्षिणपंथी सरकार के गठन के बाद वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में तनाव बढ़ रहा है। वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में यहूदी बस्तियों का मुद्दा लंबे समय से इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के बीच विवाद का एक प्रमुख स्रोत रहा है।

फिलीपींस में कार हादसे में 7 लोगों की मौत, 22 घायल

दक्षिणी फिलीपींस के मिसामिस ओरिएंटल प्रांत में शनिवार को कार दुर्घटना में छह पुलिस अधिकारियों सहित सात लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। माचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि पीड़ित दो यात्री वैन में सवार थे, जो इलिगन सिटी से कागायन डे ओरो सिटी जा रही थी, दुर्घटना शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे हुई। छह पुलिस अधिकारियों और एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में 19 पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, जिनमें से एक को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने कहा कि एक मालवाहक ट्रक के पीछे पीछे चल रही यात्री वैन ने ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में बाहरी लेन ले ली।

तुर्की व सीरिया में आया भूकंप सदी की सबसे बड़ी त्रासदी : संयुक्त राष्ट्र संघ

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि दक्षिणी तुर्की और उत्तरी सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप इस क्षेत्र में सदी की सबसे बुरी घटना है। मानवीय मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा, सोमवार को यहां जो हुआ, इस क्षेत्र में 100 वर्षों में सबसे खराब घटना थी। ग्रिफिथ्स ने कहा, 100 से अधिक देशों ने तुर्की में आपातकालीन राहत दल भेजे हैं, लेकिन इससे अधिक की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के लिए धन जुटाने और प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए अपील करेगा।

उन्होंने कहा, हमारे पास तुर्की के लोगों की मानवीय सहायता के लिए अपील करने के लिए एक स्पष्ट योजना है, और हम सीरिया के लोगों के लिए भी कुछ ऐसा ही करेंगे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने आपदा के दूसरे चरण के लिए चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, तुर्की और सीरिया में स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत अधिक सुधार की जरूरत है। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने शनिवार शाम को घोषणा की कि सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या तुर्की में बढ़कर 22,327 हो गई, जबकि देश में 80,278 लोगों के घायल होने की सूचना है। तुर्की के भूकंप प्रभावित दस प्रांतों में खोज और बचाव के प्रयास अब आपदा के छठे दिन मलबा हटाने की ओर हो गया है। हालांकि इमारतों के मलबे में बचे लोगों को खोजने की कोशिश भी जारी है। शनिवार को मलबे से निकाले गए घायलों की संख्या बहुत कम थी। तुर्की मेडिकल एसोसिएशन ने भूकंप के बाद होने वाली संक्रामक बीमारियों के बारे में चेतावनी दी है। संस्था की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बिजली, पानी और सीवरेज जैसे बुनियादी ढांचे को नुकसान से पानी और खाद्य जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यह इन्फ्लूएंजा और कोरोनावायरस जैसे तीव्र श्वसन संक्रमणों के लिए जोखिम बढ़ाता है, साथ ही खुजली, जूं, कवक और डायरिया रोगों जैसे संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने शनिवार को कहा कि विदेशी टीमों सहित कम से कम 1 लाख 60 हजार लोग खोज और बचाव प्रयास में लगे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के सभी राज्य छात्रावास भूकंप पीड़ितों के लिए आरक्षित होंगे, विश्वविद्यालय के छात्रों को गर्मियों तक दूरस्थ शिक्षा प्राप्त होगी। तुर्की के आंतरिक मंत्री सुलेमान सोयलू ने जर्मनी और ऑस्ट्रिया की निंदा की, क्योंकि उनकी टीमों ने सुरक्षा खतरों के कारण अपने प्रयासों को रोक दिया है।

मारे गए बांग्लादेशी पत्रकारों के परिजनों ने मामले को सुलझाने में देरी का विरोध किया

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2012 में मारे गए एक पत्रकार दंपति के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों ने शनिवार को एलीट रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) से मामले को जल्द से जल्द सुलझाने या अपनी विफलता स्वीकार करने और जांच एक अन्य एजेंसी को सौंपने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल ने कहा कि आरएबी को सागर सरवर और मेहरुन रूनी हत्याकांड की जांच रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। 11 फरवरी, 2012 को टीवी समाचार संपादक सरवर और वरिष्ठ रिपोर्टर रूनी की हत्या को 11 साल बीत चुके हैं, लेकिन जांच अभी तक हत्या के पीछे के रहस्य से पर्दा नहीं उठा पाई है। जहां पीड़ितों के उनके परिवार के सदस्यों ने लंबी लेकिन असफल जांच पर निराशा व्यक्त की, वहीं पत्रकार समुदाय ने हत्या की गुत्थी सुलझाने में अधिकारियों की विफलता पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। एक विरोध रैली में पत्रकारों ने कहा कि तत्कालीन गृहमंत्री सहारा खातून ने घोषणा की थी कि हत्यारों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन अधिकारी 95,000 घंटे से अधिक समय में जांच पूरी करने में भी विफल रहे। मामले की जांच कर रही आरएबी 95 बार हत्या मामले की जांच रिपोर्ट पेश करने में नाकाम रही है। पिछले 11 वर्षों में जो कुछ किया गया है, उस पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए पत्रकारों ने कहा कि उन्हें डर है कि सागर-रूनी हत्याकांड में न्याय नहीं मिलेगा, लेकिन कानून लागू करने वालों को चेतावनी दी कि वे हत्या पर कोई काल्पनिक कहानी न गढ़ें। ढाका यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (डीयूजे) ने आरएबी को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई भी काल्पनिक कहानी बनाते हुए, सच्चाई को छिपाते हुए कोई जांच रिपोर्ट दायर की, तो हम, पत्रकार समुदाय, आरएबी के खिलाफ युद्ध शुरू कर देंगे। कई पत्रकार नेताओं ने आरोप लगाया कि हत्या में पैदा हुई दंडमुक्ति की संस्कृति ने कई पत्रकारों की हत्या का मार्ग प्रशस्त किया।

बांग्लादेश में एएल-बीएनपी संघर्ष में 45 घायल, 6 हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

जमालपुर के सदर उपजिला में शनिवार दोपहर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) के समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम 45 लोग घायल हो गए। पुलिस ने घटना के सिलसिले में बीएनपी के एक नेता समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को हवा में फायरिंग करनी पड़ी और आंसूगैस के गोले दागने पड़े। टिटपल्ला यूनियन अवामी लीग के महासचिव दौलतुज्जमां ने दावा किया कि अवामी लीग की रैली में बीएनपी नेताओं और कार्यकताओं के अचानक हुए हमले में खुद सहित तीन लोग घायल हो गए। सूत्रों ने कहा कि अवामी लीग और बीएनपी शनिवार दोपहर कमालखान बाजार में अलग-अलग रैलियां कर रहे थे। इस दौरान दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच मारपीट भी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। सदर थाना प्रभारी काजी शाहनवाज ने बताया कि पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए 34 राउंड फायरिंग की और आंसूगैस के गोले छोड़े।

तुर्की में विनाशकरी भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 24 हजार के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

तुर्की के उप राष्ट्रपति फुआत ओकटे ने शनिवार देर रात कहा कि इस सप्ताह के शुरू में देश के दक्षिणी क्षेत्र में आए दो विनाशकारी भूकंपों में मरने वालों की संख्या 24 हजार से अधिक हो गयी है। श्री ओकेट ने कहा कि अभी तक 24617 लोगों की मौत हो चुकी है और 80278 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा करीब 93 हजार लोगों को निकाला गया है। उन्होंने कहा कि 32071 टीमें दिन-रात राहत एवं बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण पूर्व में भूकंप से प्रभावित 10 प्रांतों में न्याय मंत्रालय के निर्देश पर अभियोजक के कार्यालयों द्वारा भूकंप अपराध जांच विभाग स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भूकंप में गिरी इमारतों में 131 संदिग्धों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई थी। एक को गिरफ्तार किया गया था और 113 अन्य के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। इससे पहले आपदा और आपातकालीन प्रबंधन

प्रेसीडेंसी (एएफएडी) ने कहा कि भूकंप में 80278 लोग घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार देश में सोमवार को रिक्टर पैमाने पर 7.7 और 7.6 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिसका केन्द्र कहरामनमारस प्रांत था। अदाना, अदियामन, दियारबाकिर, गाज़ियांटेप, हटे, किलिस, मालट्या, उस्मानिया और सनलीउफा सहित 10 प्रांतों में 1.30 करोड़ से अधिक लोग विनाशकरी भूकंप से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सीरिया और लेबनान सहित कई देशों ने भी 10 घंटे से भी कम समय में तुर्की में आए तेज भूकंप के झटके महसूस किए। तुर्की में भूकंप के दो शक्तिशाली झटकों के अलावा भी कई हल्के झटके महसूस किए गए। एएफएडी के बयान के अनुसार कम से कम 218,406 खोज और बचाव कर्मी क्षेत्र में राहत कार्य में जुटे हुए हैं। इस बीच, पर्यावरण, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री मूरत कुरुम ने कहा कि 10 प्रांतों में 171,882 भवनों का निरीक्षण किया गया।

विमान | **अमेरिकी लड़ाकू विमान ने युकोन के हवाई क्षेत्र में उड़ रही एक अज्ञात वस्तु को करा नष्ट .....**

अमेरिकी लड़ाकू विमान ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में अज्ञात, बेलनाकार वस्तु को नष्ट किया : अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-22 ने कनाडा के हवाई क्षेत्र में एक अज्ञात बेलनाकार वस्तु को नष्ट किया है। इससे एक दिन पहले अमेरिका ने अलास्का के जल क्षेत्र के ऊपर एक अज्ञात वस्तु और एक सप्ताह पहले साउथ कैरोलाइना तट के पास एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को नष्ट किया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने बताया कि इस अज्ञात वस्तु को शनिवार को उत्तर-पश्चिम कनाडा के युकोन क्षेत्र में नष्ट किया गया। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया कि यह वस्तु एक रात पहले अलास्का में देखी गई थी और सैन्य अधिकारियों ने बारीकी से इस पर नजर रखी। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद इस संबंध में फैसला किया गया। ट्रुडो ने कहा, मैंने कनाडाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाली एक अज्ञात वस्तु को नष्ट करने का आदेश दिया था। एनओआरएडी (नार्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड) ने युकोन में एक वस्तु को मार गिराया। कनाडाई और अमेरिकी विमानों को तैनात किया

गया और एक अमेरिकी एफ-22 ने वस्तु को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद ने बताया कि करीब 40,000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रही यह वस्तु बेलनाकार थी और पिछले सप्ताह के अंत में मार गिराए गए संदिग्ध चीनी गुब्बारे से छोटी थी। इससे एक दिन पहले अमेरिका के एक लड़ाकू विमान ने अलास्का के उत्तरी तट के पास करीब 40,000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रही छोटी कार के आकार की एक वस्तु को बाइडन के आदेश पर नष्ट किया थ। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर पैट राइडर ने बताया कि एनओआरएडी ने शुक्रवार देर शाम अलास्का के ऊपर एक वस्तु देखी। व्हाइट हाउस ने बताया कि एनओआरएडी ने इसके बाद 24 घंटे इस वस्तु पर निकटता से नजर रखी और राष्ट्रपति को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा दल ने इसकी लगातार जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा, अत्यधिक सावधानी बरतते हुए और अपनी सेनाओं की सिफारिश पर राष्ट्रपति बाइडन और कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रुडो ने इसे नष्ट करने की अनुमति दी। बाइडन ने इस अभियान के लिए एनओआरएडी को सौंपे गए अमेरिकी लड़ाकू विमान को इस अभियान के लिए अधिकृत किया और एक अमेरिकी एफ-22 विमान ने कनाडा के अधिकारियों के साथ निकट समन्वय से कनाडाई क्षेत्र में वस्तु को नष्ट कर दिया। राइडर ने बताया कि एक अमेरिकी एफ-22 विमान ने अमेरिकी एवं कनाडाई प्राधिकारियों के निकट समन्वय के बीच ह्यएआईएम 9एक्सह्न मिसाइल का इस्तेमाल करके वस्तु को नष्ट कर दिया। इस बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रुडो ने भी बताया कि उनके आदेश पर एक दिया।

हजारों गर्भवती रूसी महिलाएं नागरिकता के लिए जा रहीं अर्जेंटीना

हाल के महीनों में 5,000 से अधिक गर्भवती रूसी महिलाएं अर्जेंटीना पहुंची हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना जाने वाली महिलाएं अपनी गर्भावस्था के अंतिम चरण में थी। ऐसा माना जा रहा है कि महिलाएं अर्जेंटीना की नागरिकता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनके बच्चे अर्जेंटीना में पैदा हों। आगमन की संख्या हाल ही में बढ़ी है, जो स्थानीय मीडिया के मुताबिक यूक्रेन में युद्ध का परिणाम है। माइग्रेशन एजेंसी के प्रमुख फ्लोरेंसिया कैरिग्नानो ने ला नेसिओन को बताया कि गुरुवार को एक उड़ान से अर्जेंटीना की राजधानी पहुंची 33 महिलाओं में से तीन को उनके दस्तावेजीकरण में समस्या के कारण हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि रूसी महिलाओं ने शुरू में दावा किया था कि वे पर्यटक के रूप में अर्जेंटीना जा रही हैं। यह पाया गया कि वे यहां पर्यटन गतिविधियों में शामिल होने के लिए नहीं आई थीं। उन्होंने इसे स्वयं स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि रूसी महिलाएं चाहती हैं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है। बीबीसी ने बताया, समस्या यह है कि वे अर्जेंटीना आती हैं, अपने बच्चों को अर्जेंटीना के रूप में साइन अप करती हैं और फिर छोड़ देती हैं। हमारा पासपोर्ट दुनिया भर में बहुत सुरक्षित है। यह पासपोर्ट धारकों को 171 देशों में वीजा मुक्त प्रवेश करने की अनुमति देता है। अर्जेंटीना का बच्चा होने से माता-पिता के लिए नागरिकता की प्रक्रिया भी तेज हो जाती है। जैसा कि रूसी नागरिक केवल 87 देशों में वीजा मुक्त यात्रा कर सकते हैं। रूसी भाषा की वेबसाइट अर्जेंटीना में जन्म देने की इच्छा रखने वाली माताओं के लिए विभिन्न पैकेज प्रदान करती है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, वेबसाइट अर्जेंटीना की राजधानी में सबसे अच्छे अस्पतालों में ठहरने की लागत पर व्यक्तिगत जन्म योजना, एयरपोर्ट पिक-अप, स्पेनिश लेशन और छूट जैसी सेवाओं का विज्ञापन करती है।

तुर्की में राहत एवं बचाव टीम ने गर्भवती महिला, उसके भाई को मलबे से सुरक्षित निकाला

दक्षिण तुर्की में एक और चमत्कार उस समय हुआ जब राहत एवं बचाव टीमों ने शनिवार को इमारत का मलबा हटाते हुए एक गर्भवती महिला और उसके भाई को सुरक्षित निकाला। देश में विनाशकारी भूकंप आने के बाद 140 घंटे से अधिक समय से बचाव अभियान जारी है। समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार कहारनमारस प्रांत के ओनिकीसुबत जिले में सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप के बाद 11 मंजिला इमारत के मलबे के नीचे से 26 वर्षीय मोहम्मद हबीप को बचाया गया। फतमा ओयेल को भूकंप के 138 घंटे बाद अंटाक्या जिले में एक ढह गई इमारत के मलबे से निकाला गया था। गंजियांटेप में भूकंप के 133 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद इमारत के मलबे में दबी तेरह वर्षीय एस्मा सुल्तान को भी निकाला गया है। तुर्की में गत सोमवार को रिक्टर पैमाने पर 7.7 और 7.6 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिसका केन्द्र कहरामनमारस प्रांत था। अदाना, अदियामन, दियारबाकिर, गाज़ियांटेप, हटे, किलिस, मालट्या, उस्मानिया और सनलीउफा सहित 10 प्रांतों में 1.30 करोड़ से अधिक लोग विनाशकरी भूकंप से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सीरिया और लेबनान सहित कई देशों ने भी 10 घंटे से भी कम समय में तुर्की में आए तेज भूकंप के झटके महसूस किए। तुर्की में भूकंप के दो शक्तिशाली झटकों के अलावा भी कई हल्के झटके महसूस किए गए। एएफएडी के बयान के अनुसार कम से कम 218,406 खोज और बचाव कर्मी क्षेत्र में राहत कार्य में जुटे हुए हैं।

कनाडा की सीमा के पास मोंटाना हवाई क्षेत्र बंद : एफएए

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने रक्षा कारणों से कनाडा की सीमा के पास देश के मोंटाना प्रांत में हावरे शहर के आसपास के हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। एफएए ने एक बयान में यह जानकारी दी। एफएए ने शनिवार को जारी एक नोटिस में कहा कि सभी विमान जो पहले से ही उड़ान भर रहे हैं, उन्हें सुरक्षा कारणों से सबसे तेज मार्ग का उपयोग करके इस क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकलना चाहिए। एफएए के अनुसार अमेरिकी रक्षा विभाग की गतिविधियों के समर्थन में इस हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया है, लेकिन इसके बारे में कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है। उत्तर अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान (एनओआरएडी) ने कल कहा कि उत्तरी कनाडा के ऊपर अत्यधिक ऊंचाई पर एक संदिग्ध वस्तु को उडान भरते हुए देखा गया था। बाद में, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि यूकोन के ऊपर एक अमेरिकी एफ-22 विमान ने अज्ञात वस्तु को मार गिराया। श्री ट्रूडो ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से इस घटना के बारे में बातचीत है। व्हाइट हाउस ने कहा कि आसमान में मार गिरायी गई संदिग्ध वस्तु का 24 घंटे के भीतर पता चल गया है है। वह मानवरहित वस्तु थी। पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने कल कहा कि सबसे पहले इस वस्तु का पता एनओआरएडी को शुक्रवार देर शाम अलास्का के ऊपर चला और अमेरिकी हवाई क्षेत्र में दो एफ-22 विमानों द्वारा इसकी निगरानी की गई और फिर कनाडाई हवाई क्षेत्र में इसका पता लगाया गया। श्री राइडर ने कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद के बीच कल बातचीत हुई और अमेरिकी और कनाडाई अधिकारियों के बीच नजदीकी समन्वय के बाद एक अमेरिकी एफ-22 विमान ने एआईएम 9एक्स मिसाइल का उपयोग करते हुए कनाडाई क्षेत्र में इस मानवरहित वस्तु को मार गिराया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129